प्रकाशन का सफलतम 17 वां वर्ष

सुविचार

कौन क्या कर रहा है,
कैसे कर रहा है
और क्यों कर रहा है।
इन सब से आप जितना
दूर रहेंगे उतना ही आप खुश रहेंगे!!!

श्रीमद् भगवद् गीता

www.purvanchalsurya.com

आवाज आज की, नज़र कल पर

पूर्वांचल सूर्य

रांची > दिल्ली > देवघर से प्रकाशित

RNI No.- JHAHIN/2007/24306

वर्ष - 17 | अंक 223 | दैनिक | रांची | गुरुवार 28 मार्च 2024 | पृष्ठ - 12 | मूल्य : ₹ 4.00

इसरो ने किया कमाल, अंतरिक्ष में फिर गाड़े झंडे

अब सैटेलाइट लॉन्च पर नो कचरा और एक्सीडेंट का खतरा भी कम

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया की अग्रणी स्पेस कंपनियों में अपनी जगह बना चुकी इसरो ने एक और मील का पत्थर हासिल कर लिया है। भारत के सैटेलाइट पीएसएलवी ने शून्य कक्षीय मलबा मिशन पूरा कर लिया। यह मिशन अपने आप में बड़ी उपलब्धि है। इससे फायदा यह होगा कि अब इसरो नए मिशन के लिए जो भी रॉकेट लॉन्च करेगा, उसका मलबा अंतरिक्ष में नहीं बिखरेगा। इसरो ने इस मिशन को ऐसे समय में पूरा किया है जब दुनिया भर के वैज्ञानिकों के लिए अंतरिक्ष में मलबा एक बड़ी चुनौती बना हुआ है। इसरो ने सोमवार को मामले में जानकारी दी कि उसके ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान (पीएसएलवी) ने शून्य कक्षीय मलबा मिशन पूरा कर लिया है। यह उपलब्धि 21 मार्च को हासिल किया गया जब पीएसएलवी ऑर्बिटल एक्सपेरिमेंटल मॉड्यूल-3 (पीओईएम-3) ने पृथ्वी के वायुमंडल में फिर से प्रवेश किया और अपने मिशन को पूरा किया। अंतरिक्ष एजेंसी इसरो ने कहा, ''पीएसएलवी -सी58/एक्सपोसैट मिशन ने व्यावहारिक रूप से कक्षा में शून्य मलबा छोड़ा है।'' इसरो के मुताबिक, किसी भी सैटेलाइट को उसकी कक्षा में स्थापित करने के बाद पीएसएलवी तीन हिस्सों में बंट जाता है। इसे पीओएम-3 कहा जाता है। इसमें पीएसएलवी को पहले 650 किलोमीटर की ऊंचाई वाली कक्षा से 350 किलो मीटर वाली कक्षा में लाया गया। इससे पीएसएलवी जल्दी ही अपनी कक्षा में प्रवेश कर गया। इसका सबसे बड़ा फायदा यह है कि कक्षा बदलने के दौरान किसी भी सैटेलाइट के दुर्घटनाग्रस्त होने का खतरा कम हो जाएगा। पीओईएम-3 में 9 तरह के प्रायोगित पैलोड लगाए गए हैं। यह एक तरह से वैज्ञानिक प्रयोग है। इन पेलोड को एक महीने के भीतर तैयार किया है।

भारतीयों की सूझबूझ से बची कई लोगों की जान

अमरीका पुल हादसे पर बोले राष्ट्रपति बाइडेन, की तारीफ

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका का बाल्टीमोर में सोमवार देर रात एक मालवाहक जहाज प्रमुख पुल से टकरा गया। इससे पुल टूटकर नीचे नदी में गिर गया। हादसे में छह लोगों की मौत हुई। हादसा इतना भीषण था इससे सैकड़ों लोगों की जान सकती थी लेकिन जहाज के क्रू मेंबर्स की सूझबूझ ने दिखाते हुए बड़े हादसे को टाल दिया। बता दें कि इस जहाज पर सभी भारतीय सवार थे। अब खुद अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने बुधवार को कहा कि भारतीय दल की सूझबूझ से कई लोगों की जान बच गई। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने व्हाइट हाउस में कहा, जहाज पर सवार कर्मियों ने मैरीलैंड परिवहन विभाग को पहले ही अलर्ट कर दिया था कि उनका अपने जहाज से कंट्रोल खो गया है।

ईडी की अटैच संपत्तियों को गरीबों में बांटेगी सरकार

- पीएम मोदी ने बंगाल में कैंडीडेट राजमाता अमृता रॉय से फोन पर की बात, कहा-यह बात सबको बताएं

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी की अगुवाई वाली केंद्र सरकार अब ईडी यानी प्रवर्तन निदेशालय की तरफ से अटैच की गई राशि को गरीबों में बांटने की तैयारी कर रही है। खबर है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कहना है कि पश्चिम बंगाल में ईडी की तरफ से अटैच की गई राशि को गरीबों में बांटने की दिशा में काम किया जा रहा है। हाल ही में उन्होंने कृष्णानगर सीट से पार्टी प्रत्याशी राजमाता अमृता रॉय से फोन पर बात की है। रॉय तृणमूल कांग्रेस उम्मीदवार महुआ मोइत्रा के

खिलाफ चुनाव लड़ने जा रही हैं। रॉय के साथ फोन पर हुई बातचीत के दौरान पीएम ने इस संबंध में कानूनी रास्ते खोजने की बात कही है।

उन्होंने कहा है कि जिन गरीबों का रुपया लूटा गया है, वो उन भ्रष्टाचारियों की संपत्ति और राशि के जरिए उन तक वापस पहुंच जाए, जिन्हें ईडी ने अटैच किया है। पीएम ने भरोसा जताया है कि पश्चिम बंगाल राज्य में परिवर्तन के लिए मतदान करेगा। भाजपा ने लोकसभा चुनाव 2024 में राज्य में 30 से ज्यादा सीटें जीतने का लक्ष्य रखा है। पीएम का कहना है कि एक ओर जहां भाजपा देश से भ्रष्टाचार को उखाड़ फेंकने की दिशा में काम कर रही है। वहीं, दूसरी तरफ सभी भ्रष्टाचारी एक-दूसरे को बचाने के लिए साथ आ गए हैं। फरवरी में भी पीएम मोदी ने 'गरीबों की लूट' को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधा था।

गृहमंत्री अमित शाह का बड़ा दावा, कहा

जम्मू-कश्मीर से जल्द से जल्द अफसपा हटाने पर करेंगे विचार

- कहा-वहां मौजूद जवानों को भी वापस बुलाया जा सकता है, सितंबर से पहले विधानसभा चुनाव होंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को कहा कि केंद्र सरकार जम्मू-कश्मीर से आर्म्ड फोर्स स्पेशल पावर्स एक्ट (अफ्सपा) हटाने पर विचार करेंगे। वहां मौजूद जवानों को वापस बुलाने का भी प्लान बनाया जा रहा है। इसके अलावा अमित शाह ने राज्य में सितंबर से पहले विधानसभा चुनाव कराने की भी बात कही है। अमित शाह ने एक मीडिया ग्रुप को दिए इंटरव्यू में कहा कि सरकार ने केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के लॉ एंड ऑर्डर की जिम्मेदारी अब सिर्फ पुलिस को सौंपने की तैयारी की है। पहले वहां की पुलिस पर भरोसा नहीं किया जा सकता था, लेकिन अब पुलिस बड़े ऑपरेशन लीड कर रही है। अमित शाह ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के ओबीसी को मोदी सरकार ने रिजर्वेशन दिया। महिलाओं को भी हमारी सरकार ने एक तिहाई आरक्षण दिया है। पंचायत और शहरी स्थानीय निकायों में ओबीसी रिजर्वेशन की व्यवस्था भी की गई। हमने ही एससी

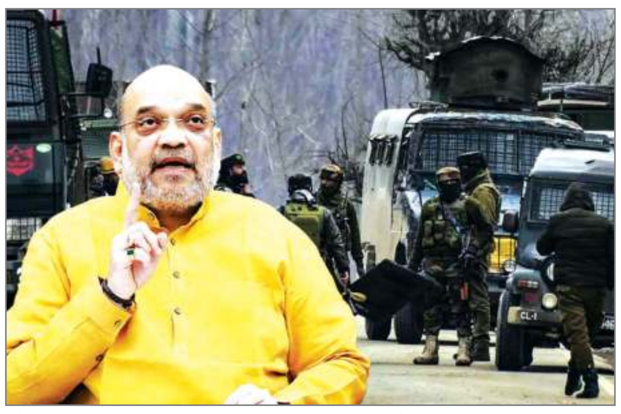

और एसटी के लिए रिजर्वेशन की जगह बनाई है। हमने गुज्जर और बकरवाल समुदाय की हिस्सेदारी कम किए बिना पहाड़ियों को 10 प्रतिशत रिजर्वेशन दिया। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर से विस्थापित लोगों को यहां बसाने के लिए हमने विशेष प्रावधान किए हैं। हमारी सरकार इन सुविधाओं को जमीनी स्तर तक पहुंचाने का प्रण लिया है। नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता फारुक अब्दुल्ला और पीडीपी चीफ महबूबा मुफ्ती ने कई बार इस आरक्षण व्यवस्था को खत्म करने की कोशिश की, लेकिन अब जनता उनके इरादे जान गई है। मैं पूछना चाहता हूं कि 75 साल से इन लोगों को नेशनल कॉन्फ्रेंस ने रिजर्वेशन क्यों नहीं दिया। अमित शाह ने कहा कि जब यहां आतंकवाद का दौर था, तब अब्दुल्ला इंग्लैंड के दौरे पर चले जाते थे।

शाह की अपील-युवा पाकिस्तानी साजिश से दूर रहें

अमित शाह ने कहा– लोगों के बिना सपोर्ट के ये बदलाव नहीं मिल सकते थे। जो लोग इस्लाम की बात करते हैं उन्हें पता होना चाहिए कि मरने वालों में 85 फीसदी हमारे मुस्लिम भाई–बहन थे। मैं यहां के युवाओं से भी कहना चाहता हूं कि उन्हें पाकिस्तान की तरफ से हो रही साजिश से दूर रहना चाहिए। आज पाकिस्तान भुखमरी और गरीबी की मार झेल रहा है। वहां के लोग भी कश्मीर को स्वर्ग के रूप में देखते हैं। मैं सभी को बताना चाहता हूं कि अगर कोई कश्मीर को बचा सकता है तो वह प्रधानमंत्री मोदी ही हैं। मोदी सरकार शहीदों के परिजनों को नौकरी देकर सुरक्षा बलों का मनोबल बढ़ा रही है। आज एक भी शहीद का परिवार बिना नौकरी के नहीं है।

महुआ मोइत्रा पर एजेंसियों का ताबड़तोड़ ऐक्शन जारी

सीबीआई रेड के बाद अब ईडी का समन, फेमा केस में तलब

कोलकाता (एजेंसी)। तृणमूल कांग्रेस की नेता और पश्चिम बंगाल की कृष्णानगर लोकसभा सीट से उम्मीदवार महुआ मोइत्रा एक बार फिर से केंद्रीय एजेंसियों के निशाने पर हैं। प्रवर्तन निदेशालय ने महुआ मोइत्रा को फेमा मामले में दिल्ली में पूछताछ के लिए 28 मार्च को बुलाया है। आधिकारिक सूत्रों ने बुधवार को इसकी जानकारी दी है। तृणमूल नेता को इससे पहले भी केंद्रीय एजेंसी ने पूछताछ के लिए बुलाया था। मोइत्रा को 'रिश्वत लेकर सवाल पूछने' के मामले में दिसंबर में लोकसभा से निष्कासित कर दिया गया था। विदेशी

मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) उल्लंघन मामले में प्रवर्तन निदेशालय ने पूछताछ के लिए 49 वर्षीय टीएमसी नेता महुआ मोइत्रा के साथ–साथ व्यवसायी दर्शन हीरानंदानी को भी समन जारी किया है। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने शनिवार को ही कैश–फॉर–क्वेरी मामले में उनके परिसर पर छापा मारा था। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे द्वारा मोइत्रा के खिलाफ लगाए गए आरोपों पर भ्रष्टाचार विरोधी लोकपाल ने सीबीआई को जांच का निर्देश दिया था। उसके कुछ दिनों बाद ही केंद्रीय एजेंसी ने ये छापेमारी की थी। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने आरोप लगाया था कि महुआ मोइत्रा ने दुबई स्थित व्यवसायी दर्शन हीरानंदानी से नकद और उपहार लेने के बदले में संसद में उद्योगपति गौतम अडानी और प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी सहित अन्य लोगों पर हमला करने के लिए सवाल पूछे थे। दुबे का आरोप था कि महुआ ने अडानी के खिलाफ सवाल पूछकर हीरानंदानी को लाभ पहुंचाया।

सिर्फ असाधारण मामलों में ही मीडिया रिपोर्टों पर लगाएं रोक

सुप्रीम कोर्ट ने कहा, निचली अदालत का आदेश पलटा

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट (एससी) ने मीडिया की स्वतंत्रता बनाए रखने को लेकर निचली अदालतों को बड़ा निर्देश दिया। कोर्ट ने अदालतों से मीडिया घरानों के खिलाफ प्रतिबंधात्मक आदेश पारित करते समय सावधानीपूर्वक चलने के लिए कहा है, और कहा है कि ऐसा केवल असाधारण मामलों में किया जाना चाहिए। एससी ने कहा कि अदालत को प्रथम दृष्ट्या आरोपों की गुणवत्ता की जांच किए बिना मीडिया घरानों के खिलाफ एकतरफा प्रतिबंध आदेश पारित करने से बचना चाहिए। इसमें कहा गया है, किसी आर्टिकल के छपने के खिलाफ प्री-ट्रायल निषेधाज्ञा देने से लेखक की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और जनता के जानने के अधिकार पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है।। अंतरराष्ट्रीय मीडिया समूह 'ब्लूमबर्ग' को 'जी

एन्टरटेनमेंट' के खिलाफ कथित अपमानजनक समाचार हटाने का निर्देश देने संबंधी निचली अदालत के आदेश को निरस्त करते हुए शीर्ष अदालत ने कहा कि सामग्री के प्रकाशन के खिलाफ निषेधाज्ञा पूर्ण सुनवाई के बाद ही जारी की जानी चाहिए। प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली तीन न्यायाधीशों की पीठ ने कहा, ''समाचार के खिलाफ सुनवाई पूर्व निषेधाज्ञा प्रदान करने से इसे लिखने वाले की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और जानकारी प्राप्त करने के लोगों के अधिकार पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है।'' पीठ में न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा भी शामिल हैं।

नहीं रहे रामकृष्ण मिशन के अध्यक्ष स्वामी स्मरणानंद महाराज

पीएम मोदी ने जताया दुख, पुरानी मुलाकातों को याद कर हुए भावुक

नई दिल्ली (एजेंसी)। रामकृष्ण मिशन के अध्यक्ष स्वामी स्मरणानंद का मंगलवार रात वृद्धावस्था संबंधी बीमारियों के कारण निधन हो गया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता समेत कई हस्तियों ने उनके निधन पर शोक व्यक्त किया। वह 95 वर्ष के थे। मिशन ने एक बयान में कहा कि वह 2017 में रामकृष्ण मिशन के 16वें अध्यक्ष बने थे। मंगलवार को बेलूर मठ में उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। बयान में कहा गया, रामकृष्ण मठ और रामकृष्ण मिशन के परम पूज्य अध्यक्ष श्रीमत स्वामी स्मरणानंदजी महाराज ने आज रात 8.14 बजे महासमाधि ले ली। उन्हें संक्रमण के कारण 29 जनवरी को रामकृष्ण मिशन सेवा प्रतिष्ठान में भर्ती कराया गया था। बाद में उन्हें सांस लेने में समस्या होने लगी। इसके बाद उन्हें तीन मार्च को वेंटीलेटर पर रखा गया था।

प्रतिदिन देंगे 400 न्यूनतम मजदूरी, कांग्रेस का वादा

खरगे बोले-मोदी सरकार के 10 साल रहे 'अन्याय काल'

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने मंगलवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के पिछले 10 वर्ष श्रमिकों के लिए 'अन्याय काल' वाले रहे हैं। मुख्य विपक्षी दल ने यह भी कहा कि यदि वह सत्ता में आती है, तो 'श्रमिक न्याय' के माध्यम से कामगारों के लिए अन्याय काल का अंधकार दूर करेगी। कांग्रेस ने वादा किया कि अगर सत्ता में आई तो देशभर में न्यूनतम मजदूरी बढ़ाकर प्रतिदिन 400 रुपये कर देगी। विपक्षी पार्टी ने कहा कि यही मजदूरी मनरेगा के लिए भी लागू होगी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''कांग्रेस पार्टी 'श्रमिक न्याय' क्यों लाई है। मोदी सरकार के कार्यकाल में 2014-15 और 2021-22 के बीच वास्तविक मजदूरी की वृद्धि दर प्रति वर्ष 1 फीसदी से भी कम थी। यह खेत मजदूरों के लिए केवल 0.9 फीसदी, निर्माण कर्मियों के लिए मात्र 0.2 और गैर-कृषि श्रमिकों के लिए सिर्फ 0.3 फीसदी रही।'' उन्होंने दावा किया, ''संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (यूपीए) के दूसरे कार्यकाल के दौरान वास्तविक कृषि और गैर-कृषि ग्रामीण मजदूरी क्रमशः 8.6 फीसदी और 6.9 फीसदी प्रति वर्ष की दर से बढ़ी। इसके विपरीत मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल में वास्तविक ग्रामीण मजदूरी की वृद्धि दर कृषि में (-0.6 फीसदी) और गैर-कृषि ग्रामीण मजदूरी (-1.4 फीसदी) दोनों के लिए नकारात्मक हो गई है।'' खरगे ने आरोप लगाया कि आधार के जरिये भुगतान संबंधी अनिवार्यता खतरनाक है।

उद्धव सेना की लिस्ट आते ही एमवीए में घमासान

तीन सीटों पर कांग्रेस भड़की, संजय निरुपम हो गए बागी

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में भाजपा की ओर से 23 उम्मीदवारों के नाम घोषित करने के बाद अब उद्धव ठाकरे की शिवसेना ने भी 17 प्रत्याशी उतार दिए हैं। उद्धव सेना के उम्मीदवार उतारते ही महाविकास अघाड़ी में रार भी शुरू हो गई है। एक तरफ कांग्रेस नेता संजय निरुपम ने पार्टी को ही अल्टीमेटम दे दिया है तो वहीं कई सीनियर नेताओं ने उद्धव सेना पर हमला बोला है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष बालासाहेब थोराट ने उद्धव ठाकरे से अपील की है कि वे सांगली समेत दो सीटों पर दोबारा विचार करें। वहीं मुंबई कांग्रेस की अध्यक्ष वर्षा गायकवाड़ ने भी इस पर आपत्ति जताई है। उन्होने कहा, अभी जब गठबंधन में सहमति नहीं बन पाई है तो फिर उद्धव ठाकरे की शिवसेना को सांगली और मुंबई की सीटों पर उम्मीदवारों के नाम का ऐलान नहीं करना चाहिए था। यह गलत हुआ है। बता दें कि आज ही उद्धव ठाकरे गुट ने 17 नामों का ऐलान किया है। इनमें से सांगली से चंद्रहर पाटिल को मौका मिला है।

केजरीवाल नहीं चला सकते जेल से सरकार

एलजी ने दिया जोर का झटका मगर धीरे से

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जेल से सरकार नहीं चला सकते हैं। दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने यह दो टूक कह दिया है। कथित शराब घोटाले में गिरफ्तार किए गए केजरीवाल ने इस्तीफे से इनकार करते हुए कहा था कि वह जेल से ही सरकार चलाएंगे। अब एलजी वीके सक्सेना के जवाब के बाद दिल्ली सरकार और राजभवन के बीच टकराव बढ़ सकता है। यह देखना भी दिलचस्प हो गया है कि सरकार का कामकाज किस तरह आगे बढ़ेगा। एक समिट में एलजी वीके सक्सेना ने कहा, मैं दिल्ली के लोगों को भरोसा दे सकता है कि सरकार जेल से नहीं चलेगी। कार्यक्रम के दौरान उपराज्यपाल से पूछा गया था कि क्या दिल्ली की सरकार अब जेल से चलेगी। सक्सेना ने इसका दो टूक जवाब दिया। खबर लिखे जाने तक आम आदमी पार्टी की तरफ से इस पर प्रतिक्रिया सामने नहीं आई थी। एलजी के ताजा रुख से दिल्ली सरकार और राजभवन के बीच टकराव का नया दौर दिख सकता है।

आम आदमी पार्टी कह चुकी है कि जेल से सरकार चलाने के लिए जरूरत पड़ने पर कोर्ट का सहारा लिया जा सकता है। 21 मार्च को गिरफ्तार किए गए अरविंद केजरीवाल ने कहा है कि वह इस्तीफा नहीं देंगे और जेल से ही सरकार चलाएंगे। दिल्ली के मुख्यमंत्री 28 मार्च तक ईडी की कस्टडी में भेज गए हैं। जेल से सरकार की दिशा में कदम बढ़ाते हुए उन्होंने ईडी की कस्टडी से जल और स्वास्थ्य विभाग के लिए दो निर्देश भी जारी किए। हालांकि, भाजपा ने इसको लेकर एलजी से शिकायत की है और निर्देशों को फर्जी बताया है। ईडी सूत्रों ने भी कहा है कि केजरीवाल को हिरासत में किसी फाइल पर हस्ताक्षर की अनुमति नहीं है। जेल से सरकार चलाने के लिए कुछ एक्सपर्ट एलजी की मंजूरी को सबसे अहम बता रहे थे। जेल से सरकार चलाने में व्यवहारिक दिक्कतों को लेकर संविधान विशेषज्ञों ने कहा था कि यदि एलजी चाहें तो किसी इमारत को जेल घोषित किया जा सकता है और वहां केजरीवाल को रखा जा सकता है।

माहेश्वरी समाज का होली मिलन समारोह आयोजित

वरीय संवाददाता

रांची। श्री माहेश्वरी सभा, महिला संगठन एवं युवा संगठन रांची के सयुक्त से माहेश्वरी भवन में माहेश्वरी समाज का होली मिलन सह फाल्गुनोत्सव मनाया।

सर्व प्रथम कार्यक्रम की संयोजिका रीतिका लाखोटिया ने युवा संगठन के सचिव हेमंत माहेश्वरी और अध्यक्ष विनय मंत्री, महिला संगठन की अध्यक्षा भारती चितलांगिया और सचिव बिमला फलोड़, सभा अध्यक्ष किसन साबू और सचिव नरेन्द्र लाखोटिया और झारखंड बिहार प्रदेश माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष राजकुमार मारु, उपाध्यक्ष अनिल साबू और कोषाध्यक्ष शिव शंकर साबू को मंच पर आमंत्रित किया। सभा अध्यक्ष द्वारा प्रदेश अध्यक्ष का होलियाना स्वागत हुआ।सचिव द्वारा प्रदेश उपाध्यक्ष और कोषाध्यक्ष का होलियाना स्वागत किया गया।संयोजक श्री अनुनय मंत्री द्वारा सभा अध्यक्ष का और श्री राजेन्द्र बिड़ला द्वारा सभा सचिव का, श्रीमती कुमुद लाखोटिया ने महिला समिति अध्यक्षा और सचिव का, श्री गौरव काबरा ने युवा संगठन अध्यक्ष और सचिव का स्वागत होलियाना अंदाज में किया गया।

सुश्री राखी और स्वेता चांडक ने हास्य नाटिका का मंचन किया।होली के गीतों पर भी सुंदर प्रस्तुति दी।

छोटे बच्चे वान्या लाखोटिया, धानिशा लखोटिया काव्य सारडा, प्रिंस माहेश्वरी, दिशा माहेश्वरी, और गौतम माहेश्वरी ने भी होली के गीतों पर नृत्य कर उपस्थित समाज जनों का मन मोहलिया।सभी बच्चों को सभा सचिव और सह सचिव श्री बंसत लाखोटिया द्वारा पुरस्कार और सर्टिफिकेट दिया।

श्रीमती रीतिका लाखोटिया ने उपस्थित जनों से होलियाना प्रश्नोत्तरी किया और सही जबाब देने वालों को गिफ्ट दिया गया।

श्री आनंद मालपानी एवं संजय मालपानी नेवड़ी विकाश द्वारा चंग ढप का वेहतरीन प्रस्तुति (राजस्थानी लोक गीतों) पर उपस्थित लोग अपने को थिरकने से रोक नहीं सके।महिला, पुरुष और बच्चे सभी ने घंटों नृत्य किया।

समाज के गणमान्य का स्वागत सभा अध्यक्ष द्वारा होलियाना स्वागत किया गया।अन्य समाजिक संगठनों से आये गणमान्यो का स्वागत सचिव ने किया। केसरिया ठंढाई के साथ लजीज व्यंजनों का लोगों ने आनंद लिया।

कार्यक्रम को सफल बनाने में ओमप्रकाश बोड़ा, श्यामसुंदर बिहानी , अरविंद सोमानी, मनमोहन मोहता, अंकुर डागा, विभोर डागा, मनोज काबरा,सोविक बोड़ा, महिला समिति एवं युवा संगठन के सदस्यों का योगदान रहा।

पूर्व राज्य सभा सांसद अजय मारु, जुगल किशोर मारु, विजय मारु, पवन मंत्री, किशोर मंत्री, परेश गट्टानी, अशोक साबू, विश्वनाथ नारसरिया, प्रदीप राजगढिया, ललित पोद्दार, मनोज चौधरी, रमन बोड़ा, नंदकिशोर पटोदिया, मुकेश काबरा, राम बांगड़, दीपक मारु, अमित चौधरी, सौरभ बजाज, कृष्ण शर्मा ,चेम्बर के पदधारी होली मिलन में उपस्थित हुए।

मनीष जायसवाल ने खेली सूखी होली

कहा, आपसी भेदभाव मिटाकर प्रेम और सद्भाव का घोलें रंग

प्रतिनिधि,हज़ारीबाग। रंग, राग और फागुन के त्यौहार होली पर हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के भाजपा सांसद प्रत्याशी सह हजारीबाग सदर विधायक मनीष जायसवाल होलियाना मूड में नजर आए। यूं तो होली से पूर्व ही हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के विभिन्न इलाके में अलग-अलग संस्था, संगठन, भाजपा और कई प्रमुख व्यक्तियों द्वारा आयोजित होली मिलन समारोह में शामिल हुए और होली का जश्न कहीं थिरकते हुए तो कहीं होली गीत गाकर मनाया। लेकिन होली के मौके पर सोमवार और मंगलवार को अपने आवासीय परिसर में ही रहकर लोकसभा क्षेत्र वासियों संग सुखी होली मनाया। दोनों दिनों मनीष जायसवाल से मिलने और होली की बधाई देने वालों का तांता लगा रहा। भाजपा सांसद प्रत्याशी मनीष जायसवाल ने लोगों से मिलकर अबीर- गुलाल लगाते हुए और ठंडई संग मिठाई खिलाकर होली की हार्दिक शुभकामनाएं दी।भाजपा सांसद प्रत्याशी मनीष जायसवाल ने होली के अवसर पर कहा की होली का पावन त्यौहार में पारस्परिक ईर्ष्या और द्वेष को भूलकर एक- दूसरे को गले से लगाने और समाज में सहानुभूति और संवेदना का प्रचार करने का सकारात्मक संदेश देता है। हम सबों का यह कर्तव्य होना चाहिए कि होली जैसे शुभ पर्वो से शिक्षा ग्रहण करें और उत्सवों का आयोजन करके समाज में गौरव की वृद्धि करें। भेदभाव मिटाकर अपने जीवन में प्रेम और सद्भाव का रंग घोलें। उन्होंने यह भी कहा कि हमें एक ऐसे समाज के निर्माण का संकल्प लेना चाहिए जहां समरसता और समावेशी विकास के रंग हर जिंदगी को खुशहाल बनाएं ।

चतुर्थ फेडरेशन नेशनल योगासन प्रतियोगिता में भाग लेने झारखंड की टीम तमिलनाडु रवाना

29 से 31 मार्च तक आयोजित होगी

वरीय संवाददाता , रांची। चतुर्थ फेडरेशन नेशनल योगासन प्रतियोगिता में भाग लेने वाले खिलाड़ियों को योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन झारखंड के सेक्रेटरी बिपिन पांडे, प्रेसिडेंट संजय सिंह, झारखंड महिला योगासन प्रशिक्षक पूजा सिंह ने शुभकामनाएं दी। 10 खिलाड़ियों के साथ टीम, कोच घनश्याम यादव तमिलनाडु के रांची रेलवे स्टेशन से एलेप्पी एक्सप्रेस में रवाना हुए।

टीम में शामिल खिलाड़ियों का चयन पिछले दिनों आयोजित हुई राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में हुआ था ।टीम में करण कुमार, रेंजर सिंह सरदार, विक्रम, वैभव, पिंटू, जगदीश सिंह, जसपाल सिंह, झारखंड पुलिस से संदीप पांडे, रोशन थापा शामिल है इस प्रतियोगिता के माध्यम से प्रतिभागी आगे राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में भारत योगासना के तरफ से भाग लेंगे योगासन झारखंड के समस्त सदस्यों ने भी भाग लेने खिलाड़ियों को अपनी शुभकामनाएं दी।

थम्स अप ने लॉन्च किया नया कैंपेन तूफान

वरीय संवाददाता ,रांची। कोका-कोला कंपनी का भारत का घरेलू बेवरेज ब्रांड, थम्स अप आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप के लिए अपने नए कैम्पेन, वर्ल्ड कप का तूफानी टूर के अंतर्गत थम्स अप ब्रांडेड विशेष चार्टर्ड विमान तूफ़ान लॉन्च करने के लिए उत्साहित है। आईसीसी टी20 विश्व कप के आधिकारिक बेवरेज पार्टनर के रूप में, थम्स अप ने प्रशंसकों से अपने लगाव को फिर से परिभाषित किया है और स्पोर्ट की दुनिया में प्रशंसकों के लिए नए मानक स्थापित किए हैं। इस साल, थम्स अप क्रिकेट प्रेमियों को एक विशेष थम्स अप प्लेन पर एक जीवनकालिक रोमांच में वेस्ट इंडीज लेकर जा रहा है। यह अभियान क्रिकेट प्रेमियों को शानदार अनुभव प्रदान करेगा। इस अभियान में भारत की पसंदीदा क्रिकेट-जोड़ी युवराज सिंह और वीरेंद्र सहवाग शामिल हैं, जो उपभोक्ताओं को थम्स अप पैक को स्कैन करने और तूफान पर सीट जीतने का मौका पाने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं। 01 मार्च से 30 अप्रैल तक, उपभोक्ता वेबसाइट पर पंजीकरण करके वेस्टइंडीज में आइसीसी टी20 वर्ल्ड कप की यात्रा जीतने का मौका पा सकते हैं। चुनिंदा थम्स अप पैक के पीछे उपलब्ध माइल्स जीतने वाले उपभोक्ता 2 महीने लंबे डेली लकी ड्रा में दांव लगाने का मौका जीत सकते हैं, जिसमें हर दिन एक सीट दी जाएगी।

धूमधाम से मनी होली, खूब उड़े गुलाल

प्रतिनिधि,मनिका(लातेहार)। मनिका प्रखण्ड में दो दिन सोमवार व मंगलवार को रंगों का त्योहार होली धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर खूब गुलाल उड़ाए गए, रंगों की बाछौर हुई। होली की पूर्व संध्या पर जगह-जगह होलिका दहन का आयोजन किया गया। होलिकाओं का महिलाओं ने बच्चों के साथ पूजन कर अपने घर-परिवार में शांति और खुशहाली की कामना की। वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में फगुआ गीतों की गूंज सुनाई देती रही। गांव में कई मंडली सुबह से ही निकलकर फाग गीत और जोगीरा गाते हुए होली के रंग में मदमस्त झूमते रहें। बच्चों की टोलियों ने आते-जाते लोगों पर रंग और गुलाल बरसाया। अति उत्साही युवकों की टोली शहर व गांव में उद्यम मचाते हुए सड़क पर धूमते रहे। होली त्योहार को लेकर थाना क्षेत्र में सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध किए गए थे।

कंस्ट्रक्शन कंपनी के जेसीबी को जलाने का प्रयास,अपराधियों ने साइट पर की फायरिंग

प्रतिनिधि, हजारीबाग। हज़ारीबाग़ ज़िले के बड़कागांव थानान्तर्गत बलोदर गाँव में पक्की सड़क एवं पुल निर्माण कार्य कर रहे लाल कन्ट्रक्सन में कार्यरत जेसीबी को अज्ञात अपराधियों के द्वारा जलाने का प्रयास कर गोली फायरिंग किया गया था। इस घटना को अधोहस्ताक्षरी द्वारा गंभीरता से लेते हुये अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बड़कागांव, हजारीबाग के नेतृत्व में पु0अ0नि0 मुकेश कुमार सिंह, थाना प्रभारी बड़कागांव थाना, थाना रिजर्व गार्ड एवं विशेष छापामारी दल का गठन किया गया। उक्त टीम के द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुये इस काण्ड में शामिल 05 अभियुक्त सुलेन्द्र गंझू,एरियल सिंह भोक्ता उर्फ एरियल गंझू उर्फ बल्लू भोक्ता,राजेश गंझू उर्फ बंधन गंझू तथा इनके निशानदेही पर सुनिल यादव,प्रिंस कुमार सिंह को कोडरमा जयनगर थानाअंतर्गत उनके घर से गिरफ्तार किया गया है। शेष अन्य अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु लगातार छापामारी अभियान जारी है।इनके पास से पुलिस ने देशी कट्टा 2 पीस,303 राईफल का गोली- 7,315 का जिंदा गोली-5,धमकी में प्रयुक्त मोबाइल-1बरामद किया गया।

विधायक ने पीड़ित परिवारों से मिलकर व्यक्त किया संवेदना

प्रतिनिधि, बरकट्ठा । प्रखंड क्षेत्र के अलग अलग जगहों पर बीते दिन घटी घटनाओं को लेकर बुधवार को बगोदर विधायक विनोद सिंह ने मुलाकात कर संवेदना व्यक्त किया। विदित हो कि बीते दिन कोनहरा कला निवासी सद्दाम हुसैन पिता रज्जाक अंसारी उम्र 25 वर्ष की आकस्मिक मृत्यु मुंबई कल्याण स्थित उल्हाशनगर में हो गई थी जहां वे पूरे परिवार के साथ रहते थे मृतक के तीन छोटे छोटे बच्चे हैं। विधायक विनोद सिंह ने पीड़ित परिवार से मिलकर शोक व्यक्त करते हुए कहा की प्रवासी मजदूर के लिए शव को लाने के लिए मृतक परिवार को बहुत जल्द सहायता राशि के रूप में 50 हजार रुपए भुगतान किया जाएगा। साथ ही सरकार से उचित मुआवजा भी दिलाने का आश्वासन दिया। तत्पश्चात झिंगीबराय निवासी ज्ञानी सिंह पिता मुंशी सिंह का भी अचानक तबियत खराब होने से मृत्यु हो गई थी इनके परिवार से मिलकर शोक व्यक्त किए साथ ही विगत दो दिन पूर्व 17 वर्षीय मनोज कुमार पिता मेघी महतो का शव गांव के डोभा से बरामद किया गया था जिसके बाद क्षेत्र में सन् सनी माहौल है जहां विधायक विनोद कुमार सिंह ने मृतक के परिजनों से मिलकर संवेदना व्यक्त किए। वहीं मृतक के परिजनों ने कहा कि मेरे बच्चे की हत्या की गई है जिसकी जांच होनी चाहिए, परिजनों को आश्वासन देते हुए विनोद सिंह ने कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद जो भी सहयोग होगा हर संभव मदद किया जायेगा एवं दोषियों को जांच पड़ताल कर उस पर कड़ी कानूनी कार्रवाई कर की जाएगी । मौके पर भाकपा माले बरकट्ठा प्रखंड सचिव शेर मोहम्मद, बगोदर प्रखंड सचिव पवन महतो, बरकट्ठा दक्षिणी मुखिया अब्बास अंसारी,उपमुखिया रहमत अंसारी, कलाम अंसारी ,अंसारी , लालकिसुन पंडित,किशोर पासवान,श्याम पासवान,कैलाश, पासवान समेत दर्जनों शामिल थे।

श्री कृष्ण प्रणामी ट्रस्ट द्वारा 141वां अन्नपूर्णा भंडारा आयोजित

विशेष संवाददाता

रांची। होली एवं गुरू महाराज के जनसेवा के 52 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 141 वां निःशुल्क श्री कृष्ण प्रणामी अन्नपूर्णा भंडारे का प्रसाद का वितरण भगवान श्री राज श्यामा जी एवं गुरू महाराज को अर्पित कर किया।

पूर्णब्रह्म परमात्मा की अपार कृपा श्री राज श्यामा जी महाराज एवं परमहंस डाक्टर भागवत भास्कर संत शिरोमणि श्री श्री 1008 श्री सदानन्द जी महाराज जी के आशीर्वाद से प्रणामी समाज के सेवाभावी सदस्यों के सहयोग से अभी तक 140 निःशुल्क श्री कृष्ण प्रणामी अन्नपूर्णा भंडारे का सफल संचालन किया जा चुका है।

अधर्म पर धर्म की जीत के महापर्व होली के सुअवसर 141वें निःशुल्क श्री कृष्ण प्रणामी अन्नपूर्णा भंडारे का संचालन अपने बच्चों एवं बडों के जन्मदिवस और शादी की सालगिरह के उपलक्ष्य में अध्यक्ष डुंगरमल अग्रवाल की देखरेख में संस्था के सेवा भावी सदस्यो एवं उनके परिवार के सौजन्य से किया गया।

एमआरएस श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट रांची एवं स्वामी सदानंद प्रणामी चैरिटेबल ट्रस्ट (रजि) दिल्ली शाखा रांची के संयुक्त तत्वावधान मे संस्था के बच्चों एव बडो की शादी की सालगिरह के उपलक्ष्य होली के सुअवसर पर रांची शहर के पुंदाग स्थित संस्था के मंगल राधिका सदानंद दिव्यांग सेवाधाम आश्रम के प्रांगण में निर्माणाधीन श्री कृष्ण प्रणामी (राधा-कृष्ण) मंदिर में संस्था के अध्यक्ष डुंगरमल अग्रवाल, शिवभगवान अग्रवाल, बिष्णु सोनी,सुरेश चौधरी द्वारा लगभग 1300 श्रद्धालुओं,जरुरतमंद परिवार के सदस्यों के बीच 141 वें निःशुल्क श्री कृष्ण प्रणामी अन्नपूर्णा भोजन का वितरण शुरू किया गया।

अन्नपूर्णा भोजन प्रसाद भंडारे की सेवा के महान कार्य में विशेष रूप संस्था के अध्यक्ष डुंगरमल अग्रवाल उपाध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद अग्रवाल,सचिव मनोज कुमार चौधरी,कार्यक्रम संयोजक विशाल जालान सह-संयोजक ओम प्रकाश सरावगी, पवन पौदार,विष्णु सोनी,पुर्णमल सर्राफ,सज्जन पाडिया,मनीष सोनी,ज्ञान प्रकाश शर्मा, अंजनी अग्रवाल, शंकरलाल मोदी,धीरज कुमार गुप्ता, आलोक सिंह,चन्द्रदिप साहु महिला समिति की विधा देवी अग्रवाल उर्मिला पाडिया, सुनीता अग्रवाल,शकुन्तला केजरीवाल, सुधा सुल्तानिया, अमिता जालान सहित अन्य उपस्थित थे। यह जानकारी संस्था के उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल ने दी।

बरही में उल्लासपूर्ण होली सम्पन्न, उड़े रंग-गुलाल

प्रतिनिधि, बरही। रंग और उत्सव के पर्व होली में बरही के चौक-चौराहे समेत सभी जगहों में शांतिपूर्ण होली मनाया गया। होली इस बार दो दिन सोमवार और मंगलवार को खेली गई। लोग फगुआ गाकर फागुन मास की विदाई और चैत मास का स्वागत किया। होली में जगह-जगह पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया था। कहीं झाल-मंजीरा के साथ गाना-बजाना चल रहा था तो कहीं मस्ती से झूम रहे थे लोग। इस अवसर पर पुलिस प्रशासन काफी सजग दिखी, जिस कारण शहर में कहीं भी घटना नहीं घटी। लोगों ने पूरे उल्लास के साथ परिवार, मित्र एवं समाज के साथ होली का भरपूर आनंद लिया। बरही के कोनरा, बरही पूर्वी, बरही पश्चिमी, बेन्दगी, रसोइया धमना, गुडिओ, विजैया, मलकोको, करसो, खोड़ाहर, गौरियकरमा, केदारुत, बरसोत, करियातपुर, पंचमाधव, कोल्हुअकला, धनवार, डुलमाहा, रानीचुंवा एवं डपोक सहित सभी पंचायतों में हर्सोल्लास के साथ होली सम्पन्न हुई।

नामुदाग जामा मस्जिद में तरावीह मुकम्मल

प्रतिनिधि मनिका (लातेहार)। मनिका क्षेत्र के नामुदाग जामा मस्जिद में मगफिरत और बरकत वाली माहे रमजान के मुबारक मौके पर हाफिज वोकारी जनाब मुश्ताक साहब के द्वारा एक मुकम्मल कुरान सुनाया गया। कारी मुश्ताक साहब ने नामुदाग के आवाम को अमन,भाईचारगी का पैगाम देते हुवे,मुल्क में अमन और भाईचारगी की दुआ फरमाई। साथ ही इस मौके पर जामा मस्जिद के खतीब वो इमाम मौलाना अहमद रजा ने आसमानी किताब कुरान ए पाक की अजमत बयान की ओर कहा कि कुरान एक ऐसी किताब है। जिसमे कोई शक और सूबा की कोई गुंजाइश नहीं है। इस हसीन मौके पर नामुदाग जनरल सदर मो कौसर अंसारी,मस्जिद सदर मो हसीब आलम,मदरसा सदर मो शफीक,मदरसा सेक्रेट्री मो फारूक हुसैन और नामूदग के आवाम हाजिर थे।

धनवार पंचायत के मुखिया राजेन्द्र प्रसाद ने पंचायत वासियों संग मनाई होली

होली रंगों का खेल, प्यार और भाईचारे का प्रतीक : राजेन्द्र प्रसाद

प्रतिनिधि, बरही। होली भारतीय संस्कृति में एक महत्वपूर्ण व प्रसिद्ध त्योहार माना जाता है, जो हर साल उत्सव और खुशियों का पर्व बनकर आता है। यह त्यौहार आपसी भाईचारे और प्यार का प्रतीक है। होली नए साल में नए उत्साह, नए उमंग, और नई खुशीयों व आपसी भाईचारे के साथ मनाया जाता हैं। यह त्यौहार हिन्दू पंचांग के अनुसार फागुन मास की पूर्णिमा तिथि को मनाया जाता है। होली का खेल और रंगों का उत्सव हर किसी को अपने बाहों में लेने के लिए उत्साहित करता है, यह एक विशेष अवसर है जब लोग अपने प्रियजनों और दोस्तों के साथ आनंद मनाते हैं, रंग व गुलाल एक साथ खेलते और मिठाइयां एक दुसरे को खिलाते हैं। होली का माहौल खुशी प्रेम और एकता का प्रतीक होता है। धनवार पंचायत के मुखिया राजेन्द्र प्रसाद भी होली के उत्सव अपने दोस्तों और पंचायत वासियों के साथ मिलकर मनाया इस मौके पर जमकर अबीर गुलाल और रंग लगाकर सभी मित्रों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए होली की खुशियों को मिलकर साझा किया। साथ ही स्वादिष्ट पकवानों का भी सभी ने आनंद उठाया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि होली का मूल अर्थ समर्पण और एकता को व्यक्त करता है यह एक ऐसा अवसर है जब लोग अपने सुख दुख खुशियों और दुखों को साझा करते हैं और एक दूसरे के साथ खुशियों को साझा करते हैं। होली के दिन लोग अपनी गलतियों को माफ करते हैं नई शुरुआत करते हैं और प्यार समर्पण के भाव से आगे बढ़ते हैं यह वह अवसर है जब सामाजिक बंधनों को मजबूत करता है लोग एक दूसरे के साथ खुशियों को साझा करते समृद्धि के लिए एक दूसरे को शुभकामनाएं देते हैं। इस अवसर पर धनवार पंचायत के मुख्य राजेंद्र प्रसाद ने अपने पंचायत वासियों को होली की बधाई एवं शुभकामनाएं संदेश दिया और प्रेम और सद्भाव के साथ भाईचारे को कायम रखते हुए होली का पर्व अमन चैन के साथ मिलकर मनाया। मौके पर मुखिया राजेन्द्र प्रसाद, उपमुखिया दामोदर प्रसाद वर्मा, मंटु यादव, विनोद कुशवाहा अजय कुमार कुशवाहा, तिलक यादव, ब्रह्मदेव यादव, विकाश यादव, प्रकाश साव, नरेश कुमार वर्मा, नंदलाल प्रसाद, पवन केशरी, कैलाश केशरी सहित अन्य लोग मौजूद थे।

क्षेत्र की जनता के साथ विधायक अंबा प्रसाद ने मनाया होली

आपसी प्रेम एवं सद्भाव को बढ़ाता है होली: अंबा प्रसाद

प्रतिनिधि,बड़कागांव। विधायक अंबा प्रसाद ने क्षेत्र वासियों के साथ होली मनाया। विधायक ने इस दौरान बड़कागांव चौक पहुंचकर लोगों को रंग अबीर लगाया। इस दौरान भारी संख्या में कार्यकर्ता सहित स्थानीय लोग मौजूद रहे, इस दौरान सभी ने एक दूसरे को होली की बधाइयां दी। विधायक अंबा प्रसाद ने महिलाओं, बच्चों एवं क्षेत्रवासियों को गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दी। विधायक ने इस अवसर पर कहा कि होली का पर्व रंगों का त्यौहार है जो आपसी प्रेम एवं सद्भाव को बढ़ाता है।

जिला परिषद उपाध्यक्ष बिरजू तिवारी ने चतरा लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के भारतीय जनता पार्टी के स्थानीय उम्मीदवार के प्रति हर्ष जताया

पूर्वांचल सूर्य ब्यूरो

इटखोरी (चतरा)। जिला परिषद उपाध्यक्ष बिरजू तिवारी ने चतरा लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के लिए भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार के रूप में कालीचरण सिंह को टिकट दिए जाने पर हर्ष जताया है और शीर्ष नेतृत्व को साधुवाद दिया है। श्री तिवारी टिकट मिलने के बाद अपनी प्रतिक्रिया देते हुए यह बात कही।

कालीचरण सिंह मां भद्रकाली की पूजा अर्चना करने के लिए इटखोरी अवस्थित मां भद्रकाली मंदिर आए हुए थे साथ में जिला परिषद उपाध्यक्ष बिरजू तिवारी, सिमरिया विधायक किशुन कुमार दास, भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता जीतन राम समेत कई वरिष्ठ भारतीय जनता पार्टी के नेता व कार्यकर्ता सम्मिलित थे। इस अवसर पर पत्रकारों से बातचीत के क्रम में बिरजू तिवारी ने एक ओर जहां स्थानीय उम्मीदवार को टिकट दिए जाने के प्रति शीर्ष नेतृत्व का आभार जताया वहीं उन्होंने कालीचरण सिंह को अपार मतों से विजयी बनाकर संसद में भेजने की भी अपील की। आगे श्री तिवारी ने बताया कि चतरा लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के लिए भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार को लेकर उहापोह की स्थिति बनी हुई थी, जिसका पटाक्षेप 24 मार्च को हो गया। 1957 के बाद से अब तक चतरा लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में बाहर से आयातित उम्मीदवार ही इस क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते रहे। यह पहला अवसर है कि भारतीय जनता पार्टी की ओर से स्थानीय उम्मीदवार कालीचरण सिंह को टिकट मिला। इस बात को लेकर चतरा लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में वर्षों से आवाज उठती रही। और वरिष्ठ भारतीय जनता पार्टी के नेताओं तक यह बात पहुंची और पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने पहली बार स्थानीय उम्मीदवार को टिकट दिया। टिकट मिलने के बाद कालीचरण सिंह मां का आशीर्वाद लेने के लिए इटखोरी अवस्थित ऐतिहासिक भद्रकाली मंदिर अपने कार्यकर्ताओं के साथ पहुंचे। इस अवसर पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए बिरजू तिवारी ने कहा कि अब हम सब का यह प्रयास होगा कि अपने इस स्थानीय उम्मीदवार को अधिक से अधिक मतों के द्वारा विजयी बनाकर संसद में भेजें। उन्होंने कहा की 400 पार मोदी अबकी बार वाली फूलों की माला में एक फूल चतरा लोकसभा क्षेत्र का भी होगा। उन्होंने लोगों से अपील की अधिक मतों के द्वारा भाजपा प्रत्याशी को जीताकर लोकसभा में भेजने की तैयारी में लग जाए।

दलित परिवारो का शौचालय जर्जर, खुले में शौच जाने को है विवश

प्रतिनिधि, कान्हाचट्टी (चतरा)। प्रखंड के बकचुम्मा पंचायत स्थित बिरेखाप सहित प्रखंड के अन्य गांव में स्थित दलित परिवारों का शौचालय जर्जर हो गया है।जबकि कई शौचालय ध्वत हो गया है। वैसे में खुले में शौच जाने को परिवार के सदस्य विवश है। बताया जाता है कि पेय जल एवं स्वच्छता विभाग से वर्ष 2016-17 में शौचालय का निर्माण कराया गया था।परंतु विभाग द्वारा एक बार भी शौचालय की मरम्मती नहीं कराई गई।वैसे में कई शौचालय जर्जर हो गए हैं। जबकि कई शौचालय ध्वस्त हो चुका है।जिसके कारण खुले में शौच जाना मजबूरी बन गया है। दलित परिवारों का शौचालय काफी जर्जर हो गया है। ग्रामीणों ने पेय जल एवं स्वच्छता विभाग से जर्जर शौचालय को दुरुस्त करने के साथ-साथ नवनिर्माण करने की मांग किया है।

डेढ़ करोड़ की अफीम के साथ दो तस्कर गिरफ्तार, ब्राउन शुगर बनाने की मशीन जब्त

अफीम से ब्राउन शुगर बनाने की थी तैयारी

पूर्वांचल सूर्य ब्यूरो, वशिष्ठ नगर (चतरा)। थाना की पुलिस ने डेढ़ करोड़ के अफीम के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार तस्कर वशिष्ठ नगर थाना क्षेत्र के राजगुरु गांव निवासी देवनंदन गंझू व पंकज कुमार शामिल है। दोनों आपस में सहोदर भाई हैं। गिरफ्तार तस्करों के पास से 28 किलो 50 ग्राम अफीम के अलावा ब्राउन शुगर बनाने वाला एक लोहे का मशीन, चार पीस लकड़ी व कई अन्य समान जब्त किया गया। इस आशय जानकारी एसपी विकास कुमार पांडेय ने समाहरणालय स्थित अपने कार्यालय कक्ष में सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर दी। उन्होंने बताया कि सूचना मिली थी कि राजगुरु गांव में गिरफ्तार दोनों तस्करों द्वारा अफीम से ब्राउन शुगर तैयार किया जा रहा है। सूचना के आलोक में डीएसपी मुख्यालय रोहित कुमार रजवार के नेतृत्व में छापामारी टीम का गठन किया गया। टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए उसके घर पहुंच कर छापामारी किया। साथ ही पूछताछ की। इस दौरान अफीम व ब्राउन शुगर बनाने में प्रयुक्त मशीन जब्त किया गया. एसपी ने कहा कि दोनों के द्वारा अफीम में कुछ केमिकल मिलाकर ब्राउन शुगर तैयार करने की योजना थी। उन्होंने कहा कि मादक पदार्थों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। किसी भी हाल में मादक पदार्थों की तस्करी व इसमें संलिप्त अपराधियों को बख्शा नहीं जाएगा। छापामारी टीम में डीएसपी मुख्यालय के अलावा वशिष्ठ नगर थाना प्रभारी दिलेश्वर कुमार, हवलदार उदय कुमार, आरक्षी निरंजन कुमार, दिलीप कुमार, अजीत कुमार मंडल व मोहम्मद इफ्तेखार अंसारी शामिल थे।

उपायुक्त ने सीआरपीएफ के अधिकारीयों के साथ जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त कार्यालय में किया बैठक

प्रतिनिधि, गढ़वा। 27 मार्च बुधवार को पंकज कुमार, उपमहानिरीक्षक (परिचालन), के0रि0पु0बल, पलामू ने शेखर जमुआर, उपायुक्त गढ़वा एवं 172 बटालियन सी.आर.पी.एफ. के अधिकारियों के साथ जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त के कार्यालय कक्ष में बैठक किया। बैठक में उन्होंने आगामी लोकसभा चुनाव 2024 के सफल आयोजन हेतु आने वाले विभिन्न सी.ए.पी.एफ. बलों के रहने एवं अन्य मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के संबंध में चर्चा किया। उपायुक्त गढ़वा द्वारा विभिन्न सी.आर.पी.एफ. बलों के रहने एवं अन्य मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया गया। उल्लेखनीय है कि आगामी लोकसभा आम निर्वाचन को देखते हुए जिले में शांतिपूर्ण ढंग से चुनाव संपन्न करने के लिए सीआरपीएफ की टीम विभिन्न मतदान केन्द्रों पर सुरक्षा की दृष्टिकोण से प्रतिनियुक्ति किया जाएगा। बाहर से आने वाले जवानों के ठहरने रहने के लिए स्थान चिन्हित कर उन स्थलों पर सभी आवश्यक सुविधा उपलब्ध कराने के निमित जायजा लिया गया। जिला में बाहर से आने वाले सभी जवानों को रहने की व्यवस्था पेयजल, शौचालय आदि की व्यवस्था पर भी चर्चा किया गया। बैठक के दौरान नृपेन्द्र कुमार सिंह, कमाण्डेंट अमरेन्द्र कुमार सिंह, द्वितीय कमान अधिकारी, प्रदीप कुमार, कार्यपालक अभियंता पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल एवं सुशील कुमार उप निर्वाचन पदाधिकारी मौजूद रहे।

चौपारण में हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ रंगों का महापर्व होली

चौपारण, प्रतिनिधि। चौपारण (हजारीबाग) प्रखंड में रंगों का पर्व रंगोत्सव होली बड़े ही आनंद, उल्लास और हर्ष पूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। इस अवसर पर लोगों ने जमकर होली का आनंद उठाया। लोगों ने एक दूसरे को रंग गुलाल लगाकर रंगों के इस महापर्व होली की बधाइयां और शुभकामनाएं दी। ग्रामीण क्षेत्रों में लोग होली को लेकर काफी उत्साहित थे। वातावरण में ढोलक की थाप पर होली के गीत गुजरते रहे। समाज के सभी वर्ग के लोगों ने अपने-अपने अंदाज में होली का पर्व मनाया। प्रखंड के सभी पंचायत में होली का पर्व शांति और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। लोग एक दूसरे को होली की शुभकामनाएं देते हुए एक दूसरे को रंग गुलाल लगाया।

श्रवण रविदास ने बिरहोर गरीब बच्चों संग मनाया जन्मदिन

प्रतिनिधि, कान्हाचट्टी। कान्हाचट्टी प्रखंड के अंतर्गत बिरेखाप में बिरहोर गरीब बच्चों के साथ जेबीकेएसएस जिला उपाध्यक्ष श्रवण रविदास का 29 वां जन्मदिन जेबीकेएसएस सदस्यों के साथ केक काटकर अपना जन्मदिन मनाया। जिला अध्यक्ष सुनिल महतो के तत्वाधान में आयोजित इस कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं ने गरीब बच्चों के साथ केक काट कर जश्न मनाया। स्कूल जाने वाले पच्चास बच्चों को स्टेशनरी व पाठ्य सामग्री भी वितरित की। साथ ही बस्ती के करीब 500 बच्चों को बिस्कुट तथा चॉकलेट भी बांटी गई। श्री श्रवण रविदास ने कहा कि असहाय व गरीब बच्चों संग अपनी खुशी के पल साझा करने के दौरान इन बच्चों के चेहरों पर काफी खुशी देखने को मिली। बच्चे ईश्वर का रूप माने जाते हैं, जिनकी मुस्कान से देवता भी प्रसन्न होते हैं। कार्यकर्ताओं ने श्रवण रविदास की लंबी आयु की कामना की। सदैव अपने कार्य को प्राथमिकता देने वाले श्री श्रवण अपने जन्मदिन के अवसर पर भी बिरहोर बच्चों के साथ केक काटकर यादगार अपना जन्मदिन मनाएं मौके पर जयप्रकाश कुमार, रोशन कुमार, दीपेंद्र कुमार, सिकंदर खरवार ,नंदलाल कुमार, दीनानाथ कुशवाहा आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

गोला के वनांचल फैक्ट्री में मजदूरों के बीच लड़ाई, चाकू के वार से एक मजदूर गंभीर रूप से घायल, घटना के बाद फैक्ट्री में निर्माण कार्य बंद

- गंभीर रूप से घायल मजदूर को बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल रामगढ़ रेफर किया गया है
- आरोपी हमलावर बिहार के छपरा जिले का रहने वाला है तथा घायल मजदूर चतरा जिले का रहने वाला है

प्रतिनिधि, गोला। रामगढ़ जिले के गोला प्रखंड के हेमतपुर गांव के भारत पेट्रोल पंप के निकट वनांचल कॉन्कास्ट प्राइवेट लिमिटेड कंपनी में सोमवार संध्या को मजदूरों के बीच में लड़ाई हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि बिहार राज्य के छपरा जिला के रहने वाले एक मजदूर ने झारखंड के चतरा जिले के प्रतापपुर थाना क्षेत्र के जुड़ी गांव के रहने वाले मजदूर बिपत भारती उम्र 24 वर्ष लगभग के उपर चाकू से हमला कर दिया। जिससे मजदूर बिपत भारती गंभीर रूप से घायल हो गये। गंभीर रूप घायल मजदूर बिपत भारती को बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल रामगढ़ रेफर किया गया है जहाँ चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित किया। मृतक मजदूर शादीशुदा हैं। उसकी लगभग चार-पांच महीने की एक बेटी भी है। प्रत्यक्षदर्शियों ने आगे बताया कि हमलावर मजदूर दिन ड्यूटी पर था। उसके बाद शाम में ड्यूटी के दौरान वह कॉलोनी के छत पर गया और मजदूरों से उलझने लगा। उसके बाद आरोपी हमलावर नीचे गया और वहां से चाकू दोनों हाथ में लेकर आया फिर मजदूरों से उलझ गया तभी छत पर ही मौजूद विभत भारती के ऊपर हमलावर ने चाकू से हमला कर दिया। जिससे विभत भारती गंभीर रूप से घायल हो गये। घटना की सूचना गोला थाना मिलते ही। थाना प्रभारी सदबल घटनास्थल पहुंचे और घटना की जानकारी ली। पुलिस ने आरोपी हमलावर को अपने कब्जे में लेकर थाना ले गई। घटना के बाद फैक्ट्री में निर्माण कार्य बंद। घटना में इस्तमाल किया गया चाकू को पुलिस प्रशासन के द्वारा जब्त कर लिया गया है। घटना के संबंध में थाना प्रभारी ने बताया कि सूचना मिला की आपसी विवाद में एक व्यक्ति को चाकू से घायल कर दिया गया है। घटना की सत्यापन के लिए घटनास्थल पहुंचे तो देखा कि एक व्यक्ति को पकड़ कर रखा गया।और घायल को बेहतर इलाज के अस्पताल भेज दिया गया है। दोनों व्यक्ति के बारे में जानकारी अभी पता नहीं है।विवाद का वजह भी अभी स्पष्ट नहीं है। आरोपी हमलावर पुलिस की गिरफत में है। पुलिस घटना की अनुसंधान में जुटी है।

घटना के पश्चात हुआ समझौता : घटना के बाद दोनों पक्षों के बीच समझौता हुआ। समझौते के अनुसार प्रबंधन द्वारा मृतक की पत्नी को चेक स्वरूप साढ़े सात लाख रुपये तथा नकद पचास हजार रुपए दिए गए।

गढ़वा पुलिस ने हथियार जब्त करते हुए तीन लोगों को किया गिरफ्तार

प्रतिनिधि, गढ़वा। गढ़वा पुलिस ने गत सोमवार की सुबह करीब 5 बजे सदर थाना क्षेत्र के हूर मध्या गांव से एक देशी राइफल सहित 8 हथियार के साथ तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार एक आरोपी ने खुद को हूर मध्या पंचायत के मुखिया पुत्र सत्येंद्र चौबे का नौकर बताते हुए उनके द्वारा खरीदे गए हथियार रखे जाने की जानकारी पुलिस को दी है। प्रेस वार्ता के दौरान जानकारी देते हुए गढ़वा के पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार पांडेय ने पत्रकारों को बताया कि सोमवार की सुबह करीब 5 बजे पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि सदर थाना क्षेत्र के हूर मध्या में शुभम पासवान के द्वारा हथियार छुपा कर रखा गया है। इसके बाद छापेमारी केलिए टीम का गठन किया गया। जिसमें पुलिस इंस्पेक्टर, सब इंस्पेक्टर एवं पुलिस बल शामिल थे। उसके बाद शुभम पासवान को गिफ्तार किया गया। शुभम पासवान के निशानदेही पर राकेश चौधरी को पकड़ा गया जिसमें दोनों के पास से 4 कट्टा, 3 पिस्टल, 1 देशी राइफल बरामद किया गया। उसी के निशानदेही पर पूर्व से हथियार के डीलर पप्पू चौधरी से लिया गया है। पप्पू चौधरी का पूर्व से भी क्रिमिनल इतिहास रहा है। जिसमें वह जेल भी जा चुका है। वहीं अन्य दोनो आरोपी के अपराधिक मामला खंगाला जा रहा है। मालूम चला है कि हथियारों का उपयोग आगामी लोकसभा चुनाव में लोगों को डराने धमकाने एवं मतदान को प्रभावित करने केलिए किया जा रहा है।

प्रखंडों में भी रंगों का त्योहार होली शांतिपूर्ण संपन्न

प्रतिनिधि, कान्हाचट्टी। प्रखंड में रंगो का त्योहार शांति और सदभाव के बीच संपन्न हो गया। होलिका दहन के साथ ही प्रखंड में होली पर्व का उत्साह चरम पर पहुंच गया। कान्हाचट्टी में रंगों का त्योहार होली हर्षोल्लास के साथ साथ शांतिपूर्ण संपन्न हो गया। होली खेलने को लेकर बच्चों और महिलाओं में खासा उत्साह देखा गया। जहां प्रखंड के विभिन्न स्थानों में होलिका दहन किया गया। वहीं मंगलवार को लोगों ने सुबह से ही रंगो का त्यौहार खेलना शुरु कर दिया। इस क्रम में होली के गीत पर लोगों ने जमकर ठुमके लगाए।तो एक दूसरे को रंग गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दिया। जगह जगह पर लोगों ने चौपाल होली के मस्ती में शराबोर दिखे। जबकी डीजे की धुन पर लोगों ने जमकर थिरके। शांतिपूर्ण होली संपन्न होने पर प्रखंड व थाना प्रशासन ने लोगों को साधुवाद दिया। इधर रंगो का त्यौहार संपन्न होने के साथ ही रामनवमी त्यौहार की तैयारी शुरू हो गई। मंगलवार को गिद्धौर में मंगला जुलूस निकाला गया।

श्री महावीर मंडल, रांची ने प्राचीन हनुमान मंदिर में लगाया हनुमान ध्वजा

वरीय संवाददाता, रांची। मंगलवार को महावीर चौक स्थित प्राचीन श्री हनुमान मंदिर में पुजारी शारदा मिश्रा द्वारा विधिवत श्री महावीर मंडल, रांची के पदधारियों एवं श्री राम भक्तों के सदस्यों के सानिध्य में श्री हनुमान ध्वजा का विधिवत पूजन कराया गया।

इस अवसर पर झंडा पूजन सभी श्री राम भक्तों ने किया। इसी के साथ मंदिर परिसर में विशेष आरती श्रद्धालु भक्तों ने हनुमान जी की की।

पूजन के बाद मंदिर परिसर में श्री हनुमान ध्वजा को सभी भक्तों ने मिलकर लगाया। इस अवसर पर श्री महावीर मंडल के अध्यक्ष रवि कुमार पिंकू ,उपाध्यक्ष राजा सेनगुप्ता ,मंत्री दीपक ओझा, किशोर साहू, राजीव रंजन मिश्रा,सह मंत्री गोपाल सोनी, उदय रविदास ,कोषाध्यक्ष प्रमोद सारस्वत, प्रचार मंत्री मुन्ना शर्मा , रोशन अग्रवाल, गोपाल पारीक,शंकर प्रसाद,विनोद कुमार, विष्णु प्रसाद लीलू, शंकर साहू, नरेश ठाकुर,विजय गुप्ता, सुरेंद्र राय, अन्नू कुमार, प्रेम चौधरी, नितिन शिरमोर, राजीव पांडेय, राजीव चौधरी सहित काफी संख्या में लोग मौजूद थे।

पहले मंगलवारी को प्राचीन श्री हनुमान मंदिर में श्री चैती दुर्गा पूजा महा समिति के कई श्री राम भक्त अखाड़ाधारी आये।यहाँ उन्होंने वीर बजरंगबली का पूजन किया संग ध्वजा का पूजन किया ।

इस अवसर पर श्री महावीर मंडल के पदाधिकारी के द्वारा प्रत्येक झंडाधारीयो, अखाड़ाधारियो को माला पहनकर उनका स्वागत और अभिनंदन भी किया गया। इस अवसर पर भगवान को बुंदिया का भोग लगाकर लोगों के बीच प्रसाद का वितरण किया गया।

यह जानकारी प्रचार मंत्री मुन्ना शर्मा ने दी।

स्वीप कोषांग के नोडल पदाधिकारी द्वारा आयोजित बैठक सम्पन्न

प्रतिनिधि, गढ़वा। बुधवार 27 मार्च 2024 को लोकसभा आम चुनाव 2024 के निमित्त स्वीप कोषांग के कार्यों से संबंधित बैठक का आयोजन समाहरणालय स्थित सभाकक्ष में आयोजित की गई। मौके पर उपस्थित स्वीप के पदाधिकारियों द्वारा स्वीप कोषांग के सभी कार्यों की चर्चा की गई, जिसमें योजना बनाकर कार्य करने की बात कही गई। बृहद स्वीप कार्यक्रमों को धरातल पर उतारने के लिए जिले में स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालय (सरकारी एवं गैर सरकारी), उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य परिवार कल्याण विभाग, महिला विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग, श्रम विभाग, कृषि मत्स्य एवं पशुपालन विभाग, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, पंचायती राज विभाग, ग्रामीण विकास विभाग पर्यटन विभाग, बैंकिंग सेक्टर आदि के जिला स्तरीय पदाधिकारियों के साथ बैठक करने एवं इन विभागों के पदाधिकारी एवं कर्मियों का वोटर रजिस्ट्रेशन, पोलिंग पार्टिसिपेशन एंड एथिकल वोटिंग से संबंधित गतिविधियां कार्य योजना एवं कैलेंडर बनाकर संचालित किए जाने की बात कही गई। बताया गया कि स्वीप के तहत विभिन्न गतिविधियों को आयोजित करने एवं मतदान के प्रति व्यापक प्रचार प्रसार एवं जनजागरूकता फैलाने से मतदाता जागरूकता में वृद्धि आएगी तथा वोटिंग परसेंटेज में भी वृद्धि होगी। मतदाता जागरूकता के लिए सोशल मीडिया का व्यापक रूप से उपयोग किए जाने की बात कही गई। इस क्रम में सीईओ व्हाट्सएप चैनल को सभी पदाधिकारी एवं कर्मियों के द्वारा सब्सक्राइब करने की बात कही गई। साथ ही विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म जैसे कि फेसबुक, एक्स, इंस्टाग्राम, यूट्यूब आदि में स्वीप के तहत किया गया गतिविधियों को साझा करने की बात कही गई, ताकि मतदान प्रतिशत बढ़ाया जा सके एवं आमजनों में मतदान की महत्ता की व्यापक जागरूकता बढ़ सके। सभी मतदाता जागरूकता क्लबों जैसे कि ईएलसी फ्यूचर वोटर, ईएलसी यंग वोटर, वोटर अवेयरनेस फोरम एवं चुनाव पाठशाला के गतिविधियां व्यापक रूप से संचालित किए जाने की बात कही गई। ईएलसी फ्यूचर वोटर के माध्यम से माता-पिता अभिभावक को मतदान में शामिल होने हेतु छात्र-छात्राओं द्वारा पत्र लिखना, ईएलसी यंग वोटर के माध्यम से प्रत्येक कॉलेज में कैंपस एंबेसडर का चयन तथा उनकी बैठक सुनिश्चित करने जैसी विन्दुओं पर ध्यान आकृष्ट कराया गया। इसके लिए महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालय के पदाधिकारी के साथ समन्वय स्थापित करने की बात कही गई।

सभी सरकारी कार्यालय, गैर सरकारी कार्यालय बैंकों, सरकारी उपक्रमों में गठित वोटर अवेयरनेस फोरम के नोडल पदाधिकारी के साथ बैठक सुनिश्चित कर व्यापक मतदाता जागरूकता कार्यक्रम चलाए जाने की बात कही गई। साथ ही बताया गया कि औद्योगिक संस्थानों, कारखानों आदि में भी वोटर अवेयरनेस फोरम का गठन कर मतदाता कार्यक्रम संचालित किया जाए। उक्त बैठक में प्रभारी पदाधिकारी स्वीप कोषांग -सह- जिला सहकारिता पदाधिकारी, डीपीएम पंचायती राज, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, शिक्षा विभाग एवं समाज कल्याण विभाग आदि के पदाधिकारी एवं कर्मी समेत अन्य उपस्थित थें।

संक्षिप्त समाचार

भोजपुर में चलती होली स्पेशल ट्रेन में लगी आग

आरा(भोजपुर), एजेंसी। बिहार के भोजपुर में देर रात 12 बजकर 45 मिनट पर 01410 होली स्पेशल ट्रेन के एसी एमङ्क9 (इकोनॉमी) कोच में आग लग गई। आग चलती ट्रेन में लगी। आनन-फानन में रेलवे ने ट्रेन को रुकवाया। तब तक आग ने कोच को चपेट में ले लिया था। ट्रेन के स्टेशन पर रुकते ही यात्रियों ने कूदकर अपनी जान बचाई। हादसे में सभी यात्री सुरक्षित हैं। यह ट्रेन दानापुर से मुंबई के लोकमान्य तिलक टर्मिनस जा रही थी। हादसा करीसाथ स्टेशन के पास हुआ। दानापुर से यह ट्रेन मंगलवार रात 11:12 बजे चली थी। यह आरा होते हुए बक्सर, डीडीयू की ओर जा रही थी, तभी एमङ्क9 (इकोनॉमी) कोच से चिंगारी उठने लगी। कुछ ही देर में पूरे कोच में आग लग गई। गनीमत रही कि जिस कोच में आग लगी उसमें किसी भी यात्री का रिजर्वेशन नहीं था। कुछ लोकल यात्री ट्रेन में सवार थे। जिन्होंने कूदकर अपनी जान बचाई। कई ट्रेनों को डायवर्ट किया गया है। मौके पर फोरेंसिक टीम को भी बुलाया गया है।

जमीन विवाद को लेकर 6 लोगों की पिटाई

आरा (भोजपुर), एजेंसी। भोजपुर के पवना थाना क्षेत्र के पवना गांव में मंगलवार की देर शाम गाली-गलौज के दौरान उपजे विवाद को लेकर रिश्तेदारों ने मां,पिता समेत आधा दर्जन लोगों की बेरहमी में से पिटाई कर दी। मारपीट की घटना में सभी बुरी तरह जख्मी हो गए। इसके बाद सभी ज़ख्मियों को इलाज के लिए अगिआंव पीएचसी ले जाया गया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद आरा सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। ज़ख्मियों में पवना थाना क्षेत्र के पवना गांव निवासी स्वर्गीय धुना राउत के 67 वर्षीय पुत्र विद्या शंकर राउत, उनकी पत्नी तीतर देवी (60), दो बेटे पप्पू राउत(40),एवं पिंटू कुमार (19) उनकी बहू पप्पू रावत की 35 वर्षीय पत्नी अनीता देवी और साढू का बेटा नेहाल कुमार शामिल हैं। इधर जख्मी पप्पू राउत ने बताया कि उनके पिता की बहन के परिवार से जमीन को लेकर पूर्व से विवाद चल आ रहा था। करीब 20 साल पूर्व गांव में ही एक कट्ठा जमीन खरीदकर उसपर घर बनाकर रहते हैं। इसी बात को लेकर उनकी फुआ फूफा से मन मुटाव चल रहा था। बराबर गांव छुड़वाने की धमकी भी दिया करते थे। पप्पू ने बताया कि मंगलवार की देर शाम घर के आगे गाना बजाकर नाच रहे थे, तभी फुआ के परिवार वालों ने आकर गाली-गलौज शुरू कर दी। जब हम लोगों ने इसका विरोध किया तो लाठी-डंडे से जमकर पिटाई कर दी। अन्य पड़ोसियों के मदद से मामले को शांत कराया गया। इसके बाद सभी जख्मियों को आरा सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना के बाद पीड़ित परिवारों ने इसकी शिकायत स्थानीय थाना पुलिस से की है। घटना के बाद पुलिस मामले की जांच कर रही है।

घायल बोला- दोस्तों के साथ ब्रहपुर गांव से लौटने दौरान साढू ने किया अटैक

आरा(भोजपुर), एजेंसी। भोजपुर जिले के शाहपुर थाना क्षेत्र के रानीसागर गांव के समीप मंगलवार को मामूली विवाद को लेकर साढू ने अपने ही साढू को चाकू मार दी। जख्मी युवक को चाकू दाहिने साइड पेट में दो जगह पर लगी है। इससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया। जिसके बाद परिजन द्वारा उसे इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल से आरा शहर के बाबू बाजार स्थित निजी अस्पताल लाया गया जहां उसका इलाज कराया जा रहा है। जानकारी के अनुसार जख्मी युवक बिहिया थाना क्षेत्र के अंधारी गांव निवासी जोगिंदर यादव का 26 वर्षीय पुत्र संटू कुमार है। इधर संटू कुमार ने बताया कि वह बाइक से अपने दोस्तों के साथ बक्सर जिला के ब्रह्मपुर गया था। जब ब्रह्मपुर से वापस गांव लौट रहा था। लौटते क्रम में सभी दोस्त रानीसागर गांव के समीप कुछ देर रुक गए। तभी उनके बीच किसी बात को लेकर मामूली विवाद हो गया। जिसके बाद उसके साढू द्वारा उसे पेट में चाकू मार दी गई। जिससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया। इसके बाद परिजन द्वारा उसे इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल से आरा शहर के बाबू बाजार स्थित निजी अस्पताल लाया गया। वहीं दूसरी ओर जख्मी संटू कुमार ने अपने ही साढु भुटेली यादव उर्फ सत्येंद्र यादव पर मामूली विवाद को लेकर खुद को चाकू मारने का आरोप लगाया है। वहीं इस मामले में शाहपुर थानाध्यक्ष रजनीकांत ने बताया कि घटना की सूचना मिलते मिलते ही त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी भुटेली यादव उर्फ सत्येंद्र यादव को गिरफ्तार कर लिया गया है और अन्य की गिरफ्तारी को लेकर छापेमारी कर रही है।

बिहार की लोस सीटों का हाल : आरा में बीजेपी की हैट्रिक पर नजर, 1984 के बाद से नहीं जीती कांग्रेस

पटना, एजेंसी। पहले शाहाबाद तो अब आरा संसदीय क्षेत्र से गुजरने वाली गंगा एवं सोन नदियों की धारा की तरह यहां की राजनीति में भी उतार-चढ़ाव होता रहा है। शुरुआत में यहां कांग्रेस की तूती बोलती थी तो पूरे देश के साथ बदलाव की बयार भी बही। मध्य के दौर में समाजवादी राजनीति का दबदबा कायम हुआ तो लाल सलाम की धमक भी सुनाई दी। पिछले दो चुनावों से यहां जय श्रीराम की गूंज है। देश के स्वतंत्रता संग्राम से लेकर सत्ता संग्राम तक आरा की अलग पहचान रही है। 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में यहां के बाबू वीर कुंवर सिंह जैसे योद्धा ने अहम भूमिका निभाई तो बाद के दिनों में बाबू जगजीवन राम, रामसुभग सिंह, बलिराम भगत, एपी शर्मा, तपेश्वर सिंह, मीरा कुमार जैसी हस्तियों को जन्म देने वाली आरा की धरती राजनीतिक रूप से भी उर्वरा रही है। संघर्ष की इस धरती पर नक्सली आंदोलनों को भी खाद-पानी मिलता रहा है।

शुरुआती पांच आम चुनावों में यहां कांग्रेस का दबदबा रहा तो पिछले दो लोकसभा चुनावों से भाजपा का कमल खिल रहा है। इस बार भाजपा यहां जीत की हैट्रिक लगाने की जुगत में है तो भाकपा माले 1989 का आईपीएफ का इतिहास दुहराने की फिराक में है। हालांकि कांग्रेस को छोड़ अन्य किसी राजनीतिक दल ने यहां जीत की हैट्रिक दर्ज नहीं की है। लिहाजा भाजपा के समक्ष इस बार

जीत की हैट्रिक लगाने की चुनौती भी है। बता दें कि 1989 में यहां इंडियन पीपुल्स फ्रंट (आईपीएफ) ने देश में पहली बार जीत दर्ज की। बाद में आईपीएफ भाकपा माले के रूप में यहां सक्रिय रहा है और चुनावी अखाड़े में उतरता रहा है। 2019 के पिछले लोकसभा चुनाव में यहां भाकपा माले उम्मीदवार को राजद का समर्थन था और भाजपा के आरके सिंह व भाकपा माले के राजू यादव के बीच सीधा मुकाबला हुआ था। इसके पूर्व 2014 के आम चुनाव में मोदी लहर में यहां पहली बार कमल खिला था। तब करीब 23 साल बाद यहां के चुनावी अखाड़े में उतरने वाली भाजपा ने ब्यूरोक्रेट के बड़े नाम पूर्व केंद्रीय गृह सचिव राजकुमार सिंह को सीधे चुनावी राजनीति में उतार दिया था। भाजपा का यह दांव फिट बैठा और बाहरी रहते हुए आरके सिंह ने न केवल धमाकेदार जीत दर्ज की, बल्कि यहां भाजपा की जीत का खाता भी खुल गया। 2019 में यहां राजकुमार सिंह ने भाजपा के टिकट पर लगातार दूसरी जीत दर्ज की।

देश की राजनीतिक हवा के विपरीत भी रहा है चुनावी नतीजा : आजादी के बाद से लेकर अब तक के चुनावी इतिहास पर नजर डालें तो आरा का चुनावी नतीजा राजनीतिक हवा के विपरीत भी आता रहा है। देश की पहली गैर कांग्रेसी जनता पार्टी की सरकार गिरने के बाद 1980 में जब पूरे देश में कांग्रेस की लहर चली तो यहां का नतीजा इसके विपरीत रहा। तब जनता पार्टी के ही चंद्रदेव प्रसाद वर्मा अपनी सीट बचाने में कामयाब रहे थे और यहां कांग्रेस को हार का सामना करना पड़ा। इसी तरह 1989 में वीपी सिंह की लहर में भी यहां जनता दल को जीत नहीं मिल सकी थी। तब यहां इंडियन पीपुल्स फ्रंट (आईपीएफ) ने पहली बार महत्वपूर्ण जीत दर्ज की। हालांकि अगले चुनाव में ही जनता दल ने यहां पहली बार जीत दर्ज की और 2009 तक इस क्षेत्र पर जनता दल व इससे विभाजित समता पार्टी, राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और जनता दल यूनाइटेड (जदयू) का वर्चस्व रहा। बारी-बारी से इन दलों का ही उक्त क्षेत्र पर कब्जा रहा।

1984 के बाद कभी नहीं जीती कांग्रेस : आरा संसदीय क्षेत्र पूर्व में शाहाबाद संसदीय क्षेत्र के नाम से जाना जाता था। पहले आम चुनाव 1952 से लेकर 1971 तक यहां कांग्रेस का दबदबा रहा। दिग्गज कांग्रेसी बलिराम भगत ने यहां से लगातार पांच बार जीत दर्ज की और कई महत्वूर्ण पदों पर आसीन रहे। 1977 में जनता पार्टी की आंधी में यहां कांग्रेस के साथ बलिराम भगत को भी पहली बार पराजय झेलनी पड़ी। 1977 और 1980 में लगातार दो हार के बाद 1984 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या से उपजी सहानुभूति की बदौलत कांग्रेस फिर यहां लौटी और बलिराम भगत ने छठी जीत दर्ज की। हालांकि कांग्रेस की यह आखिरी सफलता रही। 1984 के बाद यहां कांग्रेस कभी नहीं जीती।

सोमवार से लापता कोराम्बे निवासी के पुत्र की शव हुआ बरामद

होली खेलने निकला था वापस नहीं लौटा

प्रतिनिधि,गोला(रामगढ़)। गोला थाना क्षेत्र के हेंसापोड़ा पंचायत अन्तर्गत कोराम्बे गाँव निवासी शंकर महतो के 13 वर्षीय पुत्र रवि कुमार के लापता होने के लगभग 40 घंटे बाद शव को बरामद किया गया। जानकारी के अनुसार मृतक रवि सोमवार को लगभग एक बजे होली खेलने के लिए निकला था। बताया जाता है कि मृतक को मुरपा निवासी एक किशोर ने होली खेलने के लिए घर से बुलाकर ले गया था। काफी समय गुजरने के बाद भी जब रवि घर नहीं लौटा तो परिजनों को काफी चिन्ता होने लगी। परिजनों ने अपने स्तर पर काफी खोजबीन की तत्पश्चात थक हारकर इसकी जानकारी गोला थाने को दी। मृतक के पिता ने गिरीडीह सांसद चन्द्रप्रकाश चौधरी एवं पुलिस अधीक्षक रामगढ़ से भी अपने पुत्र को बरामद करने की गुहार लगायी। इस संबंध में गिरीडीह सांसद ने प्रशासन से गुमशुदा बच्चे की यथाशीघ्र तलाश की अपील की। अंततः मृतक रवि का शव मुरपा स्थित कस्तुरबा आवासीय विद्यालय समीप पिछवाड़े में बरामद की गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर अन्त्यपरिक्षण के लिए भेज दिया। अन्त्यपरिक्षण के पश्चात शव को परिजनों को सौंप दिया गया। इस बारदात के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मृतक अपने माता पिता का एकलौता पुत्र था।

डॉक्टर के घर हुई लूटपाट मामले का खुलासा: लूटी गई जेवरात समेत कागजात के साथ एक गिरफ्तार

भागलपुर, एजेंसी। जिले के मधुसुदनपुर के नूरपुर राजपूत टोला निवासी होम्योपैथिक चिकित्सक डॉक्टर अरुण कुमार के घर शनिवार की रात हुई लूट मामले में पुलिस ने खुलासा कर दिया है। बदमाशों ने हथियार के बल पर लूटपाट की घटना को अंजाम दिया था। शनिवार को मधुसुदनपुर थाना मामला दर्ज हुआ था। जिसके बाद अपराधियों की पहचान व गिरफ्तारी के लिए छापामारी की जा रही थी। पुलिस ने इस मामले में 4 संदिग्ध से पूछताछ की थी। इधर, नगर डीएसपी- 2 के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। गठित टीम के द्वारा घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी के फुटेज के आधार पर नाथनगर करेला में अपनी नानी के यहां रह रहे अंशु कुमार को लूटे गए 2210 रुपए एवं ज्वेलरी के कागजात के साथ गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान भुआलपुर निवासी अजय कुमार मंडल के पुत्र अंशु कुमार के रूप में की गई है। नगर डीएसपी राकेश कुमार ने बताया कि मधुसुदनपुर थाना क्षेत्र के नूरपुर निवासी डॉक्टर अरुण कुमार के घर तीन अपराधियों ने दवा लेने के बहाने घर के अंदर प्रवेश किया। उसके बाद हथियार का भय दिखाकर 15 हजार एवं ज्वेलरी को लूट ली। सिटी डीएसपी के निगरानी में एक टीम गठित किया गया गठित टीम के द्वारा तीन दिनों के अंदर सफल उद्भेदन कर लिया गया।

स्वीप' अंतर्गत वोटर अवेयरनेस को लेकर जिले के विभिन्न क्षेत्रों में चलाया गया मतदाता जागरूकता अभियान

प्रतिनिधि,रामगढ़। आगामी लोकसभा आम निर्वाचन 2024 के दौरान रामगढ़ जिले में शत प्रतिशत मतदान सुनिश्चित करने के मद्देनजर जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त रामगढ़ चंदन कुमार के द्वारा मतदाता जागरूकता कोषांग को विभिन्न प्रतियोगिताओं, कार्यक्रमों आदि का आयोजन कर अधिक से अधिक मतदाताओं को मतदान के प्रति जागरूक करने का निर्देश दिया गया है। इसी क्रम में जिला स्वीप नोडल पदाधिकारी सह जिला समाज कल्याण पदाधिकारी कनक तिर्की के द्वारा बुधवार को जिले के विभिन्न क्षेत्रों में आंगनबड़ी सहिया, सेविका(बीएलओ) के द्वारा आगामी लोकसभा आम निर्वाचन 2024 हेतु स्वीप के तहत मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान मतदाता जागरूकता को लेकर बनाए गए मतदाता जागरूकता को लेकर रंगोली प्रतियोगिता आयोजन व

पोस्टर के माध्यम से अपने-अपने क्षेत्र में ÷वोट करेगा रामगढ़, 20 मई÷ ÷चुनाव का पर्व देश का गर्व÷ आई एम रेडी टू वोट थीम के तहत मतदाता जागरूकता के माध्यम से लोगों को जागरूक किया गया। साथ ही उपस्थित सभी मतदाताओं को आगामी लोकसभा आम निर्वाचन 2024 में जो रामगढ़ जिलें में 20 मई को मतदान करने हेतु मतदाता शपथ कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। इस दौरान आंगनबाड़ी सहिया सेविका ने अपने-अपने क्षेत्र में सभी मतदाताओं को आगामी लोकसभा आम निर्वाचन 2024 में सभी मतदाताओं को जागरुक करते हुए बिना लोग लालच या दबाव में आए हुए 20 मई को अपने नजदीकी मतदान केदो में जाकर अपना बहुमूल्य मतों का उपयोग को लेकर गांव गांव घूम घूम कर मतदान करने हेतु अपील की।

सड़क हादसे में जीजा की मौत, साला गंभीर: अबीर-गुलाल खेलकर जा रहे थे घर, गाड़ी ने मारी टक्कर

आरा (भोजपुर), एजेंसी। शहर के नवादा थाना क्षेत्र के गिरजा मोड़ स्थित पड़ी गैस एजेंसी के पास मंगलवार की देर शाम अज्ञात वाहन ने बाइक सवार एफसीआई कमी व उसके साले को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में एफसीआई कर्मी की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। जबकि बाइक पर बैठा उसका साला गंभीर रूप से जख्मी हो गया। जख्मी साले को इलाज के लिए सदर अस्पताल लाया गया। जहां से प्राथमिक उपचार करने के बाद उसकी हालत को चिंताजनक देखते हुए पटना रेफर कर दिया गया है। मृतक की पहचान कृष्णागढ़ थाना क्षेत्र के बलुआ गांव निवासी स्व.जितेंद्र प्रसाद सिंह के बेटे राहुल कुमार सिंह(28) के रूप में हुई है। वह एफसीआई में फील्ड ऑफिसर के पद पर सहरसा जिले में अनुबंध पर कार्यरत थे। वह वर्तमान में नवादा थाना क्षेत्र के सर्किट हाउस के समीप किराए का मकान लेकर रहते थे। जबकि जख्मी युवक नवादा थाना क्षेत्र के सर्किट हाउस निवासी अनिल सिंह का 30 वर्षीय पुत्र व मृतक का साला नीरज कुमार सिंह है। इधर मृतक के बड़े भाई राजेश कुमार सिंह ने बताया कि वह दोनों बाइक से दोस्तों के साथ

अबीर-गुलाल खेलकर वापस घर लौट रहे थे। उसी दौरान गिरजा मोड़ स्थित पकड़ी गैस एजेंसी के समय किसी अज्ञात वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। जिससे उनके छोटे भाई राहुल कुमार सिंह की घटनास्थल भारी मौत हो गई। जबकि उनका साला नीरज कुमार सिंह गंभीर रूप से जख्मी हो गया। सूचना पाकर परिजन फौरन घटनास्थल पर पहुंचे और दोनों को सदर अस्पताल ले आए। जहां चिकित्सक ने देखा राहुल कुमार सिंह को मृत घोषित कर दिया। वहीं जख्मी उनके साला नीरज कुमार सिंह का प्राथमिक उपचार करने के बाद उनकी हालत को चिंताजनक देखते हुए पटना रेफर कर दिया गया। इसके पश्चात परिजनों ने इसकी सूचना सदर अस्पताल में पदस्थापित पुलिस पदाधिकारी को दी।

बिहार के चीनी मिल में बड़ा हादसा, मजदूरों पर गिरा लोहे का विशाल प्लेट, 3 दबे 1 की मौत : बेतिया, एजेंसी। बिहार में बेतिया के नरकटियागंज चीनी मिल में एक बड़ा हादसा हो गया. जिसमें एक मजदूर की मौत हो गई है. वहीं, दो मजदूर गंभीर रूप से घायल है. घायल मजदूरों का इलाज जीएमसीएच बेतिया में हो रहा है. मृत मजदूर का नाम वीरेंद्र तिवारी बताया जा रहा है. नरकटियागंज चीनी मिल में एक्सटेंशन का चल रहा काम पुलिस के अनुसार, नरकटियागंज चीनी मिल में एक्सटेंशन का काम चल रहा था. इस दौरान उनके ऊपर प्लेट गिर गई. प्लेट गिरने की वजह से कुछ मजदूर दब गए. वहीं, जब पुलिस मौके पर पहुंची, तबतक एक मजूदर की मौत हो चुकी थी. जानकारी के अनुसार, सभी घायलों को अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है. इसके बाद मृतक मजदूर के परिजनों को सूचना दे दी गई है. मृत मजदूर के परिजन मुवावजा की मांग कर रहे दरअसल, मिल के अंदर मेंटेनेंस का काम चल रहा था तभी एक लोहे की प्लेट मजदूरों पर गई, प्लेट के चपेट में तीन मजदूर आये. जिनमे एक की मौत हो गई है।

समस्तीपुर में कुपोषित मां-बच्चों का होगा इलाज

समस्तीपुर, एजेंसी। समस्तीपुर में कुपोषित माता और उनके बच्चों को अब पटना-दरभंगा जाने की जरूरत नहीं है। जल्द ही समस्तीपुर सदर अस्पताल में चाइल्ड एंड मैटरनिटी सेंटर शुरू होने वाला है। इस सेंटर में कुपोषित माता और उनके बच्चों का पूरा इलाज हो सकेगा। माना जा रहा है कि आदर्श चुनाव आचार संहिता खत्म होने के बाद इसका विधिवत उद्घाटन मुख्यमंत्री करेंगे। सदर अस्पताल परिसर में 44 करोड़ रुपए की लागत से बन रहे चाइल्ड एंड मैटरनिटी हॉस्पिटल को अंतिम लुक दिया जा रहा है। इस अस्पताल के शुरू होने से गंभीर मातृ शिशु को दरभंगा और पटना भेजने का झंझट समाप्त हो जाएगा। इस केंद्र में विशेषज्ञ डॉक्टर के साथ कर्मचारियों की संख्या भी बढ़ाई जाएगी। इस अस्पताल का काम तेजी से चल रहा है। अभी गंभीर रूप से बीमार मरीजों को दरभंगा और पटना रेफर कर दिया जाता है। इससे रास्ते में ही अधिकतर बच्चों की मौत हो जाती है। सिविल सर्जन डॉक्टर एस के चौधरी ने कहा कि भवन निर्माण का कार्य लगभग समाप्त हो चुका है। भवन के अंदर उपस्कर लगाया जा रहा है। बहुत जल्द ही भवन निर्माण विभाग इस भवन को स्वास्थ्य विभाग को सौंप देगी। इसमें 200 मरीजों की क्षमता वाले मृति और शिशु अस्पताल काम करने लगेगा।

आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को मिलेगा लाभ : इस अस्पताल के शुरू होने से आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को राहत मिलेगी। निजी क्लिनिक

के आर्थिक दोहन से बस सकेंगे। अभी निजी अस्पताल कुपोषित मां और बच्चों को एक दिन का कम से कम 15-20 हजार रुपए देना पड़ता है। इसमें मां और नवजात के इलाज से जुड़ी सारी सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इस केंद्र में अत्याधुनिक सुविधा, विशेषज्ञ चिकित्सकों के अलावा पैथोलॉजिकल जांच की भी व्यवस्था होगी। इस स्ष्ट॥ हॉस्पिटल शुरू होने पर जच्चा-बच्चा को बेहतर इलाज मिल सकेगा। बच्चों के मौत में कमी जिले भर में एक माह में औसतन 15 बच्चों की मौत कुपोषण के कारण होती है। स्वास्थ्य विभाग का आंकड़ा देखें तो जिले के विभिन्न अस्पतालों में एक माह में औसतन 0 से 5 साल के कम से कम 15 बच्चों की मौत सही इलाज वह देखने के अभाव में हो जाती है। इस केंद्र के खुल जाने से उन बच्चों को इलाज देने में सुविधा मिलेगी।

चिराग पासवान ने जमुई से जीजा अरुण भारती को टिकट दिया, लोजपा रामविलास का दूसरा कैंडिडेट घोषित

पटना, एजेंसी। लोजपा रामविलास के मुखिया चिराग पासवान ने बिहार की जमुई लोकसभा सीट से अपने जीजा अरुण भारती को टिकट दिया है। इस सीट पर लोकसभा चुनाव के पहले चरण में चुनाव होना है। गुरुवार को नामांकन का आखिरी दिन है। जमुई से चिराग पासवान अभी सांसद हैं, इस बार वे हाजीपुर लोकसभा सीट से चुनाव लड़ेंगे। एनडीए में पिछले दिनों हुए सीट बंटवारे के तहत लोजपा रामविलास राज्य की कुल पांच सीटों पर चुनाव लड़ेगी। हालांकि, अभी तक चिराग पासवान की पार्टी ने दो सीटों पर ही अपने कैंडिडेट घोषित किए हैं। समस्तीपुर, खगड़िया और वैशाली में उम्मीदवारों की घोषणा बाकी है। जमुई से चिराग

पासवान के बहनोई अरुण भारती को टिकट मिलने से जेडीयू के कद्दावर मंत्री अशोक चौधरी की बेटी शांभवी चौधरी, एक आईपीएस अफसर की पत्नी ज्योति पासवान और बिहार लोजपा के महासचिव संजय पासवान को झटका लगा है। शांभवी के ससुर किशोर कुणाल हैं जिनके बेटे श्यान कुणाल चिराग से दिल्ली आकर मिले थे। कयास लगाए जा रहे थे कि शांभवी को जमुई से लोजपा रामविलास टिकट दे सकती है। इसी तरह ज्योति पासवान भी दिल्ली में चिराग से मिलकर गई थीं। बिहार में संजय पासवान साए की तरह चिराग के साथ नजर आते थे। अब लोजपा के खाते में एक रिजर्व सीट समस्तीपुर के साथ-साथ वैशाली और खगड़िया सीट बची रह गई है जहां कैंडिडेट की घोषणा बाकी है। समस्तीपुर से जेडीयू मंत्री महेश्वर हजारी अपने बेटे को लोजपा का टिकट दिलाने के लिए सपरिवार चिराग से मिलने दिल्ली आए थे। समस्तीपुर से संजय पासवान भी पार्टी कोटा से एक मजबूत दावेदार हैं जिनका टिकट जमुई से चिराग के बहनोई के लिए कट गया है।

बिहार में बढ़ेगी गर्मी, बारिश के भी आसार : पटना, एजेंसी। बिहार में होली का पर्व खत्म हो गया है। अब मौसम विभाग ने राज्य में तपिश बढ़ने की आशंका जताई है। अगले दो-चार दिनों के भीतर कुछ इलाकों में बारिश के भी आसार हैं। हालांकि, मौसम विभाग ने अगले पांच दिनों के लिए किसी तरह का अलर्ट जारी नहीं है। अप्रैल महीने से बिहार में लू चलने की आशंका नजर आ रही है। राज्य में बीते 24 घंटे के भीतर मौसम सामान्य रहा। मंगलवार को पटना में बादल छाए रहने के आसार हैं।

पटना मौसम केंद्र द्वारा जारी पूर्वानुमान के मुताबिक अररिया और किशनगंज जिले के आसपास के इलाकों में मंगलवार को छिटपुट बारिश हो सकती है। 30 मार्च को उत्तर बिहार एवं कोसी-सीमांचल में बूंदाबांदी के आसार हैं। इस दौरान सीतामढ़ी, शिवहर, मुजफ्फरपुर, वैशाली, समस्तीपुर, दरभंगा, मधुबनी, सहरसा, सुपौल, मधेपुरा, पूर्णिया, अररिया, कटिहार और किशनगंज जिले के कुछ इलाकों में हल्की बारिश का अनुमान है। अन्य दिनों में मौसम साफ रहने की संभावना है।

मौसम विभाग के मुताबिक राजधानी पटना में मंगलवार को अधिकतम तापमान 35 डिग्री सेल्सियस से ऊपर रहेगा। वहीं न्यूनतम तापमान 22 डिग्री सेल्सियस तक जाएगा। राजधानी में दोपहर बाद हल्के बादल छाए रहेंगे, लेकिन बारिश के आसार नहीं हैं।

संक्षिप्त समाचार

नामांकन से पहले जितिन ने मां यशवंतरी का लिया आशीर्वाद

पीलीभीत, एजेंसी। पीलीभीत संसदीय सीट पर भाजपा प्रत्याशी जितिन प्रसाद ने नामांकन से पहले मां यशवंतरी मंदिर में पूजा अर्चना की। इस दौरान उनके साथ जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, गन्ना राज्य मंत्री संजय सिंह गंगवार, भाजपा जिलाध्यक्ष संजीव प्रताप सिंह, एमएलसी सुधीर गुप्ता, पूरनपुर विधायक बाबूराम पासवान, बीसलपुर विधायक विवेक गुप्ता और बरेली के प्रत्याशी छत्रपाल गंगवार भी उनके साथ मौजूद रहे।

हादसे में दो बेटों-पिता के साथ 4 की मौत

बिजनौर। बिजनौर में हुए भीषण सड़क हादसे में चार की मौत हो गई। हादसा इतना भीषण था की कार सवार चार की मौत हो गई। हाईवे पर तेज रफ्तार कार लटने से हादसा हुआ। बताया जा रहा है कि तेज रफ्तार कार के ड्राइव को झपकी आने से हादसा हुआ है। हादसे के समय कार की रफ्तार बेहद तेज थी जिस कारण ड्राइवर कार को संभाल नहीं पाया। कार तेजी से दौड़ रही थी और चालक संभाल नहीं पाया। कार बिजनौर में पलटी। उमेश पाल के घर के पीछे बनी गोशाला में मंगलवार दोपहर तेज धमाके से हड़कंप मच गया। सुरक्षाकर्मी हरकत में आए और मौके पर पहुंचकर जांच की। सीसीटीवी फुटेज में कोई नजर नहीं आया। पुलिस ने जांच के बाद दावा किया कि कूड़े में किसी ने ज्वलनशील पदार्थ डाल दिया था। उसी में आग लगी थी। वहीं उमेश पाल की पत्नी जया ने पड़ोसी संजय पटेल, उसके भाई अजय और रवि और दो अज्ञात के खिलाफ धूमनगंज थाने में एफआईआर दर्ज करा दी है।

अयोध्या में पीएसी जवान रहस्यमय हालात में गोली लगने से घायल

अयोध्या,एजेंसी। प्रांतीय सशस्त्र कांस्टेबुलरी (पीएसी) के एक जवान को मंगलवार को यहां राम मंदिर परिसर में रहस्यमय हालात में गोली मार दी गई। सूचना मिलते ही आईजी अयोध्या रेंज प्रवीण कुमार मौके पर पहुंचे। हालांकि, उन्होंने कहा कि यह अभी तक स्पष्ट नहीं है कि पीड़ित पर किसी और ने गोली चलाई थी या उसे उसकी ही बंदूक से गोली लगी थी। घटना की जांच के आदेश दे दिए गए हैं।शुरुआती रिपोर्टों में कहा गया है कि 53 वर्षीय जवान राम प्रसाद मंदिर परिसर में तैनात थे, उसी समय उन्हें गोली लगी। उनके साथियों ने उन्हें तुरंत जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां से उन्हें लखनऊ रेफर कर दिया गया।पुलिस इलाके में तैनात अन्य पुलिसकर्मियों से पूछताछ कर रही है।

नोएडा प्राधिकरण ने 9 संस्थानों पर लगाया 27 लाख का जुर्माना, 24 घंटे का अल्टीमेटम

नोएडा,एजेंसी। नोएडा प्राधिकरण ने बिना शोधित पानी नाले में बहाने वाले रेस्टोरेंट समेत 9 संस्थानों पर 27 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। प्राधिकरण की टीम ने इन संस्थानों का निरीक्षण भी किया, जिसमें सात संस्थानों में ईटीपी नहीं लगा मिला, जबकि दो संस्थान बंद मिले। इन सभी संस्थानों को जुर्माना जमा करने के लिए महज 24 घंटे का अल्टीमेटम दिया गया है। जुर्माना जमा नहीं करने पर सभी को सीज कर दिया जाएगा। प्राधिकरण ने शिकायत के आधार पर सेक्टर-18 और 53 में स्थित नौ होटल, रेस्तरां और वाणिज्यिक संस्थानों पर छापेमारी की थी। टीम ने संस्थानों का पुनः निरीक्षण किया। टीम को सात संस्थानों में शोधित पानी को लेकर व्यवस्था नहीं मिली, जबकि दो संस्थान बंद मिले। टीम ने संस्थानों को 24 घंटे में जुर्माना जमा करने का आदेश दिया है। यदि संस्थान बुधवार तक जुर्माना जमा नहीं करते हैं, तो उन्हें सील कर दिया जाएगा। वहीं, बंद मिले संस्थानों के खिलाफ भी कार्रवाई होगी। प्राधिकरण ने जिन संस्थानों पर जुर्माना लगाया है उनमें सेक्टर-18 स्थित सागर रत्ना पर 5 लाख, सेक्टर-18 स्थित द पटियाला किचन पर दो लाख, चाऊमेन पर दो लाख, सेक्टर-53 स्थित मिठास स्वीट्स एंड रेस्टोरेंट पर दो लाख, सेक्टर-18 स्थित देसी वाइब्स पर 2 लाख, ढाबा ऐट अट्टा पर दो लाख, सेक्टर-18 स्थित नजीर फूड पर दो लाख, द तंदूरी विलेज पर 5 लाख और सेक्टर-18 स्थित राधे श्याम पर 5 लाख का जुर्माना लगाया गया है। इन सभी को जुर्माना भरने के लिए 24 घंटे का अल्टीमेट दिया गया है। यदि यह ऐसा करने में विफल रहते हैं, तो सभी संस्थानों को सीज कर दिया जाएगा।

आजम खां के सियासी दांव में उलझ गए अखिलेश यादव, रामपुर और मुरादाबाद सीट पर उलझी सपा

मुरादाबाद, एजेंसी। लोकसभा चुनाव में टिकट फाइनल करने को लेकर समाजवादी पार्टी में घमासान जारी है। अखिलेश यादव आजम खां के सियासी दांव में उलझ गए हैं। रामपुर लोकसभा सीट पर प्रत्याशी का फैसला नहीं हो सका है। वहीं, मुरादाबाद सीट पर भी असमंजस की स्थिति है। लोकसभा चुनाव में रामपुर सीट को लेकर आजम खां ने ऐसा सियासी दांव खेला है जिसमें पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव उलझ कर रह गए हैं। आजम खां ने अखिलेश यादव से कहा था कि वो रामपुर से लोकसभा का चुनाव लड़ लें। अखिलेश यादव इसके लिए मन नहीं बना पाए। ऐसे में नामांकन दाखिल होने के एक दिन पहले तक सपा अपना प्रत्याशी तय नहीं कर पाई है और दूसरी ओर सपाइयों ने रामपुर में चुनाव के बहिष्कार का एलान कर दिया है। एक तरह से आजम खां ने गेंद अखिलेश यादव के पाले में डाल दी है। आजम खां सियासत के मंझे हुए खिलाड़ी हैं। कोई भी रणनीति वो भविष्य को ध्यान में रखते हुए तैयार करते हैं। आजम खां पिछले कुछ महीनों से जेल में हैं। ऐसे में कई स्थानीय सपाइयों ने लोकसभा का चुनाव लड़ने के मंसूबे पालने शुरू कर दिए थे। टिकट के कई दावेदारों ने इसको लेकर सीतापुर की जेल में आजम खां से मुलाकात भी की थी।

कई नेताओं ने अपने स्तर से चुनाव की तैयारी भी शुरू कर दी थी। इस बीच आजम खां से मुलाकात करने से सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव सीतापुर की जेल पहुंचे। दोनों नेताओं के बीच बातचीत के यह लगने लगा था कि रामपुर सीट से प्रत्याशी तय कर दिया जाएगा। पार्टी के जानकारों की माने तो आजम खां ने अखिलेश यादव से कहा था कि वो खुद रामपुर से चुनाव लड़ें। हालांकि अखिलेश यादव ने इसको लेकर साफ-साफ कुछ नहीं कहा। उन्होंने कहा कि आजम खां ने जो सुझाव दिए हैं उस पर विचार किया जाएगा।

इसके बाद रामपुर के सपाई 24 मार्च को अखिलेश यादव से मुलाकात करने लखनऊ पहुंचे थे। रामपुर के सपाइयों ने अखिलेश यादव से आजम खां के प्रस्ताव पर विचार करने को कहा। हालांकि अखिलेश यादव ने 24 मार्च को भी खुलकर कुछ नहीं कहा और 26 मार्च को प्रत्याशी के एलान की बात कही। इस बीच तेजप्रताप यादव का नाम चर्चा में आया।

राजनीतिक हलको में यह कहा जाना लगा कि तेज प्रताप यादव को सपा रामपुर से प्रत्याशी बना सकती है। इससे आजम खां की बात भी रह जाएगी। लेकिन मंगलवार की शाम रामपुर के सपाइयों ने अचानक से चुनाव के बहिष्कार का एलान कर दिया। उन्होंने आजम खां का पत्र भी जारी किया। हालांकि रामपुर के सपाइयों ने यह भी कहा है कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जो फैसला करेंगे वह उनको मंजूर होगा।

नामांकन दाखिल करने की आखिरी तिथि है आज

रामपुर लोकसभा सीट पर पहले चरण में 19 अप्रैल को मतदान होना है। इसके लिए नामांकन दाखिल करने की आखिरी तिथि 27 मार्च है। चुनाव लड़ने के लिए दोपहर तीन बजे तक नामांकन दाखिल करना अनिवार्य है। ऐसे में पार्टी को बुधवार सुबह तक कोई न कोई फैसला लेना पड़ेगा। वैसे इस सीट का इतिहास रहा है कि सपा अंतिम समय पर अपने पत्ते खोलते है। सपा विधानसभा सीट पिछले साल हुए उपचुनाव के लिए प्रत्याशी के बारे में लोगों को तब पता चला जब उन्होंने अपना नामांकन दाखिल कर दिया।

रामपुर से पिछला चुनाव जीता था आजम खां ने

रामपुर। 2019 के लोकसभा चुनाव में आजम खां रामपुर लोकसभा सीट से प्रत्याशी थे। इस चुनाव में आजम खां ने एक लाख से अधिक मतों से भाजपा की प्रत्याशी जयाप्रदा को मात दी थी। सांसद बनने के कुछ महीने के बाद 2020 वारंट जारी होने पर उन्होंने पत्नी डॉ. तजीन फात्मा और बेटे अब्दुल्ला आजम के साथ कोर्ट में आत्मसर्मपण कर दिया था। तीनों को सीतापुर की जेल भेज गया था।
आजम खां जेल में रहते हुए 2022 का विधानसभा चुनाव लड़ा था। विधायक बनने के बाद उन्होंने लोकसभा की सीट छोड़ दी थी। इसके बाद इस सीट पर हुए उपचुनाव में भाजपा के घनश्याम लोधी ने जीत हासिल कर दी थी। बाद में कोर्ट से सजा होने के बाद आजम खां की विधायकी भी चली गई। रामपुर विधानसभा सीट हुए उपचुनाव में भाजपा के आकाश सक्सेना ने जीत हासिल कर ली थी। इन दोनों उपचुनावों सपा के प्रत्याशी आसिम राजा थे।

टिकट कटने की मुझे नहीं जानकारी-एसटी हसन

उधर, मुरादाबाद सीट से मंगलवार को सपा उम्मीदवार के रूप में नामांकन कराने वाले सांसद डॉ. एसटी हसन की टिकट कटने और पूर्व विधायक रुचि वीरा की चर्चा तेज है। इस बाबत पूछने पर डॉ. हसन ने कहा कि उन्हें बी फॉर्म मिल गया है, यह जानकारी हुई है लेकिन इस बारे में पार्टी की तरफ से मुझे कोई अधिकृत जानकारी नहीं दी गई है। वहीं, चर्चा है कि पार्टी ने रुचि वीरा को भी नामांकन करने से रोक दिया है।

40वीं बार दूल्हा बने, फेरे की रस्में हुईं फिर भी न मिली दुल्हन, अनोखी शादी

लखीमपुर, एजेंसी। यूपी के लखीमपुर खीरी में यह कहानी दिलचस्प है। ईसानगर के नरगड़ा गांव में होली के दिन अनोखी रस्म निभाई गई। सोमवार को 40वीं बार दूल्हा बारात लेकर निकला। गाजे-बाजे के साथ दुल्हन के दरवाजे पहुंचे। बारात का स्वागत सत्कार हुआ। फेरे की रस्में हुईं और विदाई भी। पर हर साल की तरह 40वीं बार बारात बिना दुल्हन के बैरंग वापस हुई। होली का दिन रंगों से सराबोर बारातियों का जत्था ट्रैक्कर पर सवार दूल्हे के साथ गांव के बीच निकला। बारात में करीब करीब पूरा गांव शामिल है। बारात दुल्हन के दरवाजे पर पहुंची। बारातियों का स्वागत हुआ। परम्परानुसार बारातियों को जलपान कराकर जनवासे में ठहरा दिया गया। बारात में शामिल लोगों के पांव भी पखारे गए। उधर वधु पक्ष की महिलाओं ने घर में मंगलगीत गाये। द्वारपूजन के बाद विवाह की रस्में निभाई गईं। बारात और दूल्हे के साथ वे सारी रस्में निभाई हुईं। लेकिन दूल्हे को नहीं मिलती तो बस दुल्हन। बात हो रही है कि ईसानगर के मजरा नरगड़ा में निकाली जाने वाली बारात की। इस बारात की खासियत यह है कि इसमें एक ही परिवार के सदस्य सैकड़ों वर्षो से दूल्हा बनते आए हैं। होली के दिन पूरा गांव दूल्हे के साथ नाचते गाते रंग से सराबोर होकर दूल्हे के साथ बरात लेकर पहुंचते हैं। सारी रस्में शादी बरात वाली ही होती है। पुरानी परम्परा के अनुसार आज भी हम लोग भी इस प्रथा को निभा रहे है। यह भी परम्परा है कि बारात को बिना दुल्हन के विदा किया जाता है। इस परंपरा में गांव के विश्वम्भर दयाल मिश्रा 40वीं बार दूल्हा बने। विश्वम्भर की ससुराल गांव में ही है। होली के पहले उनकी पत्नी मोहिनी को कुछ दिन पहले मायके बुला लिया जाता है। शादी के स्वांग के बाद जब बारात विदा होकर आ जाती है। तब उसके कुछ दिन बाद मोहिनी को ससुराल भेज दिया जाता है। यह अनोखी शादी देखने और बारात में शामिल होने के लिए लोग दूर-दूर से आते हैं। सैकड़ों सालों से चली आ रही यह परंपरा आज भी लोक संस्कृतियों की यादें समेटे हुए है।

मौलाना जमील अहमद बने बनारस के दूसरे शहर-ए-काजी, ईद बाद होगी दस्तारबंदी

वाराणसी , एजेंसी। आजादी के बाद मौलाना गुलाम यासीन को पहले शहर-ए-काजी की जिम्मेदारी मिली थी। उनके इंतकाल के बाद मौलाना जमील अहमद कादरी नए काजी-ए-शहर बनाए गए। उनकी दस्तारबंदी ईद के बाद होगी। शहर-ए-काजी मौलाना गुलाम यासीन के इंतकाल के बाद मौलाना जमील अहमद कादरी नए काजी-ए-शहर बनाए गए। सदर-उस-शरीया मौलाना जियाउल मुस्तफा रिजवी कादरी ने नए काजी-ए-शहर का एलान बरेली शरीफ के प्रमुख अल्लामा मौलाना मुफ्ती असजद रजा खां की अनुमति से किया। एलान का ऑडियो आने के बाद तिलभांडेश्वर पार्क स्थित मौलाना गुलाम यासीन के आवास पर पहुंचकर उलेमा और लोगों ने मौलाना जमील की गुलपोशी कर उन्हें मुबारकबाद दी। उनकी दस्तारबंदी ईद के बाद होगी।

अशफाक नगर निवासी मौलाना मोहम्मद जमील अहमद मशहूर उलेमा हैं। उनके मुरीदों ने उम्मीद जताई है कि मौलाना गुलाम यासीन की तरह ही मौलाना जमील भी बनारस को साथ लेकर चलेंगे और हक पर रहेंगे। अहले सुन्नत अल जमात खासकर बरेलवी के उलेमा नए शहर-ए-काजी के फैसले को मानेंगे। आजादी के बाद मरहूम मौलाना गुलाम यासीन पहले शहर-ए-काजी बने थे।

जानकारों का मानना है कि आजादी के पहले हजरत अलवी शहीद, याकूब शहीद, लाटशाही बाबा भी अपने दौर के शहर ए काजी रहे थे। रमजान को देखते हुए नए शहर-ए-काजी का एलान हुआ क्योंकि ईद के चांद का एलान, शरिया की जानकारी देने सहित अन्य दीनी कार्यों में दिक्कत न आए।

संगीत की फुहार, इत्र और गुलाबजल की खुशबू से निखरा बुढ़वा मंगल, सुबह-ए-बनारस के मंच पर सजी महफिल

वाराणसी, एजेंसी। होली के बाद पहले मंगलवार को गंगातट पर बुढ़वा मंगल की महफिल सजी। इस दौरान पुरुष दुपलिया टोपी, सफेद कुर्ता-पायजामा तो महिलाएं गुलाबी साड़ी में नजर आईं। महफिल में इत्र व गुलाबजल की खुशबू के साथ संगीत का रस घुला तो सभी मदमस्त हो गए। बनारसी ठाटबाट का हिस्सा रहा बुढ़वा मंगल मंगलवार को जवां दिखा। अस्सी घाट के सुबह-ए-बनारस के मंच पर सजी बुढ़वा मंगल की महफिल में इत्र व गुलाबजल की खुशबू के साथ संगीत का रस घुला तो सभी मदमस्त हो गए। पुरुष दुपलिया टोपी, सफेद कुर्ता-पायजामा तो महिलाएं गुलाबी साड़ी में नजर आईं। आरंभ होली पर काव्यार्चन से हुआ। अरविंद मिश्रा हर्ष के संचालनत्व में कंचनलता चतुर्वेदी, प्रियंका अग्निहोत्री, प्रियंका सिंह, डॉ. अलका दुबे, डॉ. धर्म प्रकाश मिश्रा, डॉ. प्रवीण तिवारी, रुद्रनाथ त्रिपाठी पुंज, अंकित खत्री नादान, जगदीश्वरी चौबे, डॉ. जयप्रकाश मिश्रा, डॉ. नागेश शांडिल्य, सूर्य प्रकाश मिश्रा आदि ने काव्य पाठ किया। इसके बाद संगीतज्ञ डॉ. राजेश्वर आचार्य की अगुवाई में सजी संगीत की महफिल में तेजस्वनी वर्णेकर ने उपशास्त्रीय गायिकी से आनंद की वर्षा की। उन्होंने कौन तरह से खेलत होरी देखो लला..., ना खेलूंगी मैं तोसे होरी कन्हैया... आदि सुनाया। बुढ़वा मंगल में अभिनव प्रयोग करते हुए काशी के युवा रॉकस्टार अमित त्रिवेदी और उनकी टीम ने भगवान शिव की रॉकिंग होली की अद्भुत प्रस्तुति दी। संचालन अंकिता खत्री ने किया। इस मौके पर पं. प्रमोद मिश्र, मंजू मिश्रा, डॉ. वीरेंद्र प्रताप सिंह, अभय श्रीवास्तव, पं. रमेश तिवारी, कृष्णमोहन आदि रहे।

वेटरनरी फार्मा कंपनी की गोदाम में आग से 40 लाख की दवाइयां जली

दिबियापुर, एजेंसी। कस्बा के राणा नगर में पशुओं की दवाइयों की कंपनी के गोदाम में आग लग गई। आधा घंटे की मशक्कत के बाद मोहल्ले के लोगों ने आग पर काबू पाया। आग से लाखों की दवाइयां और लोडर जलकर खाक हो गया। पीड़ित कंपनी मालिक घर पर ही दुकान में गोदाम बनाए थे। सोमवार की रात वेट नीड वेटरनरी फार्मा कंपनी मालिक राणा नगर निवासी भारत सिंह राजपूत अपने परिजनों के साथ काम से बाहर गए थे। घर पर उनकी पत्नी मंजू देवी अकेली थी। वह घर की छत पर सो रहीं थीं। रात लगभग डेढ़ बजे घर के नीचे हिस्से में आग लग गई। जब तक कोई कुछ समझ पाता आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। आग से घर में ही दवाइयों की गोदाम में भी आग लग गई।

दवाइयों के जलने की बदबू आसपास पहुंची तो लोग दौड़ पड़े। लोगों ने सबमर्सिबल पंपों की मदद से आग पर काबू पाने का प्रयास किया। आधे घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आसपास के लोगों ने आग पर काबू पाया, लेकिन आग से दवाइयां और एक लोडर जलकर खाक हो गया। पीड़ित का कहना है कि आग से लगभग 40 लाख की दवाइयों और लोडर आदि की क्षति हुई है।

बताया कि गोदाम में आग बुझाने के उपकरण भी थे, लेकिन घर में केवल पत्नी ही थी और वह भी छत पर फंसी थीं। इसलिए आग बुझाने के उपकरणों का प्रयोग नहीं हो सका। आग लगने का कारण अभी ठीक से पता नहीं है। थाना प्रभारी निरीक्षक मुकेश बाबू चौहान ने बताया कि लोगों ने शार्ट सर्किट से आग लगने की संभावना जताई है।

जून से वरुणा में शुरू होगी कोस्टल रोइंग, काशी की इन नदियों में रोमांचक खेलों का उठा सकेंगे लुत्फ

वाराणसी, एजेंसी। काशी की गंगा व वरुणा नदी में जल्द ही रोमांचक खेलों का लुत्फ उठा सकेंगे। रोमांचक खेलों को बढ़ावा देने के लिए वाराणसी रोइंग एसोसिएशन ने खेल निदेशालय से दो नाव और कोच की मांग की है।

गंगा और वरुणा नदी में जल्द ही रोमांचक खेलों की शुरुआत होगी। वाटर स्पोर्ट्स को बढ़ावा देने के लिए वाराणसी रोइंग एसोसिएशन ने खेल निदेशालय से दो बोट और कोच की मांग की है। एसोसिएशन के मुताबिक जून तक सेलिंग उपकरण मिलने की संभावना है। रोइंग के लिए ढाई फीट पानी होना चाहिए। गर्मियों में गंगा का जलस्तर काफी कम हो जाता है। ऐसे में राइंग के लिए ये समय सर्वाधिक उपयुक्त होगा। रोइंग शुरू हो जाने पर काशी के खिलाड़ियों को बाहर सेलिंग सीखने के लिए नहीं जाना पड़ेगा। काशी में ही खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए तैयार होंगे। वाराणसी रोइंग एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. एके सिंह ने बताया कि गंगा और वरुणा नदी को नौकायन शुरू करने के लिए चुना गया है। अप्रैल में प्रयागराज के विशेषज्ञों की टीम काशी आकर खेल तैयारियों का जायजा लेगी। इसके साथ ही सुरक्षा उपायों की जानकारी भी लेगी। इससे पहले राष्ट्रीय संघ के सदस्य काशी का दौरा कर काशी को स्पोर्ट्स पर्यटन से जोड़ने को हरी झंडी दे चुके हैं। इसमें प्रदेश रोइंग एसोसिएशन के अलावा खेल विभाग और भारतीय खेल प्राधिकरण की मदद ली जाएगी।

होली के बाद परदेस लौटने वाले यात्रियों की बढ़ी भीड़

मुंबई दिल्ली की ट्रेनों में फर्श पर करना पड़ा सफर

वाराणसी, एजेंसी। होली के बाद कर्मभूमि की ओर लौटना भी मुश्किल हो गया है। पूर्वांचल से दिल्ली- मुंबई समेत विभिन्न महानगरों में जाने वाले यात्रियों को ट्रेनों में कंफर्म सीट नहीं मिल पा रहा। ऐसे में उन्हें फर्श पर बैठकर यात्रा करनी पड़ रही है। होली मनाने के बाद कर्मभूमि की ओर लौटने वालों का सिलसिला शुरू हो गया है। हालांकि, जिनकी टिकट कंफर्म नहीं है, उन्हें परेशानियां झेलनी पड़ीं और आगे भी उन्हें दिक्कत उठानी पड़ेगी। मुंबई, सूरत, अहमदाबाद, नई दिल्ली, पंजाब जाने वाली ट्रेनों में 31 मार्च तक सीटें वेटिंग हैं। मंगलवार को कैंट रेलवे स्टेशन और बनारस स्टेशन से खुलने वाली मुंबई और दिल्ली की ट्रेनों में यात्रियों को कंफर्म सीटें नहीं मिलने से फर्श पर यात्रा करनी पड़ी। रनिंग कर्मचारियों के अनुसार दो दिन बाद से लौटने वालों से ट्रेनें फुल होकर चलेंगी। अभी से लेकर अप्रैल के पहले सप्ताह तक ट्रेनें ठसाठस रहेंगी। कैंट स्टेशन स्थित मुख्य आरक्षण केंद्र के कर्मियों के अनुसार दिल्ली जाने वाली शिवगंगा, स्वतंत्रता सेनानी, नीलांचल एक्सप्रेस, 22415 वंदे भारत, 22435 वंदे भारत, एक्सप्रेस, फरक्का, सद्भावना, काशी विश्वनाथ, श्रमजीवी, बनारस सुपरफास्ट में 31 मार्च तक लंबी वेटिंग चल रही है। यही हाल कैंट से खुलने वाली मुंबई की ट्रेनों में जैसे महानगरी, जयनगर-एलटीटी, बीएसबीएस-एलटीटी, जीकेपी-एलटीटी, कामायनी एक्सप्रेस, दरभंगा स्पेशल में भी कंफर्म सीट नहीं हैं। सभी श्रेणियों में लंबी वेटिंग है। उत्तर रेल अधिकारियों के अनुसार होली पर लौटने वालों के लिए स्पेशल ट्रेनें 31 मार्च और अप्रैल के पहले सप्ताह तक संचालित हैं। कुछ ट्रेनों में अतिरिक्त कोच भी बढ़ाए गए हैं।

रोडवेज बसों में भीड़, ई-बसों में यात्रियों की कमी

उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम वाराणसी परिक्षेत्र की बसों में मंगलवार से भीड़ उमड़नी शुरू हो गई। कैंट बस स्टेशन पर यात्रियों की भीड़ दिखी। जबकि ई-बसों को उतने यात्री नहीं मिल पा रहे हैं। रोडवेज अधिकारियों ने बताया कि लंबी दूरी की बसों का लोड बढ़ गया है। आजमगढ़, जौनपुर, शक्तिनगर और प्रयागराज रूट के यात्रियों की संख्या ज्यादा है।

बिजनौर में अनियंत्रित कार गड्ढे में गिरी, चार की मौत

बिजनौर, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के बिजनौर जिले के नजीबाबाद थाना क्षेत्र में एक अनियंत्रित कार सड़क किनारे गड्ढे में गिर गई। इस हादसे में चार लोगों की मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, गांव गुनियापुर के नजदीक एनएच- 74 पर बुधवार सुबह सड़क के किनारे बड़े गड्ढे में एक कार अनियंत्रित होकर पलट गई। इस घटना में चार लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। मृतकों में पिता और दो बेटे शामिल बताए जा रहे हैं। मृतकों की पहचान अमरोहा के सिकहेराड़ा गांव निवासी मेहर सिंह के बेटे प्रवेंद्र और रतन तथा उनके साले देवेन्द्र के रूप में हुई है। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि शवों को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल बिजनौर भेजा गया है। बताया जाता है कि ये सभी लोग अमरोहा से ऋषिकेश जा रहे थे। आगे घटना की जांच जारी है।

पद की मर्यादा और कानूनी स्थितियों पर विचार करने की जरूरत

तमिलनाडु में एक मंत्री को शपथ दिलाने के मामले में वहां के राज्यपाल ने जिस तरह की जिद पकड़ ली थी, वह पहले ही सवालों के घेरे में थी। सुप्रीम कोर्ट ने स्वाभाविक ही उस पर राज्यपाल को फटकार लगाई। गौरतलब है कि राज्यपाल ने द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम के नेता के पोनमुडी को मंत्री पद की शपथ दिलाने से इनकार कर दिया था।हालांकि शीर्ष अदालत ने आय से अधिक संपत्ति के मामले में पोनमुडी की दोषसिद्धि और सजा पर रोक लगा दी थी। इसके बावजूद राज्यपाल ने अपने रुख को नाहक ही प्रतिष्ठा का प्रश्न बनाया हुआ था। इसी पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि राज्यपाल अदालत की अवहेलना कर रहे हैं। अदालत ने केंद्र सरकार से भी पूछा कि अगर राज्यपाल संविधान का पालन नहीं करते, तो सरकार क्या करती है। उसके बाद राज्यपाल द्रमुक नेता को मंत्री पद की शपथ दिलाने को राजी हो गए। सवाल है कि क्या अब तमिलनाडु के राज्यपाल को अपने पद की मर्यादा के समांतर अपनी जिद और कानूनी स्थितियों पर विचार करने की जरूरत महसूस होगी!दरअसल, तमिलनाडु सरकार के साथ वहां के मौजूदा राज्यपाल के तल्ख रिश्ते छिपे नहीं हैं। राज्य सरकार ने उन पर कई बार अपने काम में बाधा डालने के आरोप लगाए हैं। कुछ समय पहले जब राज्य सरकार ने राजभवन की ओर से विधेयकों को मंजूरी देने में देरी करने पर सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था, तब अदालत ने साफ कहा था कि राज्यपाल को मंत्रिपरिषद की सलाह पर काम करना चाहिए।ताजा मामले में भी राज्यपाल ने कानून और तकनीकी पहलुओं का ध्यान रखे बगैर मंत्री को शपथ दिलाने से इनकार कर दिया। राज्यपाल से जुड़ी कुछ संवैधानिक व्यवस्थाएं हैं, जिनका पालन करना इस पद की गरिमा को बनाए रखने के लिए जरूरी है। मगर हाल के वर्षों में कई राज्यों में जिस तरह इस पहलू की अनदेखी होती दिखी है, अगर इसे रोका नहीं गया तो इसका आखिरी नुकसान लोकतंत्र को होगा।

भ्रष्टाचार पर प्रहार या विपक्ष के नेताओं पर वार?

(अनिल तिवारी)

लोकतंत्र के महापर्व आम चुनाव की अधिसूचना जारी होने के बाद एक पार्टी के मुखिया की गिरफ्तारी को लेकर कई ऐसे सवाल खड़े हो रहे हैं जिनका जवाब देने से शासन सत्ता के जिम्मेवार लोग अक्सर बचते रहे हैं। केन्द्र की मोदी सरकार भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस नीति का दावा करती है, लेकिन चुनावी चंदे में हुई हेरा-फेरी को लेकर खुद दबे पांव बच निकलने की कोशिश भी करती है। शराब घोटाले में जांच एजेंसियों को पहले से पता था कि घोटाले में केजरीवाल की संलिप्तता है तो उन्हें पहले ही क्यों नहीं गिरफ्तार किया गया? क्योंकि तीसरे सम्मन के बाद गिरफ्तार करने का अधिकार प्रवर्तन निदेशालय के पास था। फिर दो साल तक इंतजार करने के पीछे की मंशा क्या थी? घोटाले में शामिल होने के बावजूद दो साल तक गिरफ्तारी नहीं हुई तो चुनाव तक रुककर भी इसे अंजाम दिया जा सकता था। यही जल्दबाजी जांच एजेंसियों को तो कटघरे में खड़ा करती ही है, सरकार की मंशा पर भी सवालिया निशान उठाती है। क्या सरकार आम आदमी पार्टी की लोकप्रियता से भयभीत है, जैसा कि आम आदमी पार्टी के नेता और कार्यकर्ता आरोप लगा रहे हैं? क्या केंद्र की वर्तमान सरकार 2024 के चुनाव में जीत को लेकर जो 400 पार का दावा कर रही है, उसे अंजाम देने के लिए इस तरह की कार्यवाहियों की जरूरत है? समूचा विपक्ष एकजुट होकर मोदी सरकार के खिलाफ अटैक के मूड में है। कांग्रेस, सपा, राजद, एनसीपी के शरद पवार, सीपीएम आदि विपक्षी दलों के नेताओं ने झारखंड के पूर्व सीएम हेमंत सोरेन के बाद केजरीवाल की गिरफ्तारी को लेकर सरकार पर केंद्रीय जांच एजेंसियों के दुरुपयोग का आरोप लगाया है, तथा कहा है कि न प्रधानमंत्री को और न ही उनकी सरकार को ऐसा करना शोभा देता है। विपक्ष ने चुनौती दी है कि लोकतंत्र में रणभूमि में उतरकर लड़ना चाहिए और डटकर मुकाबला करना चाहिए। लेकिन वर्तमान सरकार का मुखिया डरा हुआ है इसीलिए देश की सारी संस्थाओं की ताकत अपने राजनीतिक मकसद को पूरा करने के लिए इस्तेमाल कर रहा है। विपक्ष यह भी आरोप लगा रहा है कि भाजपा के पास तीन सूत्री एजेंडा है। पहला, जो भी बीजेपी का विरोध करेगा, उसे जेल के पीछे भेजा जाएगा। दूसरा, जो बीजेपी का विरोध करेगा उसके फंड खत्म कर दिए जाएंगे और तीसरा, यदि कोई अपराधी पेरोल पर बाहर आएगा तो बीजेपी उसके साथ गठबंधन करने में नहीं हिचकेगी। पिछले दिनों आए आंकड़ों को आगे कर विपक्ष यह सवाल उठा रहा है कि साल 2014 से 2022 के बीच जिन 121 बड़े राजनेताओं से जुड़े मामलों की जांच ईडी कर रही है उनमें 115 नेता विपक्षी पार्टियों से है, यानी 95त्न मामले विपक्षी दलों के खिलाफ ही दर्ज हैं। लोकराज में लोक लाज का बड़ा महत्व होता है। शासन के शीर्ष पर बैठे हुए व्यक्ति की हर एक बात को गंभीरता से लिया जाता है, यहां तक की नीतियों, कार्यक्रमों के साथ-साथ उसके खान-पान, रहन-सहन, वेशभूषा की भी चर्चा नजीर बनती है। अगर आपको याद हो तो हमारे देश के एक पूर्व गृह मंत्री को आतंकी हमले के दिन बार बार कपड़े बदलने के कारण पद से त्यागपत्र देना पड़ा था। यह बात भी सही है कि लोकतंत्र में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तकरार कोई नई चीज नहीं है, लेकिन मतभेदों के बावजूद संवाद की निरंतरता लोकतंत्र की सेहत के लिए जरूरी मानी जाती है। अब इसका सर्वथा अभाव होता जा रहा है। कांग्रेस पार्टी ने हाल ही में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर चुनाव से ठीक पहले पार्टी का खाता फ्रिज किए जाने के मामले को भी राजनीति प्रेरित बताया है। मौजूदा मामले में तथ्य है कि कथित शराब घोटाला मामले में नौ बार सम्मन भेजने के बाद भी अरविंद केजरीवाल पूछताछ के लिए नहीं गए। वह प्रवर्तन निदेशालय के सम्मन को अवैध और राजनीति से प्रेरित बताते रहे। फिर उन्होंने कहा कि अगर ईडी अदालत का आदेश ले आए तो पूछताछ के लिए हाजिर हो जाएंगे। जब उन्हें लगा कि जांच एजेंसियां उन्हें गिरफ्तार कर सकती है तो उन्होंने दिल्ली उच्च न्यायालय में गुहार लगाई कि आम चुनाव तक उनके खिलाफ कार्रवाई पर रोक लगाई जाए। इस पर अदालत ने कोई फैसला नहीं दिया। इस मौके का फायदा उठाते हुए प्रवर्तन निदेशालय ने उनके आवास पर छापा मारा और कुछ देर बातचीत करने के बाद उन्हें अपने दफ्तर ले गई और उनके गिरफ्तारी की घोषणा कर दी। हालांकि केजरीवाल की गिरफ्तारी की आशंका उसी समय से जताई जा रही थी जब उन्हें चौथा सम्मन भेजा गया था। खुद आम आदमी पार्टी के नेता और कार्यकर्ता भी सार्वजनिक मंचों से कहते फिर रहे थे कि केंद्र सरकार अरविंद केजरीवाल की कभी भी गिरफ्तारी करवा सकती है। इसी हफ्ते सीबीआई ने जब कहा कि शराब घोटाला मामले में अभी कुछ और बड़े लोग गिरफ्तार होंगे, तो पक्का हो गया कि केजरीवाल जल्दी ही सलाखों के पीछे होंगे। कथित शराब घोटाले को लेकर पिछले एक डेढ़ वर्ष से खूब सियासत भी हुई है आम आदमी पार्टी की सरकार पर आरोप है कि उसने गलत तरीके से नई आबकारी नीति बनाई और भारी रिश्वत लेकर लोगों को शराब के ठेके बांट दिए।

'आप' हुए अंदर, अब बाहर क्या होगा?

ईडी का कहना है कि दिल्ली की सत्ता में बैठी आम आदमी पार्टी के शीर्ष नेताओं ने यह सब इसलिए किया क्योंकि शराब माफियाओं द्वारा कथित तौर पर उन्हें 100 करोड़ रूपये की घूस दी गयी थी। बदले में भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन के गर्भ से पैदा हुई पार्टी ने 2021-22 में दिल्ली में वैसी ही शराब नीति बना दी जैसी शराब माफिया चाहते थे। मसलन, दिल्ली में शराब सरकारी दुकानों से बिकने के बजाय निजी दुकानों से बिके। शराब कंपनियों को मनमानी शराब की दुकानें खोलने दिया जाए। रात 12 की बजाय भोर में 3 बजे तक शराब की दुकानें खुलें। पीने की न्यूनतम उम्र 25 साल से घटाकर 21 साल कर दी गयी।

(संजय तिवारी)

पहले सत्येन्द्र जैन, मनीष सिसोदिया, संजय सिंह और अब खुद अरविन्द केजरीवाल। आम आदमी पार्टी की पूरी 'ए' टीम एक ही घोटाले में जेल पहुंच गयी है जिसे शराब घोटाला कहा जा रहा है। इन सभी पर दिल्ली की आबकारी नीति में बदलाव करके राजकोष को 2873 करोड़ का नुकसान पहुंचाने का आरोप है। ईडी का कहना है कि दिल्ली की सत्ता में बैठी आम आदमी पार्टी के शीर्ष नेताओं ने यह सब इसलिए किया क्योंकि शराब माफियाओं द्वारा कथित तौर पर उन्हें 100 करोड़ रूपये की घूस दी गयी थी। बदले में भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन के गर्भ से पैदा हुई पार्टी ने 2021-22 में दिल्ली में वैसी ही शराब नीति बना दी जैसी शराब माफिया चाहते थे। मसलन, दिल्ली में शराब सरकारी दुकानों से बिकने के बजाय निजी दुकानों से बिके। शराब कंपनियों को मनमानी शराब की दुकानें खोलने दिया जाए। रात 12 की बजाय भोर में 3 बजे तक शराब की दुकानें खुलें। पीने की न्यूनतम उम्र 25 साल से घटाकर 21 साल कर दी गयी। अभी तक रिहाइशी इलाकों में शराब की दुकाने नहीं खुल सकती थीं लेकिन नयी नीति आ जाने के बाद निजी कंपनियां गली मोहल्लों में भी शराब की दुकान खोल सकती थीं। स्वाभाविक है ऐसा हो जाने पर दिल्ली में शराब की बिक्री में रिकार्डतोड़ वृद्धि होती। सालाना 7 हजार करोड़ की शराब पीनेवाले दिल्लीवासी संभव है इससे खुश ही होते लेकिन समस्या यह हुई कि ऐसा करते हुए सरकारी राजस्व से समझौता किया गया। नीति ऐसी बनायी गयी कि शराब की बिक्री बढ़ने से शराब माफिया तो फायदे में रहते लेकिन सरकारी राजस्व आधे से भी कम हो जाता। यही वह तकनीकी पक्ष था जहां से केजरीवाल सरकार की नीति आशंकाओं के घेरे में घिरी और लगभग पूरी सरकार ही शराब घोटाले में जेल के अंदर चली गयी। तकनीकी और कानूनी पक्ष अपनी जगह लेकिन केजरीवाल की शराब नीति ने उस पार्टी के सामने बहुत बड़ा नैतिक प्रश्न भी खड़ा किया था जो अन्ना हजारे के आंदोलन से पैदा हुई थी। महाराष्ट्र के अन्ना हजारे पहली बार चर्चा में आये ही इसलिए थे क्योंकि उन्होंने अपने गांव रालेगढ सिद्धी में संपूर्ण शराबबंदी लागू कर दी थी। अन्ना हजारे ने उसी भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन के मंच से यह बात दोहराई भी थी कि उनके गांव में हर कोई शराब पीता था। जब वो गांव लौटे तो उन्हें लगा कि बिना शराबबंदी के इस गांव का उद्धार नहीं हो सकता क्योंकि हर नौजवान तो शराब पीने में मस्त है। इसलिए उन्होंने गांव में सबसे पहले सफलतापूर्वक शराबबंदी की, उसके बाद गांव में समाज सुधार का काम किया। स्वंय अरविन्द केजरीवाल भी शराब और नशाखोरी के खिलाफ ही बोलते रहे हैं। जिन दिनों वो परिवर्तन एनजीओ के जरिए झुग्गी बस्तियों में काम करते थे, वो शराब और नशाखोरी के खिलाफ भी आवाज उठाते थे। इसके बावजूद उनकी सरकार में शराब की बिक्री को बढ़ावा देने के लिए काम किया गया और उसके एवज में तथाकथित डील की गई, यह जितना बड़ा कानूनी प्रश्न है उससे बड़ा नैतिक और राजनैतिक प्रश्न है कि आखिर उन्होंने ऐसा किया तो क्यों किया? सत्ता में आने के बाद गांधी की समाधि राजघाट का रास्ता भूल चुके अरविन्द केजरीवाल इस सवाल का जवाब तो शायद तब देंगे जब उन्हें फिर कभी गांधी की नैतिकता याद आयेगी। लेकिन बीते एक दशक के उनके आंदोलन और राजनीतिक सफर में यमुना में इतना पानी सड़ चुका है कि उस केजरीवाल को पहचान पाना ही मुश्किल है जो जन आंदोलन के ज्वार पर चढ़कर दिल्ली की सत्ता तक पहुंचा था। इसमें कोई दो राय नहीं कि नरेन्द्र मोदी की राजनीतिक सफलता में अरविन्द केजरीवाल के भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन ने बड़ी भूमिका निभाई। अन्ना आंदोलन ने कांग्रेस के खिलाफ जो माहौल बनाया था उसको दिल्ली तक सिमटे केजरीवाल भुना नहीं सकते थे, क्योंकि उनके पास कोई सांगठनिक ढांचा ही नहीं था। यह काम किया नरेन्द्र मोदी ने और 2013 में देशभर में रैलियां करके अपने आपको विकल्प के रूप में प्रस्तुत कर दिया। लेकिन राजनीति की नियति ही कहा जाएगा कि आज वही नरेन्द्र मोदी सरकार अरविन्द केजरीवाल के भ्रष्टाचार पर सख्त कार्रवाई करके उनके अस्तित्व के लिए ही राजनीतिक संकट पैदा कर रही है। अरविन्द केजरीवाल की राजनीति की खेती अभी कच्ची है। भले ही उनकी पार्टी को चुनाव आयोग द्वारा राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा दे दिया गया है लेकिन आम आदमी पार्टी अरविन्द केजरीवाल से शुरु होकर अरविन्द केजरीवाल पर ही खत्म हो जाती है। जो भविष्य के नेता हो सकते थे, उनसे या तो अरविन्द केजरीवाल ने पीछा छुड़ा लिया या फिर वो खुद अरविन्द केजरीवाल को छोड़कर चले गये। जो बचे रह गये उनमें से अधिकांश जेल पहुंच गये हैं। इसलिए इस समय ईडी द्वारा केजरीवाल की गिरफ्तारी के साथ ही आम आदमी पार्टी के सामने नेतृत्व का संकट पैदा हो गया है। कई सवाल पैदा हो गये हैं जिनका जवाब पार्टी को तत्काल खोजना होगा। केजरीवाल खेमे से यह जरूर कहा जा रहा है कि वो जेल से ही सरकार चलायेंगे लेकिन यह संभव नहीं होगा। जब लालू यादव जैसे घाघ नेता को भी चारा घोटाले में फंसने के बाद पत्नी राबड़ी देवी को मुख्यमंत्री बनाना पड़ गया था तब अरविन्द केजरीवाल अगर जेल से सरकार चलाते भी हैं तो यह भी एक नया रिकार्ड बनाने जैसा होगा। इस बीच संभावना इस बात की भी पैदा हो सकती है कि जो जेल नहीं गये वो नेतृत्व लेने का प्रयास करें। आम आदमी पार्टी किसी लंबे संघर्ष से निकली जमी जमाई पार्टी नहीं है। इसलिए उसमें टूट की संभावना पैदा हो जाए तो कोई आश्चर्य नहीं होना चाहिए। यह भी हो सकता है कि पत्नी सुनीता के मना करने के बाद वो किसी विश्वासपात्र को कुर्सी सौंप दें। हालांकि जैसा अब तक केजरीवाल की कार्यशैली रही है उसे देखकर लगता नहीं कि वो ऐसा करने में बहुत उत्सुक होंगे। कानूनन अगर वो जेल में रहकर दिल्ली सरकार चला सकते हैं तो वही करेंगे। लेकिन गिरफ्तारी के दौरान सिर्फ दिल्ली सरकार चला लेना ही एकमात्र उपलब्धि नहीं होगी। ईडी की गिरफ्त में अगर वो लंबे समय रहते हैं तो दिल्ली विधानसभा में संकट पैदा होगा। मुख्यमंत्री विधानसभा का लीडर होता है। अगर विधानसभा का लीडर ही जेल में बैठा रहे तो विधायी कार्य भला कैसे संपन्न होंगे? केजरीवाल की गिरफ्तारी से संकट सिर्फ दिल्ली सरकार पर ही नहीं बल्कि समूची आम आदमी पार्टी पर आ गया है। लोकसभा चुनावों की घोषणा हो चुकी है और अरविन्द केजरीवाल इंडिया एलायंस का हिस्सा बन चुके थे। दिल्ली में उन्होंने उसी कांग्रेस के साथ चुनावी तालमेल भी कर लिया था जिसके खिलाफ आंदोलन से उनकी पार्टी का जन्म हुआ था। आज भले ही कांग्रेसी नेता केजरीवाल के समर्थन में बयान दे रहे हैं लेकिन इस गिरफ्तारी का सबसे अधिक लाभ कांग्रेस ही उठाने की कोशिश करेगी। अंदर रहें या बाहर... केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद पत?नी सुनीता का पहला बयान, दिल?ली वालों से कही ये बात कांग्रेस के लिए दिल्ली में केजरीवाल वो बाधा थे जिसके दूर हो जाने पर उनके लिए मैदान साफ हो जाता है। अरविन्द केजरीवाल विहीन आम आदमी पार्टी का आम चुनाव में कुछ खास हासिल करना मुश्किल ही है। अब अगर आम आदमी पार्टी आम चुनाव से दूर होती है तो बहुत संभावना है कि दिल्ली की सभी सातों सीटों पर कांग्रेस अपना उम्मीदवार उतारकर अपनी खोई जमीन वापस पाने का प्रयास करे। कांग्रेस का यही प्रयास पंजाब में भी होगा। जो आम आदमी पार्टी के नेता या कार्यकर्ता हैं उनका वैसा मजबूत सांगठनिक ढांचा नहीं है कि नेता के कुछ महीने दूर होने पर भी वो पार्टी को चला लें। मनीष सिसोदिया अगर बाहर होते तो शायद एक संभावना बचती लेकिन वो पहले से ही अंदर हैं। ऐसे में चआपज के 'आम आदमी' अगर कहीं और ठौर तलाशने निकल जाएं तो भी कोई आश्चर्य नहीं होगा। याद रखिए जनता दल बिखरा था तो उसमें से छोटे छोटे दल निकले थे। आम आदमी पार्टी बिखरी तो उसमें सिर्फ आदमी निकलेंगे जो अपनी सुविधानुसार कहीं और अपना ठिकाना तलाश लेंगे। फिलहाल जिस तरह से पहले हाईकोर्ट ने ईडी की जांच पर रोक लगाने से इंकार किया और अब खुद केजरीवाल के वकीलों ने सुप्रीम कोर्ट से अपनी जमानत याचिका वापस ले लिया है, उससे इतना तो तय है कि यह गिरफ्तारी प्रकरण लंबा खिंचेगा। इसलिए अरविन्द केजरीवाल की गिरफ्तारी का देश समाज पर कोई असर हो न हो, आम आदमी पार्टी के अस्तित्व पर बहुत गहरा असर होनेवाला है। यह भी संभव है कि जब यह राजनीतिक बवंडर खत्म हो तब पता चले कि जो अंधड़ आया था वह अपने साथ उस पार्टी को ही उड़ाकर ले गया जो संयोग से एक दशक पहले आंदोलन की आंधी से ही पैदा हुई थी। (इस लेख में लेखक ने अपने निजी विचार व्यक्त किए हैं।

वनों का विनाश रोकने के लिए सार्थक पहल करने की सख्त जरूरत

विजय गर्ग

परिस्थितिकी संतुलन बनाए रखने में मनुष्यों और जीव-जंतुओं के अलावा वृक्षों तथा वनों का भी बेहद महत्त्वपूर्ण योगदान होता है। दरअसल, वन जीव-जंतुओं की अनेक प्रजातियों का प्राकृतिक आवास स्थान होने के साथ-साथ भोजन का माध्यम भी हैं। पृथ्वी पर जीवन के लिए सबसे जरूरी तत्त्व है आक्सीजन, धरती पर वन ही हैं, जो बड़ी मात्रा में वातावरण से कार्बन डाई आक्साइड सोखकर उसे आक्सीजन में बदलते हैं। वन वर्षा कराने, तापमान को नियंत्रित रखने, मृदा के कटाव को रोकने तथा जैव-विविधता को संरक्षित करने में सहायक होते हैं और सही मायनों में पृथ्वी पर पाई जाने वाली जैव विविधता वनों के कारण ही है। पृथ्वी के तापमान को नियंत्रित रखने में वनों की अहम भूमिका होती है। हालांकि दुनिया भर में वनों की अंधाधुंध कटाई के कारण अब पृथ्वी पर वन और उनमें रहने वाले जीव-जंतुओं के आवास स्थल काफी सिमट गए हैं। हर वर्ष लगने वाली आग के कारण लाखों हेक्टेयर जंगल तथा जीव-जंतुओं की अनेक प्रजातियां नष्ट हो जाती हैं। संयुक्त राष्ट्र की एक रपट के मुताबिक पिछले तीन दशक में विश्वभर में करीब एक अरब एकड़ वन क्षेत्र नष्ट हो गए हैं। कुछ दशक पहले तक जहां पृथ्वी का करीब पचास फीसद भू-भाग वनों से आच्छादित था, अब यह महज तीस फीसद रह गया है। अगर इसी रफ्तार से वनों का सफाया होता रहा, तो इसमें और कमी आएगी। पर्यावरण विशेषज्ञों के अनुसार वनों की संख्या घटते जाने का सीधा असर जैव विविधता पर पड़ेगा। इससे आने वाले समय में जहां जल चक्र, मृदा संरक्षण और जैव मंडल पर गहरा प्रभाव पड़ेगा, वहीं जीव- जंतुओं के आवास पर भी संकट आएगा और अनियमित मौसम से भयंकर दुष्प्रभाव सामने आएंगे। जंगलों की अंधाधुंध कटाई के कारण ही अब पृथ्वी पर ग्लोबल वार्मिंग के साथ-साथ प्राकृतिक आपदा की तीव्रता लगातार बढ़ रही है। वन पृथ्वी के फेफड़ों की भांति कार्य करते हैं, जो वातावरण से सल्फर डाईआक्साइड, नाइट्रोजन आक्साइड, अमोनिया, ओजोन आदि प्रदूषक गैसों को अपने अंदर समाहित कर वातावरण में प्राणवायु छोड़ते हैं। यही कारण है कि वैश्विक स्तर पर लोगों को वनों के महत्त्व के प्रति जागरूक करने, इनके संरक्षण के लिए समाज का योगदान हासिल करने और वृक्षारोपण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष अंतरराष्ट्रीय वन दिवस या विश्व वानिकी दिवस मनाया जाता है। इसके लिए प्रतिवर्ष संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा एक विषय-वस्तु निर्धारित की जाती है, जिसे जंगलों पर सहयोगात्मक भागीदारी द्वारा चुना जाता है। इस वर्ष इसकी विषय-वस्तु वन और नवाचारज निर्धारित की गई है।

कांग्रेस कमजोर, लेकिन इंडी एलायंस ने हिम्मत नहीं हारी

इंडी एलायंस की तरफ से कोई यह दावा नहीं कर रहा कि भाजपा को सौ से कम सीटों पर निपटा देंगे। जब कभी अखिलेश यादव ने यह कहने की हिम्मत दिखाई, तो वह खुद भी अपने बयान पर हंसते हुए दिखाई दिए। ओपिनियन पोल भी भाजपा और मोदी की हवा बता रहे हैं। इस हवा का कोई एक कारण नहीं है, बल्कि कई कारण हैं, जिनमें सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण श्रीराम जन्मभूमि मन्दिर का बनना और जम्मू कश्मीर से 370 का हटना है। मोदी का 2014 वाला फेक्टर भी काम कर रहा है।

(अजय सेठिया)

एनडीए का नारा 400 पार का है, और हवा भी ऐसी बनाई जा रही है। कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल पहले की तरह अब कोई बड़ा दावा नहीं कर रहे, लेकिन वे भाजपा के 370 और 400 के दावे पर सवाल उठा रहे हैं। रक्षात्मक मुद्रा में आने की यह शुरुआत भर है। इंडी एलायंस की तरफ से कोई यह दावा नहीं कर रहा कि भाजपा को सौ से कम सीटों पर निपटा देंगे। जब कभी अखिलेश यादव ने यह कहने की हिम्मत दिखाई, तो वह खुद भी अपने बयान पर हंसते हुए दिखाई दिए। ओपिनियन पोल भी भाजपा और मोदी की हवा बता रहे हैं। इस हवा का कोई एक कारण नहीं है, बल्कि कई कारण हैं, जिनमें सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण श्रीराम जन्मभूमि मन्दिर का बनना और जम्मू कश्मीर से 370 का हटना है। मोदी का 2014 वाला फेक्टर भी काम कर रहा है। 2014 का चुनाव मोदी ने गुजरात के विकास माडल और हिन्दू एजेंडे पर लड़कर ही जीता था। इस बार भी इन दोनों एजेंडों का मिश्रण है। मोदी सरकार ने केंद्र सरकार की योजनाओं के लाभार्थियों के साथ साथ बिचौलियों को खत्म करके डायरेक्ट बेनीफिट पाने वालों का समर्थक वर्ग अपने साथ जोड़ लिया है।जिनमें महिला लाभार्थियों की संख्या बहुत ज्यादा है। इसके अलावा छह लाख नए वोटर, जिनमें युवक युवतियों का बड़ा वर्ग है, जो मोदी के नेतृत्व में भारत को नए उभरते स्वरूप में देख रहा है। हालांकि कोई भी ओपिनियन पोल एनडीए को 400 के पार या 400 को टच करता हुआ नहीं दिखा रहा, लेकिन लगभग सभी ओपिनियन पोल मौजूदा 351 सीटों के आसपास तो बता ही रहे हैं। पिछले दिनों सड़क परिवहन मंत्री और भाजपा के पूर्व अध्यक्ष नीतिन गडकरी ने भी कहा कि भाजपा की अपनी सीटें 15-20 ज्यादा ही आएंगी, इसका मतलब है कि भाजपा के भीतर भी सोच कम से कम यथास्थिति बनाए रखने की तो है ही, लेकिन ऐसा नहीं है कि टीवी चैनलों के ओपिनियन पोल देख कर कांग्रेस और इंडी एलायंस के क्षेत्रीय दल अपना मनोबल खो चुके हैं। हालांकि 21 मार्च को सोनिया गांधी, राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे ने एक साथ प्रेस कांफ्रेंस की, जिसमें तीनों ने कहा कि उनके पास चुनाव लड़ने के लिए पैसे ही नहीं है, मोदी सरकार ने उनके बैंक खाते सील कर दिए हैं। राहुल गांधी ने तो यहाँ तक कहा कि कांग्रेस के नेता चुनावों में प्रचार करने के लिए हवाई जहाज का इस्तेमाल तो दूर ट्रेन पर भी यात्राएं नहीं कर सकेंगे, क्योंकि कांग्रेस के पास ट्रेन का टिकट खरीदने के पैसे भी नहीं है। अगले ही दिन दिल्ली हाईकोर्ट ने इस मुद्दे पर दायर कांग्रेस की याचिका अस्वीकार कर दी, क्योंकि कांग्रेस ने अपने आयकर रिटर्न में 520 करोड़ पर टेक्स नहीं दिया था, अलबत्ता 520 करोड़ रूपए का कांग्रेस के पास हिसाब किताब ही नहीं है कि वह पैसा कहाँ से आया था। कांग्रेस के प्रवक्ता और वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी की यह दलील ही कांग्रेस को कटघरे में खड़ा कर गई कि आयकर विभाग को पांच साल पुराने रिटर्न को खोलने का अधिकार नहीं है। तर्क यह कि कांग्रेस ने पांच साल पहले आयकर की चोरी की, तो उसे आयकर विभाग भूल जाए। कांग्रेस ने मोदी सरकार पर हमला करने के लिए हाई प्रोफाईल प्रेस कांफ्रेंस बुलाई थी। वह इस मुद्दे को राजनीतिक हथियार के तौर पर इस्तेमाल करके जनता की सहानुभूति हासिल करने की कोशिश करती तो ठीक रहता, लेकिन वह आयकर विभाग से लड़ने हाईकोर्ट चली गई, जहां वह खुद दागी ठहरा दी गई। कांग्रेस की हाईप्रोफाईल प्रेस कांफ्रेंस से उसका मनोबल गिरा हुआ दिखाई दिया था। कांग्रेस को वैसे भी मौजूदा 55 सीटों से ज्यादा की उम्मीद कम ही है। वह यथास्थिति बनाए रखने के लिए भागदौड़ कर रही है, लेकिन इंडी एलायंस के क्षेत्रीय दलों ने हिम्मत नहीं हारी है। वे छह राज्यों के भरोसे बहुमत के करीब पहुंचने की उम्मीद बनाए हुए हैं। वे छह राज्य हैं, तमिलनाडु, केरल, महाराष्ट्र, कर्नाटक, बिहार और उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु में इंडी एलायंस का अनुमान उनतालीस की उनतालीस सीटें जीतने का है, इसी तरह केरल में भले ही कांग्रेस और कम्युनिस्ट आमने सामने लड़ रहे हैं, लेकिन वे दोनों इंडी एलायंस का हिस्सा है। उन दोनों का सभी 20 सीटें जीतने का अनुमान है। इन दो राज्यों के बाद इंडी गठबंधन की सबसे ज्यादा उम्मीद महाराष्ट्र और कर्नाटक से है। महाराष्ट्र से इंडी एलायंस 48 सीटों में से 35 जीतने का अनुमान लगा कर चल रहा है। हालांकि कांग्रेस पिछली बार एक और एनसीपी चार सीटें जीती थीं, एक निर्दलीय जीता था। बाकी सारी 42 सीटें एनडीए जीता था, जिसमें से भाजपा 24 और शिवसेना 18 सीटें जीती थीं। शिवसेना और एनसीपी का तीन चौथाई से ज्यादा हिस्सा टूट कर एनडीए में आ चुका है। बची खुची 25 फीसदी शिवसेना, 25 फीसदी एनसीपी और बेहद कमजोर बची खुची महाराष्ट्र की कांग्रेस के भरोसे इंडी एलायंस कैसे एनडीए को मात दे देगा, यह समझ से बाहर है। तमिलनाडु और केरल का आकलन फिर भी सही हो सकता है, लेकिन महाराष्ट्र के आकलन पर कोई सहमत नहीं हो सकता। इसके बाद कर्नाटक आता है, जहां भाजपा पिछली बार 28 में से 25 सीटें जीती थी। विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के पक्ष में मुस्लिम दलित का गठबंधन बना था। उसके चलते वहां कम से कम आधी सीटों पर कांटेदार टक्कर की संभावना बनती है, लेकिन विधानसभा चुनावों की लोकसभा चुनावों से कभी तुलना नहीं की जा सकती। विधानसभा चुनावों के नतीजों की नजर से कांग्रेस यह मान कर चल रही है कि वह 28 में से 15 सीटें निकाल लेगी। जो वास्तविकता से काफी दूर लगता है, वह पिछली बार सिर्फ एक सीट जीती थी, इस बार उसकी अपनी सरकार के चलते और मुस्लिम दलित गठबंधन के चलते वह अपनी सीटों में बढ़ोतरी जरुर कर सकती है, लेकिन इतनी भी नहीं जितनी खाम ख्याली है। इसके बाद आता है बिहार और यूपी इन दोनों ही राज्यों में इंडी एलायंस के आकलन का आंकड़ा चौंकाने वाला है। अगर इंडी एलायंस अपने आकलन का आधा भी जमीन पर उतार पाया, यानी इन दोनों राज्यों में जितनी सीटें वे सोच कर चल रहे हैं, उनमें से आधी भी जीत जाएं, तो मोदी को बहुमत के लाले पड़ जाएंगे। बिहार और यूपी दोनों ही राज्यों में इंडी एलायंस का आंकड़ा 27-27 सीटें जीतने का है। बिहार में लगभग वही गठबंधन है, जो पिछली बार था, पिछली बार एनडीए 40 में से 39 सीटें जीता था। कांग्रेस एक और आरजेडी एक भी सीट नहीं जीती थी। बिहार में अभी हर रोज दलबदल हो रहा है, उम्मीदवार भी बदले जा रहे हैं, इसलिए जातीय समीकरणों को देखते हुए लड़ाई तो कांटेदार हो सकती है, लेकिन जातीय समीकरणों में एनडीए मजबूत स्थिति में है। 2019 में उत्तर प्रदेश में सपा बसपा गठबंधन 80 में से 15 सीटें जीता था और कांग्रेस एक सीट जीती थी। इस बार सपा कांग्रेस का गठबंधन है, बसपा गठबंधन में शामिल नहीं है। इसलिए यूपी में तो इंडी एलायंस की सीटें बढ़ने की बजाए घटनी चाहिए, क्योंकि कांग्रेस से ज्यादा तो बसपा मजबूत थी, फिर भी गठबंधन सिर्फ 15 सीटें जीता था। पंजाब और बंगाल में इंडी एलायंस के घटक दल मिलकर चुनाव नहीं लड़ रहे, लेकिन इंडी एलायंस को पंजाब में 13 में से 12 सीटें जीतने का अनुमान है, इनमें से कुछ सीटें आम आदमी पार्टी और कुछ कांग्रेस की मान रहे हैं। केजरीवाल पहले से मान कर चल रहे थे कि आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के मुकाबले में भाजपा और अकाली दल तीसरे और चौथे नंबर पर चले जाएंगे, लेकिन केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद पंजाब और दिल्ली की राजनीति में बहुत बड़ा बदलाव आएगा।

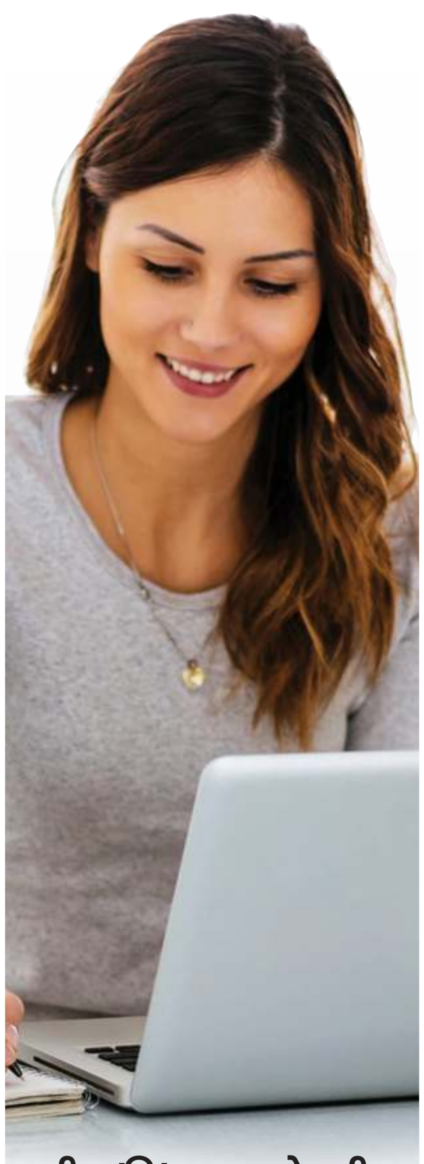

फ्रीलांसिंग करने की सोच रहे हैं तो इन बातों पर करें गौर

काम-काज की स्वतंत्रता और अच्छी कमाई के चलते आजकल बहुत से लोग अलग-अलग फील्ड्स में फ्रीलांसिंग को रोजगार के विकल्प में अपनाने लगे हैं। फ्रीलांसिंग शुरू करना बहुत आसान फैसला नहीं है। इसमें कई सारी बातें आपको ध्यान में रखनी होती है जो कि आपके स्वतंत्र करियर को बना या बिगाड़ सकती है। यहां सबसे बड़ी चुनौती मार्केट में खुद को स्थापित करना होता है। स्थापित होने में, क्लाइंट्स को आकर्षित करने में समय भी लगता ही है। अगर आप जॉब छोड़कर फ्रीलांसिंग करने की सोच रहे हैं, तो आपको कुछ बातों पर गौर करना जरूरी है। इसके लिए सबसे अच्छा तरीका है खुद का एनालाइज करना। अगर आपके मन में भी फ्रीलांसिंग की इच्छा है तो पहले इन पांच सवालों के बारे में सोच लें।

- स्वतंत्र करियर बनाने की मात्र इच्छा है या आपके अंदर इसे लेकर पैशन है
- आपको क्यों लगता है कि कंपनी के पेरोल से बेहतर आप कर सकते हैं ?
- आपके पास क्या सर्विसेस हैं और किसके लिए हैं?
- आपको कैसे इस बात में यकीन है कि आप यह कर पाएंगे ?
- कोई भी नई शुरुआत धीरे-धीरे जोर पकड़ती है, क्या आपके पास तब तक सर्वाइव करने के लिए बैकअप अरेंजमेंट है?

इन पांचों सवालों के ईमानदारी से जवाब देकर आप कोई बड़ा कदम उठाने से पहले आश्वस्त हो सकते हैं। अनिश्चित आय-नौकरी से स्वतंत्र काम शुरू करने पर शुरुआत में कुछ मुश्किल हो सकती हैं। नौकरी की तरह आपकी आय निश्चित नहीं होगी। इसलिए यह जरूरी है कि पहले आप अच्छे से मनन-चिंतन कर आगे कदम बढ़ाएं ताकि आपको पीछे मुड़कर नहीं देखना पड़े।

बाजार में कई नए उत्पाद आते ही लोगों के दिलो-दिमाग पर छा जाते हैं। कई ब्रांड्स के तो स्लोगन भी आपको याद होंगे। दरअसल, इस सबके पीछे प्रोडक्ट मैनेजमेंट की बड़ी भूमिका है।

प्रोडक्ट मैनेजमेंट के क्षेत्र में बनाएं करियर

गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई इसी फील्ड से निकलकर आज एक बड़ा नाम बन चुके हैं। बतौर प्रोडक्ट मैनेजर ऐसे लोग उपभोक्ता का मूड बहुत अच्छी तरह समझते हैं। उनमें प्रोडक्ट की ब्रांडिंग स्किल कमाल की होती है। यूं कहें कि इनकी देखरेख में ही नए-नए प्रोडक्ट बनते और लॉन्च होते हैं। यही वजह है कि कंपनियों के ब्रांड डेवलपमेंट विंग में इन दिनों यह जॉब इन डिमांड है।

करियर स्कोप

ग्रेजुएट मैनेजमेंट एडमिशन काउंसिल (जीएमएसी) के वार्षिक सर्वे के मुताबिक विश्व भर के करीब 96 प्रतिशत नियोक्ताओं का भरोसा सिर्फ एमबीए ग्रेजुएट्स पर है। इनका मानना है कि ऐसे प्रोफेशनल्स की वजह से ही उनकी कंपनियों को सही वैल्यू मिलती है। करियर विशेषज्ञों का मानना है कि स्टार्ट-अप सेक्टर में आए बूम और मेक इन इंडिया जैसे अभियानों की वजह से आने वाले दिनों में एंटरप्रेन्योर्स की तादाद और ज्यादा बढ़ेगी। इससे कंज्यूमर कंपनीज के मैन्युफैक्चरिंग और प्रोडक्शन सेक्शन में प्रोडक्ट मैनेजमेंट के प्रोफेशनल्स की अच्छी डिमांड पैदा होगी और यह हो भी रही है।

क्या है काम?

प्रोडक्ट मैनेजमेंट मुख्य रूप से प्रोडक्शन और ब्रांडिंग से जुड़ी फील्ड है। यह मैनेजमेंट की ही एक शाखा है। इसके अंतर्गत किसी भी नए प्रोडक्ट के आइडिएशन और प्लानिंग से लेकर मैन्युफैक्चरिंग, प्राइसिंग, पैकेजिंग, सेल्स एक्टिविटी और ब्रांडिंग जैसी तमाम प्रक्रियाएं शामिल हैं। कंपनी में प्रोडक्ट मैनेजर आम तौर पर दो तरह की जिम्मेदारियां निभाते हैं। पहला, कंपनी के प्रोडक्ट या सर्विस को बाजार में बनाए रखना और दूसरा, नए प्रोडक्ट या सर्विसेज विकसित करना। ऐसे प्रोफेशनल्स को कंज्यूमर रिसर्च और मार्केट रिसर्च की भी अच्छी समझ होती है। ब्रांडिंग वर्क इस पेशे का सिर्फ एक हिस्सा भर है। कंपनियों में प्रोडक्ट मैनेजर की हैसियत मिनी सीईओ जैसी होती है।

पर्सनल स्किल

कंपनियों में यह एक जिम्मेदारी भरा पद है। आइडिएशन और प्लानिंग इनके करियर का अहम हिस्सा होते हैं। इसलिए उम्मीदवारों को क्रिएटिव और इनोवेटिव सोच का होना जरूरी है। वे मैथ्स और फाइनेंस की अच्छी स्किल रखते हों। इंफॉर्मेशन फिल्टरिंग के लिए एनालिटिकल एबिलिटी होनी चाहिए। टीमवर्क, लीडरशिप, कम्युनिकेशन स्किल और मार्केट ट्रेंड की समझ भी जरूरी है।

प्रमुख संस्थान

- आईआईटी, दिल्ली
- इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट एंड एडमिनिस्ट्रेशन, मुंबई/ चेन्नई/ हैदराबाद
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग, मुंबई
- अन्ना यूनिवर्सिटी, चेन्नई

आकर्षक ग्रोथ

प्रोडक्ट मैनेजमेंट भले ही नए दौर की जॉब है लेकिन यहां ग्रोथ बहुत है। पे-स्केल सर्वे के अनुसार, करीब 58 प्रतिशत प्रोडक्ट मैनेजमेंट प्रोफेशनल्स को 10 साल के करियर में तीन से चार प्रमोशन आसानी से मिल जाते हैं। इस फील्ड की नियोक्ता कंपनियां एमबीए या बीटेक के बाद हायरिंग में कंसल्टिंग, फाइनेंस या अकाउंटिंग के ग्रेजुएट्स को ज्यादा तरजीह देती हैं। मार्केटिंग ग्रेजुएट और बीबीए उम्मीदवार भी मार्केटिंग असिस्टेंट या एसोसिएट ब्रांड मैनेजर के तौर पर यहां जॉब पा सकते हैं।

जॉब के अवसर

अगर इस फील्ड में जॉब की बात करें, तो आईटी व आईटीईएस कंपनी, ऑटोमोबाइल कंपनी, कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी, मोबाइल, फार्मास्युटिकल, हेल्थकेयर, फूड एंड पर्सनल केयर जैसी कंपनियों में जॉब की तलाश की जा सकती है। एचआर एक्सपर्ट्स की मानें, तो 2016 में मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में करीब 6 लाख हायरिंग होने की उम्मीद है।

कौन-से कोर्स?

देश में कई सरकारी और निजी संस्थान प्रोडक्ट मैनजमेंट से संबंधित कोर्स ऑफर कर रहे हैं। ये कोर्स एमबीए के अलावा, डिप्लोमा और पीजी डिप्लोमा के रूप में भी उपलब्ध हैं, जैसे पीजी डिप्लोमा इन प्रोडक्शन मैनेजमेंट, पीजी डिप्लोमा इन प्रोडक्शन एंड ऑपरेशंस मैनेजमेंट, पीजी डिप्लोमा इन प्रोडक्शन एंड मटेरियल मैनेजमेंट आदि। कई आईटी संस्थानों में प्रोडक्शन एंड इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग के रूप में भी ये कोर्स संचालित हो रहे हैं। अगर आप प्रोडक्ट मैनेजमेंट या ब्रांड मैनेजमेंट में एमबीए करना चाहते हैं, तो ग्रेजुएशन के बाद कर सकते हैं। पीजी डिप्लोमा के लिए ग्रेजुएशन जरूरी है।

सैलरी पैकेज

प्रोडक्ट मैनेजमेंट एक हाई पेइंग फील्ड है। एंट्री लेवल पर असिस्टेंट मैनेजर जैसे पदों के लिए 30 हजार से 40 हजार रुपए की सैलरी प्रति माह आसानी से मिल जाती है। कुछ वर्षों के अनुभव के बाद बतौर प्रोडक्ट मैनेजर इनकी सैलरी 1 लाख रुपए से भी ज्यादा हो जाती है। डिप्लोमाधारी प्रोफेशनल्स को भी इस फील्ड में शुरुआती दौर में 15 से 20 हजार रुपए प्रति माह मिल जाते हैं।

बेहतरीन करियर विकल्प के रूप में उभर रहा है ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट

नए करियर की तलाश कर रहे युवाओं के लिए ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट एक बेहतरीन करियर विकल्प के रूप में उभर रहा है। खासकर वर्तमान प्रतिस्पर्धी माहौल में अच्छे एम्प्लॉई को हायर करना मुश्किल काम हो गया है, लेकिन एचआर की जिम्मेदारी होती है कि वे ऐसे लोगों को हायर करें, जो कंपनी या ऑर्गनाइजेशन के मिशन को पूरा करने में सहायक हों। साथ ही, ट्रेनिंग, सैलरी आदि को हैंडल करना भी इन्हीं के जिम्मे होता है। यही कारण है कि इन दिनों एचआर की जरूरत करीब-करीब हर इंडस्ट्री में है।

आमतौर पर देश के प्रमुख बिजनेस स्कूल ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट में पोस्ट ग्रेजुएट कोर्स ऑफर करते हैं। जैसे-एमबीए इन ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट, मास्टर ऑफ ह्यूमन रिसोर्स एंड ऑर्गनाइजेशनल डेवलपमेंट, पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट, पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन ह्यूमन रिसोर्स डेवलपमेंट। इन कोर्सों में एडमिशन पाने के लिए जरूरी है कि स्टूडेंट्स किसी मान्यताप्राप्त यूनिवर्सिटी से किसी भी संकाय में स्नातक में कम से कम 50 प्रतिशत अंक के साथ उत्तीर्ण हों। इस कोर्स के लिए चयन प्रवेश परीक्षा के आधार पर होता है। अधिकतर सरकारी संस्थानों में कॉमन एंट्रेंस टेस्ट का आयोजन किया जाता है। प्रवेश परीक्षा में अंग्रेजी, तर्क शक्ति अर्थात रीजनिंग, जनरल साइंस, जनरल नॉलेज आदि से जुड़े सवाल पूछे जाते हैं। लिखित परीक्षा में सफल होने के बाद जीडी और इंटरव्यू में हिस्सा लेना पड़ता है। इस प्रक्रिया के बाद ही एडमिशन हो पाता है।

स्किल्स

ह्यूमन रिसोर्स के फील्ड में सफल होने के लिए फ्रैंडली पर्सनैल्टी का होना जरूरी है। सबसे खास बात यह कि एम्प्लॉई को हैंडल करने, यूनियन आदि से भी निपटने की काबिलियत के साथ-साथ प्रेशर में काम करने का गुण बेहद जरूरी है। एचआर की कम्युनिकेशन स्किल भी उम्दा होनी चाहिए, क्योंकि इनका काम टीम को एक साथ लेकर चलने के अलावा, एम्प्लॉई को मोटीवेट करना भी होता है। एचआर को कंपनी के कायदे-कानून के साथ-साथ नए ट्रेंड की भी जानकारी होनी चाहिए।

रोजगार के अवसर

एचआर के फील्ड में शानदार स्कोप है। चाहे कोई भी इंडस्ट्री हो या फिर बिजनेस, हर जगह इनकी मांग देखी जा रही है। दरअसल, इनका काम वर्क फोर्स को मैनेज करने से जुड़ा होता है। यही वजह है कि प्राइवेट क्षेत्र की कंपनियों के साथ-साथ गवर्नमेंट डिपार्टमेंट में भी इनकी मांग दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है। इन दिनों बड़ी और मल्टीनेशनल कंपनी के साथ-साथ छोटी-छोटी कंपनियों में ह्यूमन रिसोर्स से जुड़े पेशेवर लोगों की नियुक्ति की जा रही है। ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट के क्षेत्र में कॉर्पोरेट हाउस, मल्टीनेशनल कंपनी, एयरलाइंस, फैक्टरी, गवर्नमेंट डिपार्टमेंट आदि में जॉब की तलाश की जा सकती है। ह्यूमन रिसोर्स आउटसोर्सिंग का क्षेत्र भी तेजी से बढ़ रहा है। भारत इस क्षेत्र में हॉट स्पॉट बनकर उभर रहा है। एचआर का कंपनी में एक महत्वपूर्ण स्थान होता है अतः इनकी सैलरी भी काफी अच्छी होती है। ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट का कोर्स पूरा करने के बाद शुरुआत में लोगों को चार से सात लाख रुपये का सालाना सैलरी पैकेज मिलने लगता है।

कला में स्नातक होने के बाद छात्र को सरकारी क्षेत्र में कॅरियर के अपार अवसर मिल सकते हैं। यह बीए के बाद सबसे अच्छे कॅरियर विकल्पों में से एक है जो सुरक्षित क्षेत्रों में से एक है जो आपको कठोर स्थिति में भी स्थिति या पद के साथ स्थायी नौकरी की सुरक्षा प्रदान करता है। यदि कोई छात्र अपना करियर बनाने या जनता के लिए काम करने का इच्छुक है तो छात्रों के लिए सरकारी क्षेत्र में अवसरों की तलाश करने के लिए यह सबसे अच्छा और सबसे रचनात्मक करियर विकल्प है।

कला में स्नातक होने के बाद कॅरियर के अपार अवसर

कला में स्नातक होने के बाद छात्र को सरकारी क्षेत्र में कॅरियर के अपार अवसर मिल सकते हैं। यह बीए के बाद सबसे अच्छे कॅरियर विकल्पों में से एक है जो सुरक्षित क्षेत्रों में से एक है जो आपको कठोर स्थिति में भी स्थिति या पद के साथ स्थायी नौकरी की सुरक्षा प्रदान करता है। कला स्नातक (बीए) में स्नातक की डिग्री प्राप्त करने के बाद हम में से बहुत से लोग यह नहीं जानते हैं कि अपनी मूल डिग्री के संकलन के बाद उन्हें किस कैरियर का अनुसरण करना चाहिए। क्या वे उच्च ऑनलाइन शिक्षा के लिए जाएंगे या प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करेंगे या उन्हें कॉर्पोरेट जगत में कदम रखना चाहिए? तो आईये जानते है कि बीए करने बाद आपके लिए करियर विकल्प क्या हो सकते हैं।

बीए के बाद करियर

करियर के अवसरों की एक विस्तृत श्रृंखला ने बीए क्षेत्र में रखा है जो पहले प्रौद्योगिकी में एक सर्वश्रेष्ठ और चयनात्मक करियर रहा है और जो आपके संपूर्ण व्यक्तित्व को विकसित करने के साथ-साथ डिजाइनिंग, पत्रकारिता, मीडिया, सामग्री निर्माण या इससे भी अधिक रचनात्मक कार्य प्रोफ़ाइल जहां कला स्नातक में स्नातक छात्र ने एक स्थान हासिल किया है। कला स्नातक तीन साल की बुनियादी डिग्री होती है जो कला से संबंधित विषयों जैसे उदार कला, सामाजिक विज्ञान, मानविकी, आदि के सामान्य अध्ययन के साथ होती है। बीए की डिग्री में साहित्य, मनोविज्ञान, दर्शन, संचार, अंग्रेजी, राजनीति विज्ञान, इतिहास, भूगोल, संस्कृत, और अन्य कला जैसे विषय शामिल होते हैं। छात्र अपनी रुचि और करियर के लक्ष्यों के अनुसार डिग्री विषय का विकल्प चुन सकते हैं। बीए में अवसर प्रतिस्पर्धी दुनिया में अवसरों की एक श्रृंखला है जिसे आप कला में स्नातक पूरा करने के बाद खोज सकते हैं।

मीडिया, पत्रकारिता और जनसंचार

पत्रकारिता और जनसंचार लोकप्रिय क्षेत्रों में से एक है जिसने डिजिटल दुनिया के वर्तमान समय में काफी लोकप्रियता हासिल की है। पत्रकारिता एक विशाल क्षेत्र है जिसमें बड़े समाचार चैनलों के साथ सामग्री लिखने, पत्रिकाओं के लिए फीचर या यहां तक कि कैमरे के सामने और कैमरे के पीछे एंकर के साथ काम करना शामिल है। मीडिया उन बहुतायत क्षेत्रों में से एक है जिसमें एक छात्र काम कर सकता है। पत्रकारिता कार्यक्रमों में बीए पूरा करने के बाद छात्र संचार में परास्नातक कर सकते हैं या एक निश्चित मीडिया विशेषज्ञता जैसे लेखन, टीवी पत्रकारिता, पटकथा लेखन, फिल्म निर्माण, कॉर्पोरेट संचार, आदि में पीजी डिप्लोमा के लिए जा सकते हैं।

डिजिटल मार्केटिंग

यह सबसे महत्वपूर्ण और सबसे अधिक मांग वाला कोर्स है जिसे आज के युवाओं द्वारा डिजिटल दुनिया में अपना करियर बनाने के लिए चुना जाता है। डिजिटल मार्केटिंग उन छात्रों के लिए सबसे अच्छा विकल्प है जो ई-कॉमर्स पोर्टल पर अपना स्टार्टअप, व्यवसाय या उद्यम, वेबसाइट, उत्पाद खोलना चाहते हैं। ऑनलाइन व्यवसाय तेजी से बढ़ रहे हैं, लगभग अरबों से अधिक लोग माल और सेवाओं के लिए ई-कॉमर्स पोर्टल का उपयोग कर रहे हैं, इसलिए यह उनके डिजिटल-आधारित व्यवसाय को खोलने के लिए एक विशाल और आकर्षक क्षेत्र है। डिजिटल मार्केटिंग में नौकरी के अवसर-

- डिजिटल मार्केटिंग मैनेजर
- सर्च इंजन ऑप्टिमाइज़र
- सोशल मीडिया मार्केटर
- सामग्री विपणक
- ईमेल मार्केटर
- डेटा विश्लेषक

डेटा साइंटिस्ट

एक गलत धारणा है कि साइंस स्ट्रीम का छात्र केवल डेटा साइंटिस्ट बनने के योग्य होता है। कला में स्नातक रखने वाला छात्र अपने संबंधित क्षेत्रों या क्षेत्र में डेटा विज्ञान की दुनिया में कदम रख सकता है। डेटा साइंस संरचित या असंरचित डेटा से अंतर्दृष्टि निकालने के लिए वैज्ञानिक तरीकों के माध्यम से सिस्टम, एल्गोरिदम का उपयोग करके डेटा को छोटा या एकत्र करने का क्षेत्र है। यदि किसी छात्र की कंप्यूटर, सॉफ्टवेयर विकास, तकनीकी क्षेत्र में गहरी रुचि है तो वह इस विकल्प का चुनाव कर सकता है।

रिम्स से फरार हिस्ट्रीशीटर आदित्यपुर में धराया, मुरारी सिंह की करने वाला था हत्या

पूसू प्रतिनिधि, सरायकेला। सरायकेला-खरसावां जिला के आरआईटी थाना पुलिस ने रवि शर्मा हत्याकांड मामले के आरोपी रहे मुरारी सिंह की हत्या की योजना बनाते दो हिस्ट्रीशीटर अपराध कर्मियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

पुलिस की गिरफ्त में आए अपराध कर्मियों का नाम राजा सिंह उर्फ राजू पगला और प्रकाश गोप उर्फ छोटू गोप बताया जाता है। पुलिस ने दोनों के पास से एक लोडेड देशी कट्टा और दो जिंदा गोली बरामद किया है। इस संबंध में जानकारी देते हुए एसपी मनीष टोप्पो ने बताया कि उन्हें गुप्त सूचना मिली थी कि रिम्स में इलाजरत अपराधकर्मी राजा सिंह बीते 24 मार्च को फरार हो गया है, जो किसी बड़ी घटना को अंजाम देने के उद्देश्य से आरआईटी थाना क्षेत्र में भ्रमणशील है।

सूचना मिलते ही एसपी ने एसडीपीओ के नेतृत्व में एक एसआईटी का गठन किया। एसआईटी ने आरआईटी थाना क्षेत्र में सघन छापेमारी अभियान शुरू किया। इसके लिए कुछ गुप्तचर भी लगाए गए। गुप्तचरो ने सूचना दिया कि उपरोक्त अपराधी अपने एक अन्य साथी के साथ कुलुपटंगा स्थित मुन्ना शर्मा के ईंट भट्ठा खरकाई नदी के किनारे बैठकर किसी बड़ी घटना को अंजाम देने की योजना बना रहे हैं। सूचना के आलोक में एसआईटी टीम द्वारा छापेमारी कर राजा सिंह एवं प्रकाश गोप को अवैध लोडेड देशी कट्टा एवं गोली के साथ गिरफ्तार किया गया। पूछताछ करने पर दोनों ने बताया की आरआईटी ट्रांसपोर्ट कॉलोनी के रहने वाले मुरारी सिंह की हत्या करने की योजना बना रहे थे।

बता दें कि आदित्यपुर के चर्चित रवि शर्मा हत्याकांड में मुरारी सिंह अभियुक्त रहा है। मामले में फिलहाल वह जमानत पर है। दोनों अपराधी पूर्व में मुरारी के साथ ही रहते थे, मगर अब दोनों के रास्ते अलग-अलग है। एसपी ने बताया कि अपराधी राजा सिंह उर्फ राजू पगला के खिलाफ जमशेदपुर, सरायकेला और रांची के बरियातू सहित अन्य स्थानों में कई मामले दर्ज हैं, जबकि प्रकाश गोप उर्फ छोटू गोप के खिलाफ आरआईटी में आर्म्स एक्ट सहित अन्य मामले दर्ज है।

पेड़ से टकराया मोटरसाइकिल सवार, दो गंभीर, एक की हुई मौत

पूसू प्रतिनिधि, घाटशिला। गालूडीह थाना क्षेत्र के गुडरूवासा नरसिंहपुर रोड में एक मोटरसाइकिल पेड़ से टकराने से तीन युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। तीनों घायल युवको को स्थानीय लोगों ने 108 एंबुलेंस में से अनुमंडल भेजवाया। तीनों युवक जोड़सा पंचायत के बड़बिल गांव रहने वाले बताए जा रहे हैं। तीनों को गंभीर चोट लगी है, जिसमें महेश भकत को बायां आंख बाहर निकल आया है जिसे चिकित्सकों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। वहीं दूसरा श्रवण भकत पूरी तरह से बेहोशी कि हालत में है और तीसरा युवक टुटुन भकत को हल्की चोट आई है।

घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार तीनों युवक केशरपुर से एक ही बाइक पर सवार होकर जा रहे थे। बाइक की तेज रफ्तार होने के कारण बाइक संभाल नहीं सका जिससे बाइक पेड़ से जा टकराई, जिसमें तीनों बुरी तरह घायल हो गए, जिसमें एक की अस्पताल ले जाने के क्रम में ही मौत हो गई, बाकी दो का इलाज जारी है।

संक्षिप्त खबरें

पेट्रोल टैंकर के चपेट में आने से 55 वर्षीय वृद्ध हुआ घायल

पूसू प्रतिनिधि, जगन्नाथपुर। मंलवार देर रात को जगन्नाथपुर मुख्य चौक पर एक पेट्रोल टैंकर के चपेट में आने से 55 वर्षीय वृद्ध व्यक्ति घायल हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार नोवामुंडी निवासी मोहन दास पान नोवामुंडी से जगन्नाथपुर के उरांवसाइ किसी काम से जा रहे थे। वहीं पेट्रोल टैंकर चाईबासा से जगन्नाथपुर रश्मि पेट्रोल पंप जा रहा था, तभी जगन्नाथपुर मुख्य चौक पहुंचने के क्रम में अनियंत्रित होकर नोवामुंडी से आ रहे मोहन दास पान के दाहिने पैर पर टैंकर का आगे चक्का चढ़ गया, इससे मोहन दास पान का पैर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। इसके बाद वहां मौजूद लोगों ने मोहन दास पान को जगन्नाथपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में लाया गया, जहां डॉक्टर ने उन्हें प्राथमिक उपचार किया। प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए चाईबासा सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। वही टैंकर एवं चालक को जगन्नाथपुर थाने में लाया गया। इस दुर्घटना में मोहन दास पान का दाहिना पैर बुरी तरह फ्रैक्चर हो गया है।

श्री राम लला के दर्शन हेतु 5 रामभक्त अयोध्या के लिए रवाना

पूसू प्रतिनिधि, पोटका। प्रखंड के हल्दीपोखर से भगवान श्री राम लला के दर्शन व पूजन हेतु शौर्य यात्रा समिति के 5 रामभक्त अयोध्या के लिए मंगलवार शाम को पैदल रवाना हुए। इन रामभक्तों को क्षेत्र के पार्षद सूरज मंडल व सैंकड़ों ग्रामीणों ने स्थानीय बजरंगबली मंदिर से जयश्री राम के उदघोष के साथ रवाना किया। इसके पूर्व नगर कीर्तन निकाला गया। इसके पूर्व बजरंगबली का पूजा अर्चना व आरती किया गया। पैदल अयोध्या कूच करने वाले रामभक्तों में राजू गोप,सूरज साहु,प्रिंस नायक, विकास गोप व मुकेश मंडल शामिल हैं। मौके पर रामभक्तों ने कहा कि हिंदू एकता तथा हिंदू राष्ट्र की विचारधारा को मजबूत बनाने के उधेश्य से हमलोग पैदल ही अयोध्या जा रहे हैं। हमलोग एक माह में यात्रा पुरा करने का लक्ष्य तय किया है। रामभक्तों का हाता बजरंगबली मंदिर में भी स्वागत कर आगे रवाना किया गया।

हल्दीपोखर बाजार में चोरों ने एक साथ तीन-तीन दुकानों में की चोरी

पूसू प्रतिनिधि, पोटका। कोवाली थाना क्षेत्र के हल्दीपोखर बाजार में सोमवार की देर रात चोरों ने एक साथ तीन तीन दुकानों का ताला तोड़कर चोरी करने का प्रयास किया, लेकिन चोरी की घटना को अंजाम देने में विफल रहे। अज्ञात चोरों ने हल्दीपोखर प्रधान कंपलेक्स स्थित जेवर दुकान, मोबाइल दुकान एवं एक कपड़ा दुकान के शटर में लगे ताला को तोड़ दिया। एक दो दुकानों के शटर के ताला को भी तोड़ने में सफल हुए लेकिन शटर नहीं खुलने से चोरी की घटना नहीं हुई। पीड़ित दुकानदारों ने मुखिया देवी कुमारी भूमिज को घटना की जानकारी दी। सूचना पाकर मुखिया मौके पर पहुंची एवं उन्होंने कोवाली थाना प्रभारी धनंजय पासवान को सूचित किया। थाना प्रभारी घटना स्थल पर पहुंचे एवं उन्होंने चोरी के प्रयास मामले की जांच शुरू किया। उन्होंने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे को खंगाला। हालांकि सीसीटीवी फुटेज से चोरों का कोई सुराग नहीं मिला। पुलिस ने दुकानदारों को आश्वस्त किया कि रात्रि गश्ती बढ़ाया जाएगा।

लॉउडस्पीकर से परेशान ग्रामीणों ने सिटी मैनेजर से की शिकायत

पूसू प्रतिनिधि, चाकुलिया। चाकुलिया नगर पंचायत क्षेत्र के टाउन हॉल परिसर में आए दिन शादी समारोह या अन्य कार्यक्रम के दौरान देर रात तक लाउडस्पीकर बजाने से टाउन हॉल के आसपास रह रहे ग्रामीणों ने बुधवार को नगर पंचायत के सिटी मैनेजर से मिलकर इसकी लिखित शिकायत की । साथ ही ग्रामीणों ने सिटी मैनेजर से कहा कि टाउन हॉल में आए दिन शादी विवाह समारोह या अन्य कार्यक्रम आयोजित होता है और देर रात तक लाउडस्पीकर बजाने से उन्हें काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। साथ ही बच्चों की पढ़ाई भी बाधित होती है । साथ ही ग्रामीणों ने यह भी कहा कि आसपास कई ऐसे लोग हैं जो दिल के मरीज हैं और देर रात तक लाउडस्पीकर बजने से इसका असर पड़ रहा है।

संकर्मी दिनकर शर्मा एक बार फिर से ब्राह्मण और पुजारी की भूमिक निभाएंगे

पूसू प्रतिनिधि, चक्रधरपुर। दिनकर इन दिनों टीवी सीरियल में काम कर रहे है। अभी तक इन्होंने पंड्या स्टोर, ये है चाहते, कुछ बाते अनकही सी, स्वराज,और कर्माधिकारी शनिदेव जैसे सीरियल मे काम किया है।

और अब बालाजी टेलीफिल्म्स द्वारा निर्मित और सीमारो उमंग टीवी पे रात 9 बजे प्रसारित होने वाले धारावाहिक, चाहेंगे तुम्हे इतना। इस धारावाहिक में ब्राहमण के चरित्र निभा रहे है। तो दूसरी ओर दंगल टीवी मे प्रसारित होने वाले धारावाहिक, कैसा है ये रिश्ता अंजाना। इस धारावाहिक में दुर्गा मंदिर के पुजारी की भूमिका कर रहे है। यह धारावाहिक दंगल टीवी पर शाम के 7से 7-30 तक आता है।

हाथी ने एक व्यक्ति को कुचलकर मार डाला

पूसू प्रतिनिधि, डुमरिया। डुमरिया प्रखंड क्षेत्र के फॉरेस्ट ब्लॉक के मुटकामकोचा में ओडिसा अपने मे मेहमान के घर आए एक व्यक्ति को जंगली हाथी ने कुचल कर मार डाला । हाथी के हमले से गंभीर रूप से घायल व्यक्ति की मौत घटना के चार घंटे बाद घर में ही बुधवार को हो गई। सड़क खराब होने के कारण एंबुलेंस लगभग दो किलोमीटर दूर से ही वापस चला गया। घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार ओड़िशा के झारपोखरिया थाना क्षेत्र के पोखरिया जोटेयाशोल गांव निवासी धिराई मुर्मू अपने रिश्तेदार के घर मुटकामकोचा आया था। जो शौच के लिए तालाब की ओर जा रहा था । उसी क्रम में एक जंगली हाथी ने उसपर हमला कर दिया।आसपास मौजूद लोगों ने हल्ला मचाते हुए हाथी को भगाया। लेकिन हाथी ने धिराई मुर्मू को कुचल कर गंभीर रूप से घायल कर दिया था। ग्रामीणों ने अस्पताल ले जाने के लिए 108 एंबुलेंस दूरभाष से को खबर किया। सड़क अत्यंत खराब होने के कारण एंबुलेंस नहीं पंहुचा पाया और गंभीर रूप से घायल धिराई मुर्मू की मौत हो गई. घटना की सूचना वन विभाग को ग्रामीणों ने दी। उसके बाद वन विभाग की टीम घटनास्थल पंहुची और शव के पोस्टमॉर्टम के लिए भेज कर मृतक के पुत्र को 25 हजार की मुआवजा राशि दी। इस संबंध में वन विभाग के कर्मियों ने बताया कि कुल चार लाख मुआवजा मृतक के परिजनों को दिया जायेगा। वन एवं पर्यावरण सुरक्षा समिति की पुष्पा महतो, रविन्द्र नाथ महतो, थाना प्रभारी पवन कुमार, प्रभारी वनपाल सुनाराम सबर, वन रक्षी अभिलाष महतो भी घटनास्थल पहुंचकर घटना की जानकारी ली।

जुगसलाई पानी समस्या को लेकर सरदार शैलेंद्र सिंह के नेतृत्व में डीसी से मिला प्रतिनिधिमंडल

पूसू प्रतिनिधि, जमशेदपुर। जुगसलाई में उत्पन्न पानी समस्या को लेकर जुगसलाई रेंट पीयर्स कमेटी के अध्यक्ष सरदार शैलेंद्र सिंह के नेतृत्व में उपायुक्त अनन्य मित्तल से उनके कार्यालय में जाकर मिला तथा उन्हें बुकके भेंट कर होली पर्व की बधाई दी साथ ही उन्हें एक ज्ञापन सौंप कर पिछले 15 दिनों से जुगसलाई नगर परिषद के सफ़ीगंज मोहल्ले के 350 घरों को पानी नहीं मिलने की जानकारी दी इसके अलावा जो जुगसलाई की सभी पांच पानी टंकियो में वाटर फ्लोर मीटर नहीं होने की जानकारी दी एवं कई अन्य समस्याओं से भी अवगत कराया। उपायुक्त अनन्य मित्तल ने प्रतिनिधिमंडल की सारी बातें ध्यान से सुनी और तत्काल पीएचईडी के अधीक्षण अभियंता सुमन कुमार को फोन कर स्वयं स्थल पर जाकर निरीक्षण करने एवं जल्द से जल्द पानी समस्या का समाधान करने का निर्देश दिया। इसके बाद प्रतिनिधिमंडल ने अधीक्षण अभियंता से आदित्यपुर में उनके कार्यालय में मिला एवं उन्हें भी पानी समस्या से अवगत कराया।

इस मौके पर सरदार शैलेंद्र सिंह के अलावा अजय कुमार पांडे, रवि शंकर तिवारी, बंटी सिंह, सूर्यया पाठक, अमृतपाल सिंह, शिव कुमार आदि कई लोग शामिल थे।

सरदार शैलेंद्र सिंह ने कहा कि अगर दो दिनों के अंदर पानी समस्या का निराकरण नहीं हुआ तो पीएचइडी विभाग कार्यालय में धरना प्रदर्शन किया जाएगा। इस दौरान अगर कोई अप्रिय घटना घटती है तो उसकी जिम्मेदारी पीएचडी विभाग की होगी।

मानुषमूड़िया के जिप सदस्य ने सीओ से की अतिक्रमण की शिकायत

पूसू प्रतिनिधि, बहरागोड़ा। बहरागोड़ा मानुषमूड़िया में जिला परिषद के जमीन से अतिक्रमण हटाने के लिए जिप सदस्य ने अंचल अधिकारी को आवेदन सौंपा। सीओ को आवेदन बहरागोड़ा प्रखंड क्षेत्र के मानुषमूड़िया में जिला परिषद के जमीन पर हो रहे अवैध अतिक्रमण को रोकने के लिए बुधवार को जिला परिषद सदस्य फुलमनी मुर्मू ने बहरागोड़ा अंचल अधिकारी को आवेदन सौंपा, जिसमें लिखा गया है कि मानुषमूड़िया मध्य विद्यालय के समीप जिला परिषद के जमीन पर गांव के ही कई लोगों द्वारा सैलून आदि दुकानों का निर्माण रातों-रात कर दिया गया। जिला परिषद के मौखिक आदेश का अनुपालन नहीं करने से वे मामले की जानकारी लिखित रूप से अंचल अधिकारी को सौंप कर यथा शीघ्र अतिक्रमण मुक्त करने का आग्रह किया गया है।

सशस्त्र सीमा बल के जवान राजीव महतो की छत्तीसगढ़ में मौत

पूसू प्रतिनिधि, चक्रधरपुर। पश्चिमी सिंहभूम के सोनुआ प्रखण्ड के गजपुर निवासी सशस्त्र सीमा बल के जवान राजीव महतो की छत्तीसगढ़ के रायपुर एम्स अस्पताल में ईलाज के दौरान रविवार को मौत हो गयी। वे छत्तीसगढ़ के कांकेर जिला केवटी में सशस्त्र सीमा बल के 33वीं बटालियन में पदस्थापित थे। पिछले कुछ दिनों से वे बीमार थे और छत्तीसगढ़ के रायपुर एम्स हॉस्पिटल में उनका ईलाज चल रहा था, जहाँ रविवार को उनकी मौत हो गयी। मंगलवार को उनका पार्थिव शरीर उनके पैतृक गाँव गजपुर पहुँचा। इस दौरान गोईलकेरा से गजपुर गाँव तक सैकड़ों की संख्या में युवा और अन्य लोग बाईक रैली के साथ उनके अंतिम यात्रा में शामिल हुए। जवान का पार्थिव शरीर गाँव पहुँचने पर माहौल काफी गमगीन हो गया। मौके पर सशस्त्र सीमा बल के जवानों ने अपने साथी जवान को अंतिम सलामी दी। परिजनों और क्षेत्र के गणमान्य लोगों ने भी मौके पर मृतक जवान को श्रद्धांजलि दिया। राजीव महतो के परिवार में उसकी पत्नी, माता, पिता और तीन महीने का पुत्र है। राजीव के एक बड़े भाई मनोज महतो भी सीमा सुरक्षा बल में पदस्थापित हैं। राजीव की असमय मौत से उसके परिवार पर दुःखों का पहाड़ टूट पड़ा है। राजीव महतो देश सेवा में अपनी बेहतर सेवा के लिये पुलिस आंतरिक सेवा सुरक्षा पदक से भी सम्मानित हुआ था।

चक्रधरपुर की टीम ने सौम्या इलेवन को हरा विजेता टीम का खिताब जीता

पूसू प्रतिनिधि, पोटका। प्रखंड के जुड़ी स्थित नेताजी सुभाषचंद्र बोस स्टेडियम में जेएफसीए के तत्वावधान में आयोजित सात दिवसीय फ्लड लाइट क्रिकेट एवं फुटबॉल प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला शनिवार रात को दूधिया रौशनी में खेला गया। क्रिकेट प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले में टॉप स्ट्राइकर चक्रधरपुर की टीम ने सौम्या इलेवन को हरा विजेता टीम का खिताब अपने नाम किया। तीसरा पुरस्कार मेदान्त लीजेंड एवं चौथा पुरुस्कार रेलवे कॉलोनी हल्दीपोखर की टीम ने जीता। फुटबॉल प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले में बाबा डॉट कॉम की टीम ने रोमांचक मुकाबले में सरदार एफसी धोलाडीह को हरा प्रतियोगिता की विजेता टीम बनी। तीसरा पुरुस्कार अंकिता एफसी जुड़ी, चौथा डोंडा स्पोर्टिंग सरमोन्दा, पांचवा जे एफ सी पिछली एवं छठा पुरस्कार सिविल शिकार एफसी की टीम ने जीता। क्रिकेट प्रतियोगिता के मैन ऑफ द मैच का खिताब चक्रधरपुर टीम के काका एवं सीरीज का खिताब इसी टीम के दीप पाल को मिला। फुटबॉल प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले में मैन ऑफ द मैच का खिताब सरदार एफसी के राहुल एवं सीरीज बाबा डॉट कॉम के रविराज ने जीता। फाइनल मुकाबले में मुख्य अतिथि के रूप में सांसद विद्युत वरण महतो, विधायक संजीव सरदार, विशिष्ट अतिथि पूर्व विधायक मेनका सरदार, जिला पार्षद सूरज मंडल, पूर्व पार्षद चंद्रावती महतो,मुखिया सुकलाल सरदार, देवी भूमिज, आदि उपस्थित थे। इस अवसर पर आमंत्रित अतिथि पूर्व सीएस डॉ ए के लाल, डॉ भास्कर मंडल, डॉ जयंत दे, डॉ सुकान्त सीट, रघुनन्दन बनर्जी, नीलकमल पाल, सुधीर गोप, सुनील महतो, राजू सरदार, गणेश सरदार आदि उपस्थित थे। आयोजन को सफल बनाने में कमिटी के रोहित सरदार, हरमोहन गोप, मनोज राम, रायसिंह सरदार, पीयूष गोस्वामी, जगदीश गोप, लालू गोप, अपूर्व साहू, अंकित चटर्जी, सुरेश पति, सुमित सरदार, रिक चटर्जी, संजय गोप, मोनो गोप, शिवनाथ गोप, बिट्टू साहू, विक्की साहू, गोपेश्वर गोप सदानन्द पोइडा, सुधीर सरदार, आशीष बनर्जी आदि का योगदान रहा।

उरांव समाज की ओर से मां सरना की पूजा-अर्चना की गयी

पूसू प्रतिनिधि, चाईबासा। बुधवार को बान टोला अखाड़ा में होली की पावन अवसर पर प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी चाईबासा उरांव समाज के सातों अखाड़ा में परिवार की सुख समृद्धि, पढ़ाई-लिखाई, नौकरी, काम-धाम, लालन-पालन एवं मुहल्ले के प्रत्येक घर में सभी तरह प्रकोप, दुख -तकलीफ को दुर करने हेतू चाला मंडप मां सरना स्थल में पूजा-पाठ किया जाता हैं एवं मुहल्ले के प्रत्येक घर दिन भर घूम-घूमकर लाल व सफेद मिट्टी से घर की दरवाजा के दोनों ओर छापा मारने का रिवाज हैं जो कि पुरखो से होते हुए आज भी बहुत ही हर्षोल्लास धूमधाम एवं पारम्परिक नाच-गान गाना..लली-लली गईया के छोटे-छोटे हसुवा..मोर गईया दुयो... मोर गईया दुयो देबे रे मोह....ने.. मोर गईया दुयो देबे...के साथ बान टोला अखाड़ा ने भी नियम को पूरा किया। इस अवसर पर समाज के पाहन (पुजारी) श्री फागु खलखो सहयोगी पनभरवा, मंगरू टोप्पो, संजय कुजूर के अलावा मुख्य रूप से समाज के मुखिया लालू कुजूर, राजेन्द्र कच्छप, सीताराम मुण्डा, कृष्णा कच्छप, तेजो कच्छप, इन्द्रोदय कच्छप, रवि कुजूर, अजीत लकड़ा, बुधराम कोया, जगरनाथ कुजूर, रवि तिर्की, विश्वनाथ लकड़ा, राजु तिग्गा, जगरनाथ टोप्पो, प्रधान कच्छप, आकाश टोप्पो, गब्बर लकड़ा आदि उपस्थित थे।

राउतु जोंको प्रखंड अध्यक्ष व मुकेश महतो जेबीकेएसएस के महासचिव निर्वाचित

पूसू प्रतिनिधि, चक्रधरपुर। झारखंडी भाषा-खतियान संघर्ष समिति ने जिला अध्यक्ष बसंत महतो की अध्यक्षता में मंगलवार को राजा अर्जुन सिंह पार्क चेकनाका में चक्रधरपुर प्रखंड कमिटी गठन किया गया, जिसमें विधिवत रूप से लोगों के बीच से आए प्रस्तावों की स्वीकृति मिलने के पश्चात चक्रधरपुर प्रखंड के प्रखंड अध्यक्ष राउतु जोंको, उपाध्यक्ष तुलसी उरांव, महासचिव मुकेश महतो, सचिव जीवन बंकिरा, उपसचिव रविंद्रनाथ महतो, कोषाध्यक्ष बलेंद्र तियू, मीडिया प्रभारी दीपक महतो, सह मीडिया प्रभारी राहुल राज महतो, हिमांशु महतो एवं कार्यकारिणी सदस्य के रूप में पोटानी सुम्ब्रुई, सागर गागराई, प्रदीप कुमार महतो, सादन गागराई, जगन्नाथ महतो, संतोष प्रधान, विजय लामाय, अनंत कुमार हेंब्रम, मोगो केराई, मुचिया समाड़, सुनील बंकीरा, नितेश महतो एवं अन्य का विधिवत चुनाव किया गया। इस दौरान जिला प्रवक्ता बासिल हेंब्रम ने झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा जिन चुनावी मुद्दों को लेकर सिंहभूम लोकसभा सीट से लोकसभा चुनाव में भाग ले रही है, इससे अवगत करवाते हुए कहा कि अगर हमारा सांसद सिंहभूम लोकसभा सीट से चुनकर जाता है तो पहली प्राथमिकता जातीय जनगणना करवाना होगा, जिसकी जितनी संख्या भारी उसकी उतनी हिस्सेदारी साथ ही कोल्हान में मुंडा-मानकी व्यवस्था को पुनर्जीवित कर सख्ती से लागू करवाना, कंपनियों में भूमि दाताओं को शेयर होल्डर बनाना साथ ही चपरासी से प्रबंधन स्तर तक का नौकरी भूमि दाताओं को दिलवाना। प्राइवेट सेक्टर में रिजर्वेशन जनसंख्या के आधार पर दिलवाना, समान शिक्षा नीति लागू करना, न्यूनतम मजदूरी का निर्धारण, न्यूनतम समर्थन मूल्य का निर्धारण, डीएमएफटी फंड को क्षेत्रीय भाषा-संस्कृति, शिक्षा स्वास्थ्य, रोजगार और स्थानीय भाषा के शिक्षकों का नियुक्ति करने में उपयोग किया जाएगा, शिक्षा पर कुल राष्ट्रीय आय का 8 प्रतिशत तथा शोध एवं विकास में 4 प्रतिशत तक का उपयोग किया जाएगा, रोजगार एवं उधमशीलता को बढ़ाने के लिए कुटीर एवं लघु उद्योगों को कम ब्याज दर पर ऋण उपलब्ध कराएंगे तथा ऋण लेने की प्रक्रिया को सरल एवं सुलभ बनाएंगे, सभी बड़ी कंपनियों तथा बैंकों का राष्ट्रीयकरण करने का वकालत करेंगे, ईचा खरकई बांध परियोजना को निरस्त करवाएंगे आदि। इस अवसर पर भारी संख्या में लोग उपस्थित थे।

टीएमएच में लगी आग! मची अफरा-तफरी, कोई हताहत नहीं

पूसू प्रतिनिधि, जमशेदपुर। टाटा मेन हॉस्पिटल के डॉक्टर चैंबर में मंगलवार की शाम शॉर्ट सर्किट से आग लगने से अफरा तफरी मच गई। अस्पताल में भर्ती मरीज एवं वहां कार्यरत स्टाफ इधर-उधर भागने लगे। जिसके बाद वहां अफरा तफरी का माहौल उत्पन्न हो गया। हालांकि कंपनी की ओर से सभी मरीजों एवं स्टाफ को संयम बरतने की अपील के साथ ही अस्पताल में मौजूद आपात स्थित से निपटने की व्यवस्था के तहत सभी को शांत रहने की अपील की गई। बाद में टाटा स्टील की दमकल ने आग पर काबू पाया। हालांकि आग को देखते हुए टाटा मेन हॉस्पिटल के दो वार्ड के मरीजों को सुरक्षित जगह शिफ्ट किया गया। दोनों वार्ड को खाली करा लिया गया। बताते हैं कि वार्ड 8 ए और वार्ड 8 बी के बीच स्थित डॉक्टर के चेंबर में आग लगी थी। जल्द ही आग पर काबू पा लिया टाटा स्टील के अधिकारियों का कहना है कि इस घटना से कोई नुकसान नहीं हुआ है। जांच में सामने आया है कि डॉक्टर रूम की एसी में आग लगने से आग बढ़ी थी। टाटा स्टील सेफ्टी और लोगों के बेहतर स्वास्थ्य के प्रति कटिबद्ध है। आग लगने की वजह से अस्पताल में थोड़ी देर के लिए अफरातफरी मच गई। बताया गया है कि मंगलवार (26 मार्च) की शाम को करीब 6 बजे टीएमएच के वार्ड 8 से सटे एक डॉक्टर के कमरे में आग लग गई। दमकलकर्मी तुरंत वहां पहुंचे और आग पर थोड़ी ही देर में नियंत्रण पा लिया गया। सुरक्षा के उपाय के तौर पर वार्ड 8ए और 8बी से मरीजों को तुरंत सुरक्षित जगहों पर शिफ्ट कर दिया गया। टाटा स्टील की ओर से जारी विज्ञप्ति में बताया गया कि डॉक्टर के चैंबर में लगी आग से किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। इस घटना से संपत्ति को कोई नुकसान पहुंचा है। किसी मरीज को भी किसी प्रकार का नुकसान नहीं हुआ है।

टाटा समूह की ओर से बताया गया है कि प्रारंभिक दृष्टि से इसका कारण डॉक्टर के कमरे के एसी में शॉर्ट सर्किट का होना लगता है। हालांकि, आग लगने के सटीक कारणों का पता नहीं चल पाया है। इसकी विस्तृत जांच चल रही है।

बिजली मिस्त्री घायल, टाटा मुख्य अस्पताल में इलाजरत

पूसू प्रतिनिधि, जमशेदपुर। मानगो में ट्रांसफार्मर बदलने के क्रम में विभाग में कार्यरत मिस्त्री संजय कुमार बिजली का झटका लगने से बिजली के खंभे से नीचे गिर गया और बुरी तरह घायल हो गया। ट्रांसफार्मर बदलने का कार्य पूर्ण होने के पहले ही कंट्रोल रूम से पावर की सप्लाई कर दी गई थी जिसके कारण बिजली का करंट पूरे खंभे में आ गया था मामला 25 मार्च होली के दिन का है दोपहर लगभग 3ः00 बजे मानगो डिमना मुख्य सड़क स्थित मानगो बाजार के समीप ट्रांसफार्मर जल जाने के कारण उसका मरम्मत का कार्य किया जा रहा था , कार्य पुर्ण होने के पहले ही कंट्रोल रूम से पावर की सप्लाई कर दी गई जिससे पूरे सिस्टम में बिजली का करंट आ गया और काम कर रहे बिजली मिस्त्री संजय कुमार बिजली का झटका लगते ही ऊपर से नीचे गिर गया । आनन फानन में मौके में मौजूद बिजली विभाग के कर्मचारियों ने संजय को टाटा मुख्य अस्पताल में भर्ती करवाया जहां बर्न वार्ड में उसका इलाज चल रहा है । मामले की जानकारी मिलने पर भाजपा नेता विकास सिंह टाटा मुख्य अस्पताल जाकर संजय से मिलकर उसकी स्थिति से अवगत हुए विकास सिंह ने बताया कि डॉक्टर ने बताया कि संजय खतरे से बाहर है माथे में और हाथ में गंभीर चोटे आई है जिसे ठीक होने में लंबा समय लगेगा । मौके में पहुंचे भाजपा नेता विकास सिंह ने सहायक अभियंता से संजय का उच्च स्तरीय इलाज करवाने की बात कही साथ ही विकास सिंह ने कहा कि संजय जब तक पूरी तरह स्वस्थ होकर अपने काम में नहीं लौट आता हैं तब तक बिजली विभाग के द्वारा उसे पूरा वेतन मिलना चाहिए जिससे उसके परिवार की रोजी-रोटी चल सके। सहायक अभियंता में भाजपा नेता विकास सिंह को भरोसा दिलाते हुए आश्वस्त किया कि ईलाज किसी प्रकार की कोताही विभाग के द्वारा नहीं बरती जाएगी । भाजपा नेता विकास सिंह ने मामले की उच्च स्तरीय जांच करने की बात कहते हुए कहा की इतनी बड़ी लापरवाही कंट्रोल रूम के द्वारा कैसे हो गई इस पर भी जांच कर कार्रवाई होनी चाहिए । विकास सिंह के साथ अस्पताल भाजपा नेता विजय ओझा ने भी जाकर संजय का हाल जाना ।

बागबेड़ा मजार में आग लगने से पांच लाख का हुआ नुकसान

पूसू प्रतिनिधि, जमशेदपुर। बागबेड़ा मजार में सोमवार को मध्यरात्रि में आग लग जाने के कारण लगभग 5 लाख की नुकसान हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सोमवार को होली के दिन ही मध्य रात्रि में मजार में आग लग गई थी। मंगलवार को सुबह बेला में मजार के आसपास के लोगों को आग लगने की जानकारी मिली।

उन लोगों ने मजार बाबा को सूचना दी। मजार बाबा मो. हारून राशिद के आने के पश्चात उन्होंने बताया कि दरगाह हजरत महावारी शाह मजार बाबा पर चढ़ावा के लिए चादर, बड़ी पेटी में रखी हुई लगभग 2500 पीस चादर, पेटी के ऊपर रखी हुई 15 चादर, लकड़ी की बड़ी अलमारी, बिछावन, गद्धी, तोशक, गठरी, चादर, पांच सीलिंग पंखा पूरी तरीका से जलकर राख हो गई है। इसके अलावे मजार के अंदर के चारों तरफ के दीवार क्षतिग्रस्त हो गई है। कुल मिलाकर लगभग 5 लाख की नुकसान हुई है। इसके पूर्व भी दो बार इस तरह की घटना घट चुकी है। इसकी सूचना लिखित रूप में बागबेडा थाना को दे दी गई है। सूचना मिलते ही बागबेड़ा थाना के पदाधिकारी दलबल के साथ मजार परिसर पहुंचकर जांच पड़ताल जारी किए। इसी दौरान पंचायत समिति सदस्य सुनील गुप्ता एवं समाजसेवी भोला झा भी घटनास्थल पर पहुंच कर निरीक्षण किए। तत्पश्चात पंसस सुनील गुप्ता के द्वारा तत्काल जुस्को के पानी टैंकर मंगवाकर आग बुझाने का कार्य संपन्न किए।इस दौरान मजार परिसर में रखी हुई बड़ी टंकी और ड्राम में पानी भरवाने का कार्य भी किए ताकि आपातकालीन स्थिति में पानी से आग बुझाने का काम किया जा सके। पंचायत समिति सदस्य सुनील गुप्ता ने कहा कि इस दु:ख की घड़ी में पंचायत प्रतिनिधि हर संभव आपके साथ है। उन्होंने अंचल पदाधिकारी से वार्ता कर जली हुई सामान की भरपाई करने का भी आश्वासन दिए हैं।

लोस चुनाव में 'इंडिया' गठबंधन के प्रत्याशियों की मदद करेगी एनसीपी

वोटों का बिखराव रोकने के लिए पार्टी ने लिया निर्णय : पवन पांडे

पूसू प्रतिनिधि, जमशेदपुर। एनसीपी युवा मोर्चा के राष्ट्रीय महासचिव एवं प्रवक्ता डॉ पवन पाण्डेय ने कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव में संगठनात्मक रूप से एनसीपी इंडिया गठबंधन के प्रत्याशियों को मदद झारखंड में मदद करेगी । उन्होंने कहा कि पार्टी ने तय किया हैं कि सेकुलर विचारधारा के मतदाताओं के मतों का बिखराख ना हो और इसका राजनीतिक लाभ विपक्षी गठबंधन को ना मिले इसलिए एनसीपी झारखंड में लोकसभा चुनाव में अपने पार्टी के प्रत्याशियों को नहीं उतारेगी। लेकिन हम इंडिया गठबंधन के साथियों से खासकर कांग्रेस और झामुमो से कहना चाहते हैं कि लोकसभा चुनाव की घोषणा हो चुकी है विपक्षी गठबंधन (एनडीए) ने झारखंड में लोकसभा चुनाव लड़ने वाले लगभग सभी प्रत्याशियों की घोषणा कर दिया है। लेकिन इंडिया गठबंधन इस मामले में काफी पीछे है। इंडिया गठबंधन को जल्द से जल्द अपने प्रत्याशियों की घोषणा कर दी जानी चाहिए। और प्रख?ड से लेकर विधानसभा स्तर से लेकर बुथ स्तर पर इंडिया गठबंधन के साथियों की बैठक कर आपसी सामंजस्य स्थापित किया जा सके। ताकि लोकसभा चुनाव में संगठनात्मक रूप से गठबंधन के साथि मिलकर चुनाव लडे और अपने हक में बेहतर प्रदर्शन कर सके। अन्यथा बिना तालमेल के चुनाव में जाने के बाद परिणाम को अपने पक्ष में प्रभावित करना मुश्किल होता है। इन बातों को इंडिया गठबंधन के साथियों को नहीं भूलना चाहिए।

दीन बंधु ट्रस्ट स्लम बस्ती के बच्चों के साथ मनाई होली

पूसू प्रतिनिधि, जमशेदपुर। दीन बंधु ट्रस्ट ने सोमवार को छायानगर के बच्चों को पिचकारी, रंग, गुलाल, टोपी, बैलून आदि उपहार एवं मिठाई वितरित किया। बच्चे उपहार पाकर खुशी से झूम उठे। एक दूसरे को गुलाल लगाकर खुशियां बांटी।

संस्था के अध्यक्ष उत्तम चक्रवर्ती ने कहा बच्चे ईश्वर के रूप होते है उनके साथ होली मनाकर एवं उनके साथ खुशियां बाँट कर अत्यंत आनंद की अनुभुति हुई। बस्तीवासियों के साथ भी गुलाल लगाकर होली मनाई गई। बुजुर्गो का आशीर्वाद प्राप्त हुआ।

इस कार्यक्रम को सफल बनाने में अध्यक्ष उत्तम चक्रवर्ती, नागेंद्र कुमार, शिबू नामता, सुनीता पोयरा, कंचन यादव, पिंकी देवी, यशोदा देवी, अंजन पोयरा, लक्ष्मी दे, निकक्की पात्रो, उमेश साव एवं बस्तीवासियों का अहम योगदान रहा।

संक्षिप्त खबरें

अनियंत्रित सुमो बिजली पोल से टकराया

पूसू प्रतिनिधि, जमशेदपुर। परसूडीह थानांतर्गत गदड़ा में एक अनियंत्रित टाटा सुमो बिजली के खंभे से टकरा गया। जिससे बिजली का खंभा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। इस हादसे में सुमो चालक बाल - बाल बच गया। बिजली का खंभा क्षतिग्रस्त होकर तार समेत सुमो पर गिर गया। हादसे के बाद से पूरे इलाके में बिजली गुल है। सूचना पाकर परसूडीह थाना पुलिस एवं बिजली विभाग के अधिकारी घटना स्थल पर पहुंचे। सूत्रों ने बताया कि बुधवार को बिजली सेवा बहाल होने की उम्मीद है।

सदानन्द से मंगल ने लिया आशीर्वाद

पूसू प्रतिनिधि, जमशेदपुर। जुगसलाई नगर परिषद क्षेत्र के एम इ स्कूल रोड स्थित राजस्थान शिव मंदिर में श्री गुरुदेव सेवा समिति द्वारा आयोजित कार्यक्रम के दौरान आज जुगसलाई विधायक मंगल कालिंदी ने स्वामी सदानन्द सरस्वतीजी महाराज से मुलाकात की और उनसे आशीर्वाद प्राप्त किया।

गदड़ा : बाबा साहेब की प्रतिमा असमाजिक तत्वों ने की क्षतिग्रस्त, थाना में शिकायत

पूसू प्रतिनिधि, जमशेदपुर। परसूडीह थानान्तर्गत गदड़ा कॉलेज मैदान में स्थापित बाबा साहेब भीम राव अंबेडकर की प्रतिमा असमाजिक तत्वों ने क्षतिग्रस्त कर दी। घटना 25 मार्च होली के दिन की है। इस संबंध में अंबेडकर विकास समिति ने परसूडीह थाना में अज्ञात के खिलाफ एक लिखित शिकायत दर्ज करायी है। जिसमें आरोप लगाया गया है कि संविधान निर्माता की असमाजिक तत्वों ने प्रतिमा को खंडित कर दिया है। यह कार्य करने वालों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। शिकायत करने वालों में अंबेडकर विकास समिति के बबलू महतो, लखीकांत महतो,विवेक गुप्ता समेत अन्य शामिल हैं।

जमशेदपुर महानगर के भाजपा कार्यकर्ताओं ने बुलेट रानी का किया भव्य स्वागत

400 पार कर सत्ता में आएगी मोदी सरकार : राजलक्ष्मी मंदा

पूसू प्रतिनिधि, जमशेदपुर। 'कहो दिल से- नरेंद्र मोदी फिर से' और वोट फॉर मोदी के नारों के साथ बुलेट पर सवार होकर नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने के संकल्प के साथ तमिलनाडु के मदुरई से 21 हजार किलोमीटर की यात्रा पर निकली राजलक्ष्मी मंदा के लौहनगरी जमशेदपुर आगमन पर भाजयुमो जमशेदपुर महानगर जिलाध्यक्ष अमित अग्रवाल की अगुवाई में सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने ढोल-नगाड़ों के बीच पुष्पगुच्छ व अंगवस्त्र भेंटकर गर्मजोशी से स्वागत किया। बुधवार को पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के सोनारी एयरपोर्ट के समक्ष आयोजित कार्यक्रम में विभिन्न मंडलों के भाजयुमो कार्यकर्ताओं ने राजलक्ष्मी मंदा के इस साहसिक अभियान की सराहना करते हुए उन्हें शुभकामनाएं व्यक्त की। इस दौरान उत्साहित युवा कार्यकर्ताओं ने राजलक्ष्मी मंदा के साथ बाइक रैली निकालकर आदित्यपुर पुल तक नारेबाजी करते हुए गंतव्य के लिए रवाना किया। ज्ञात हो कि राजलक्ष्मी मंदा 9.5 टन की ट्रक को खींचकर पहली महिला बनने का विश्व कीर्तिमान स्थापित कर चुकी हैं। राजलक्ष्मी मंदा अब तक तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा, छत्तीसगढ़ राज्य की यात्रा बुलेट से पूरा करने के बाद झारखंड पहुंची है। जमशेदपुर के पश्चात उनकी 'संकल्प यात्रा' चाईबासा के रास्ते खुंटी के लिए प्रस्थान करेगी। पत्रकारों से बातचीत में राजलक्ष्मी मंदा ने बताया कि भारत के प्रत्येक नागरिक का अधिकार व कर्तव्य है कि वह देश के सर्वांगीण विकास व अपने आने वाले पीढ़ी के उज्जवल भविष्य के लिए सर्वश्रेष्ठ नेता चुनें। उन्होंने कहा कि वे किसी भी पार्टी की सदस्य नही हैं लेकिन पीएम नरेंद्र मोदी की नीतियों व सिद्धान्तों से प्रेरित होकर उन्हें तीसरी बार प्रधानमंत्री पद पर आसीन करने के लिए जनजागरण मुहिम वाली 'संकल्प यात्रा' को बुलेट से पूरा कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विकसित भारत और मजबूत राष्ट्र निर्माण के संकल्प को लेकर आगे बढ़ रहे हैं, उन्हें तीसरी बार प्रधानमंत्री के रूप में देश की जनता अपना पूरा समर्थन और आशीर्वाद प्रदान करेगी।

अमरप्रीत सिंह काले ने नई दिल्ली में भाजपा प्रत्याशी बांसुरी स्वराज के लिए किया प्रचार

पूसू प्रतिनिधि, जमशेदपुर। भारतीय जनता पार्टी के पूर्व प्रदेश प्रवक्ता अमरप्रीत सिंह काले ने आज नई दिल्ली लोकसभा सीट से बीजेपी की उम्मीदवार सुश्री बाँसुरी स्वराज जी के लिये प्रचार किया और लोगों से संपर्क कर प्रधानमंत्री श्रद्धेय श्री नरेंद्र मोदी जी के हाथों को मज़बूत करने के लिये आग्रह किया। बड़ी संख्या में उपस्थित प्रबुदजनों ने एक स्वर में अबकी बार 400 पार के संकल्प को दोहराया और नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व पर पूर्ण विश्वास व्यक्त किया। काले ने कहा की हमारे देश के ऋषि - मुनियों और गुरुओं ने भारत राष्ट्र के परम वैभव की जो कल्पना की थी वो अब नरेंद्र मोदी जी के प्रयासों से पूर्ण होता दिख रहा है। काले फ़िलहाल दिल्ली प्रवास पर हैं।

डीसी ने को-ऑपरेटिव कॉलेज का किया निरीक्षण, तैयारियों का लिया जायजा

➲ तीन विधानसभा की पोलिंग पार्टी यहीं से होगी रवाना

पूसू प्रतिनिधि, जमशेदपुर। उपायुक्त अनन्य मित्तल ने मंगलवार को लोकसभा चुनाव 2024 की प्रक्रिया के सुव्यवस्थित एवं सुचारू संपादन के लिए कॉपरेटिव कॉलेज का निरीक्षण किया। इस दौरान मतदान दल के लिए डिस्पैच सेंटर, चुनाव सामग्री, रिसीविंग सेंटर और निर्धारित स्ट्रांग रूम व मतगणना कक्ष की तैयारियों का जायजा लिया। उपायुक्त अनन्य मित्तल ने कॉपरेटिव कॉलेज के निरीक्षण के दौरान मतगणना कक्ष, पार्टी एजेंट की एंट्री, मतदान के उपरांत मतदान दल के स्ट्रांग रूम में ईवीएम जमा करने, जमशेदपुर लोकसभा के अंतर्गत आने वाले सभी छह विधानसभा का बनाने वाले मतगणना कक्ष आदि विभिन्न पहलुओं की समीक्षा कर भवन निर्माण विभाग के अभियंता को जरूरी दिशा निर्देश दिए। चुनाव प्रक्रिया के सुचारू व्यवस्था के संबंध में वरीय अधिकारियों के साथ विचार विमर्श भी किया। उन्होने कहा जमशेदपुर पूर्वी, जमशेदपुर पश्चिमी एवं जुगसलाई विधानसभा क्षेत्र का डिस्पैच सेंटर कॉपरेटिव कॉलेज होगा तथा पोटका, घाटशिला एवं बहरागोड़ा के पोलिंग पार्टी का डिस्पैच सेंटर एल.बी.एस.एम कॉलेज करनडीह होगा। सभी विधानसभा क्षेत्र के लिए कॉपरेटिव कॉलेज को रिसिविंग सेंटर बनाया गया है। कॉपरेटिव कॉलेज भवन में मतगणना एवं स्ट्रांग रूम तैयार किया जायेगा। निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान इव्हीएम मशीनों का परिवहन सुविधाजनक तरीके से किया जा सके इसको लेकर संबंधित पदाधिकारियों को जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त ने निर्देशित किया। इस क्रम ने उन्होंने ने उक्त परिसर में सभी आवश्यक केन्द्रों के गठन एवं वहां सुरक्षा व्यवस्था के लिए सभी जरूरी व्यवस्थाओं की समीक्षा किया और चुनाव आयोग द्वारा निर्धारित मानदंडों के अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

शस्त्र का सत्यापन थाना स्तर पर 28 मार्च से 30 मार्च तक कराने का निर्देश

जिला निर्वाचन पदाधिकारी उपायुक्त अनन्य मित्तल ने जिले के सभी शस्त्र अनुज्ञप्तिधारियों के शस्त्र का सत्यापन थाना स्तर पर कराये जाने का निर्देश दिया है ताकि लोकसभा निर्वाचन स्वतंत्र निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण तरीके से सम्पादन कराया जा सके। इसके लिए उन्होंने जिले के सभी शस्त्र अनुज्ञप्तिधारी अपने शस्त्र अनुज्ञप्ति में अंकित शस्त्र को सम्बंधित थाना में दिनांक 28 मार्च से 30 मार्च 2024 तक सत्यापन कराना सुनिश्चित करने के लिए कहा है। वैसे शस्त्र अनुज्ञप्तिधारक जिनका शस्त्र अनुज्ञप्ति अन्य राज्य / जिले से निर्गत है किन्तु उनके शस्त्र अनुज्ञप्ति का ईन्द्राज पूर्वी सिंहभूम जिला के पंजी में संधारित नही है, परन्तु वर्त्तमान में उनका आवासन पूर्वी सिंहभूम जिला में है। वैसे अनुज्ञप्तिधारक भी उपरोक्त निर्धारित तिथि को ससमय सम्बंधित थाना में उपस्थित होकर अपने शस्त्र अनुज्ञप्ति तथा शस्त्र का सत्यापन कराना सुनिश्चित करेंगे। निर्धारित तिथि में अपने शस्त्र का सत्यापन नहीं कराने पर जॉच के क्रम में दण्डाधिकारी / पुलिस पदाधिकारी द्वारा शस्त्र जब्त किया जायेगा एवं उनके विरूद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

एमसीएमसी के लिए आयोजित प्रशिक्षण सत्र में कमिटी के कार्यों एवं दायित्व की दी गई जानकारी

जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त अनन्य मित्तल ने बुधवार को समाहरणालय सभागार मे एमसीएमसी कमेटी के माध्यम से राजनैतिक विज्ञापनों के प्रकाशन से पूर्व विज्ञापन सामग्रीयों के प्रमाणीकरण एवं पेड न्यूज की पहचान कर राजनैतिक दलों एवं उम्मीदवारों के खाते में उनके खर्चों को जोडने की प्रक्रिया के बारे में प्रशिक्षक ने संलिप्त सभी प्रक्रियाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।प्रशिक्षण सत्र में सोशल मीडिया के माध्यम से प्रचार के लिए मापदंड, विज्ञापनों के प्रमाणीकरण की प्रक्रिया, आवेदकों के द्वारा समर्पित विज्ञापन सामग्री की स्कूटनी, निष्पादन की समयावधि, प्रमाणीकरण प्रमाण पत्र निर्गत करने, विज्ञापन में आने वाले को व्यय कोषांग को भेजते हुए खर्चों को उम्मीदवार या पार्टी के व्यय में जोड़ने सहित आयोग को भेजे जाने वाले दैनिक एवं साप्ताहिक प्रतिवेदन आदि के प्रेषण के बारे में जानकारी दी गई।

डीसी, एसएसपी ने पोटका एवं जमशेदपुर के मतदान केंद्र व चेक पोस्ट का किया निरीक्षण

आगामी लोकसभा आम निर्वाचन के निमित्त जिला निर्वाचन पदाधिकारी अनन्य मित्तल एवं वरीय पुलिस अधीक्षक किशोर कौशल द्वारा पोटका एवं जमशेदपुर सदर प्रखंड मुख्यालय में समीक्षा बैठक की गई। अब तक किए गए चुनाव कार्यों के अद्यतन प्रतिवेदन की जानकारी लेते हुए निष्पक्ष मतदान को लेकर अधिकारियों को कई आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। पोटका प्रखंड में हुई बैठक में ग्रामीण एसपी श्री ऋषभ गर्ग उपस्थित थे तथा जमशेदपुर सदर प्रखंड की बैठक में सिटी एसपी श्री मुकेश लुणायत उपस्थित थे। बैठक में क्रिटिकल मतदान केन्द्र, पोस्टल बैलेट से मतदान करने वालों की संख्या का आकलन, कलस्टर निर्माण, रूट चार्ट, कम्यूनिकेशन प्लान, निर्वाचन आयोग के प्रावधानों के अनुसार स्ट्रॉन्ग रूम की संरचना, व्यय को लेकर संवेदनशील पॉकेट आदि बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। मतदान प्रतिशत में वृद्धि को लेकर उन्होंने उन बूथों को चिन्हित करने का निर्देश दिया जिनमें मतदान प्रतिशत कम रहा है। वहां जिन कारणों से भी मतदान प्रतिशत कम रहा है उनका निराकरण करने तथा वहां बूथ अवेयरनेस ग्रुप की सक्रियता बढ़ाते हुए ज्यादा से ज्यादा मतदाताओं को जागरूक करने का निर्देश दिया। व्यापक रूप से मतदाता जागरूकता संबंधित गतिविधियां संचालित करने का निर्देश दिया। साथ ही बुजुर्ग मतदाताओं तथा दिव्यांग मतदाताओं के लिए मतदान केन्द्रों पर समुचित व्यवस्था हेतु निर्देशित किया। उनके लिए सभी बूथों में रैंप का निर्माण, व्हीलचेयर की व्यवस्था उपलब्ध रहे यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। साथ ही सभी बूथों पर शेड निर्माण, सुनियोजित कतार व्यवस्था, सीसीटीवी, वीडियोग्राफी व्यवस्था आदि को लेकर निर्देशित किया।मतदान केंद्र, चेकनाका का किया निरीक्षण, निर्बाध और सुचारू चुनाव के संचालन को लेकर दिया दिशा निर्देश दिया। इस दौरान दोनों ने जमशेदपुर एवं पोटका प्रखंड के कई बूथों का भौतिक सत्यापन किया। इस दौरान बूथ पर मौजूद कमियों को मतदान से पहले दूर करने का निर्देश दिया।मौके पर एसओआर, एडीएम, डीटीओ, एसडीएम धालभूम, उप निर्वाचन पदाधिकारी, बीडीओ, सीओ, एसडीपीओ घाटशिला, थाना प्रभारी समेत अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

सारा अली खान ने कहा

एक कलाकार होने के लिए मोटी चमड़ी होनी जरूरी

अपनी बेबाक बातों के लिए मशहूर एक्ट्रेस सारा अली खान ने कहा है कि एक कलाकार होने के लिए मोटी चमड़ी होनी जरूरी है, जो उनके पास है। सारा ने कहा कि उनके रास्ते में जो भी आता है वह उसे सकारात्मक तरीके से हंसी में लेती हैं। सारा ने लैक्मे फैशन वीक एक्स एफडीसीआई के मौके पर बताया, कोई भी चीज वास्तव में मुझे परेशान नहीं करती। पिछले कुछ वर्षों में मेरी चमड़ी मोटी हो गई है। मैं हर चीज को सकारात्मक तरीके से लेती हूं।

सारा को फिल्में देखना बहुत पसंद है और उसके पास अपना पसंदीदा सेट है। एक्ट्रेस ने कहा, मेरे पास पसंदीदा कलाकारों का अपना एक सेट है। मुझे दूसरे लोगों का काम देखना पसंद है क्योंकि मैं हर किसी से और अपने आस-पास मौजूद हर चीज से सीखते रहना चाहती हूं। उन्होंने आगे कहा, हर कलाकार की अपनी खूबियां होती हैं, मैं उसे चुनना और उसे अपने काम में शामिल करना पसंद करती हूं। मुझे खुद को बेहतर बनाना पसंद है। जब संगीत की बात आती है तो सारा पूरी तरह से बॉलीवुड प्रेमी हैं। एक्टेस ने कहा, मेरे पास अपनी प्लेलिस्ट है जो मेरे हर वाइब के लिए अलग है, मुझे हिंदी संगीत बहुत पसंद है इसलिए मुझे लगता है कि मैं पूरी तरह से बॉलीवुड की शौकीन हूं।

मार्शल आर्ट में इन सितारों को हासिल है महारत

बॉलीवुड अभिनेता फैंस के बीच अपने अभिनय और डांस को लेकर खूब सुर्खियां बटोरते हैं। दर्शक भी इनकी फिल्मों का बेसब्री से इंतजार करते हैं। हालांकि, अब कालाकर केवल फिल्मों में अभिनय और डांस तक ही सीमित नहीं हैं। फिल्मों में अब जितने भी एक्शन स्टंट किए जाते हैं, हर कलाकार अब उसे खुद से करने की कोशिश करता है। तो आज के इस लेख में हम आपको उन सितारों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिन्हें मार्शल आर्ट में महारत हासिल है और अपनी फिल्मों में खुद ही एक्शन सीन शूट करते हैं।

शिल्पा शेट्टी कुंद्रा

बॉलीवुड में अपनी फिटनेस का लोहा मनवाने वाली अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी का नाम इस लिस्ट में शामिल है। अभिनेत्री एक शौकीन योगा ट्रेनर के रूप में जानी जाती है। गौरतलब है की वह कराटे में ब्लैक बेल्ट भी रखती हैं। यही नहीं, शिल्पा कई बार फिल्मों में एक्शन करती भी नजर आई हैं।

टाइगर श्रॉफ

बॉलीवुड अभिनेता टाइगर श्रॉफ इन दिनों अपनी फिल्म छोटे मियां बड़े मियां को लेकर काफी चर्चा में हैं। अभिनेता कलारीपयट्टू, कुंग फू, क्राव मागा जानता है, उसके पास ताइक्वांडो में ब्लैक बेल्ट है और एक शानदार जिमनास्ट है। अभिनेता ने बचपन से ही जिम्नास्टिक की ट्रेनिंग ली है। टाइगर अपनी फिल्मों में खुद ही एक्शन सीक्वेंस शूट करते हैं।

विद्युत जामवाल

अभिनेता विद्युत जामवाल इन दिनों अपनी आगामी फिल्म क्रैक को लेकर खूब सुर्खियां बटोर रहे हैं। बता दें कि विद्युत एक प्रशिक्षित मार्शल आर्ट और जिमनास्ट हैं। अभिनेता केवल चार साल की उम्र से ही कलारीपयट्टू सीख रहे हैं। विद्युत अपनी फिल्मों में खुद ही सारे एक्शन स्टंट शूट करते हैं।

अक्षय कुमार

बॉलीवुड के खिलाड़ी कुमार यानी अक्षय कुमार अपनी आगामी फिल्म बड़े मियां छोटे मियां को लेकर फैंस के बीच चर्चा में चल रहे हैं। अक्षय कुमार अभिनेता होने के साथ मार्शल आर्ट के भी गुरु हैं। अक्षय ने हांगकांग में मार्शल आर्ट का अध्ययन किया और शोटोटन कराटे और मय थाई में ब्लैक बेल्ट हासिल किया।

यौन उत्पीड़न मामले में जेनिफर मिस्त्री की बड़ी जीत

तारक मेहता के निर्माता असित मोदी पर लगा जुर्माना

तारक मेहता का उल्टा चश्मा में मिसेज रोशन सिंह सोढ़ी की भूमिका निभाने वाली टेलीविजन अभिनेत्री जेनिफर मिस्त्री पिछले काफी समय से सुर्खियों में हैं। अभिनेत्री ने शो के निर्माता असित कुमार मोदी पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया था। अब इस मामले में जेनिफर की असित मोदी के खिलाफ लड़ाई में एक नया मोड़ आ गया है। तारक मेहता... से जुड़े सेक्शुअल हैरसमेंट केस में जेनिफर मिस्त्री बंसीवाल के पक्ष में फैसला सुनाया गया और प्रोड्यूसर असित मोदी को एक्ट्रेस को बकाया रकम के साथ पांच लाख रुपये का मुआवजा देने का आदेश मिला है।

जेनिफर मिस्त्री बंसीवाल ने इसके निर्माता असित कुमार मोदी पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया। इतना ही नहीं एक्ट्रेस ने दो अन्य, एक्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर जतिन बजाज और ऑपरेशन हेड सोहेल रमानी के खिलाफ भी शिकायत दर्ज कराई थी। पवई पुलिस ने असित मोदी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 354 और 509 (महिला का शील भंग करने के इरादे से उस पर हमला या आपराधिक बल प्रयोग) के तहत एफआईआर दर्ज की थी। हालांकि, मामले में अब तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हो सकी थी।

OTT पर इस दिन स्ट्रीम होगी आश्रम-4

एनिमल मूवी से बॉबी देओल ने फिल्मों में जोरदार वापसी की है। अब खबर है कि उनकी वेब सीरीज आश्रम के 3 सफल सीजन के बाद इसका सीजन 4 भी आने वाला है। आश्रम वेब सीरीज एमएक्स प्लेयर पर मौजूद है और इसमें बॉबी देओल ने

एक स्वयंभू गॉडमैन का रोल निभाया है, जो पॉवरफुल होने के साथ-साथ दुष्ट भी होता है। ये गॉडमैन भगवान, धर्म और आस्था के बहाने कई आपराधिक गतिविधियों का मास्टरमाइंड होता है। बॉबी देओल की ये सीरीज लोगों ने काफी पसंद किया है और अब फैंस आश्रम 4 भी जल्द ही ओटीटी प्लेटफॉर्म पर देख सकेंगे। आश्रम 4 का टीजर पहले ही रिलीज हो चुका है और इसमें बाबा निराला की वापसी का हिंट दिया गया है। हालांकि, उसके बाद से मेकर्स ने इसे लेकर कोई अपडेट नहीं दी। सीरीज में अहम रोल निभाने वाले चंदन रॉय सानियास ने एक बड़ा हिंट दिया है कि आश्रम 4 इसी साल रिलीज होगी। उन्होंने बताया कि आश्रम 4 की शूटिंग अभी थोड़ी बाकी है।

जान्हवी कपूर ने गोवा में देवरा पार्ट 1 का अपना शेड्यूल किया पूरा

अपकमिंग फिल्म देवरा- पार्ट 1 में नजर आने वाली एक्ट्रेस जान्हवी कपूर ने गोवा में फिल्म का अपना शेड्यूल पूरा कर लिया है। एक्ट्रेस ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज में शेयर किया कि वह गोवा वापस आने का बेसब्री से इंतजार कर रही हैं।

जान्हवी ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर सूर्यास्त की एक तस्वीर शेयर की और लिखा, वापस आने और फिर से थंगम बनने का इंतजार नहीं कर सकती। फिल्म में जान्हवी थंगम नामक एक ग्रामीण लड़की की भूमिका निभा रही हैं। यह फिल्म उनकी तेलुगु सिनेमा की पहली फिल्म है और इसमें सैफ अली खान और तेलुगु सुपरस्टार एनटीआर जूनियर भी हैं। देवराः पार्ट 1 का गोवा शेड्यूल 19 मार्च को शुरू हुआ और इसमें एक गाने का सीक्वेंस भी शामिल था। इस बीच जान्हवी तेलुगु सिनेमा में आगे बढ़ रही हैं।

वह आगामी फिल्म आरसी 16 में राम चरण के साथ नजर आएंगी। एक्ट्रेस ने आरसी16 के सेट से तस्वीरें शेयर की थीं, जिसमें राम चरण, उनके पिता और तेलुगु मेगास्टार चिरंजीवी और ऑस्कर और ग्रैमी विजेता संगीतकार ए.आर. रहमान और अन्य क्रू सदस्य नजर आ रहे थे। बुच्ची बाबू सना द्वारा निर्देशित, आरसी16 तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री में देवरा- भाग 1 के बाद जान्हवी की दूसरी फिल्म है।

रामायण में राम रणबीर कपूर की मां कौशल्या बनेंगी इंदिरा कृष्णन

नितेश तिवारी की रामायण में एक्ट्रेस इंदिरा कृष्णन राम की मां कौशल्या के रोल में होंगी। रामायण में रणबीर कपूर भगवान राम के किरदार में नजर आएंगे और इंदिरा उनकी मां होंगी। इंदिरा कृष्णन ने रणबीर कपूर स्टारर एनिमल में उनकी सास का रोल प्ले किया था। नितेश तिवारी की फिल्म रामायण को लेकर दो बड़े अपडेट सामने आए हैं। जो एक्ट्रेस इस फिल्म में राम की माता कौशल्या का किरदार निभाएंगी, उनका नाम सामने आया है। साथ ही बताया जा रहा है कि रामायण दिवाली 2025 पर रिलीज हो सकती है, और इसे लेकर अप्रैल में ऑफिशियल अनाउंसमेंट की जा सकती है। कहा जा रहा है कि पॉपुलर फिल्म और टीवी एक्ट्रेस इंदिरा कृष्णन रामायण में कौशल्या का किरदार निभाएंगी। फिलहाल इंदिरा कृष्णन टीवी शो ध्रुव ताराः समय सदी से परे में राजमाता दुर्गावती का रोल प्ले कर रही हैं।

उर्वशी ने ऋषभ पंत से शादी के सवाल पर दिया जवाब

बीते कुछ वक्त से चर्चा ऐसी चर्चा है कि बॉलीवुड एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला क्रिकेटर ऋषभ पंत को डेट कर रही हैं. हालांकि दोनों ने कभी अपने रिश्ते को लेकर किसी भी तरह की आधिकारिक घोषणा नहीं की है. लेकिन साल 2022 में जब ऋषभ पंत का कार एक्सीडेंट हुआ तो उर्वशी रौतेला और उनकी मां क्रिकेटर का हालचाल लेने अस्पताल में पहुंची थी. जिसके बाद से एक्ट्रेस और ऋषभ पंत के रिश्ते को लेकर और भी तेज हो गई. इस बीच उर्वशी रौतेला ने उनके साथ अपनी शादी को लेकर प्रतिक्रिया दी है. हाल ही में जेएनयू एक्ट्रेस ने वेबसाइट फिल्मीज्ञान से बातचीत की. इस दौरान उन्होंने अपनी फिल्म के अलावा पर्सनल लाइफ के बारे में भी बताया है. उर्वशी रौतेला से सवाल किया गया कि वह ऋषभ पंत से कब शादी करेंगी. इस पर एक्ट्रेस ने थोड़ी देर खामोश होकर कहा- नो कमेंट्स. एक्ट्रेस के इस जवाब से साफ है कि उर्वशी ने अपनी पर्सनल लाइफ को सीक्रेट रखने का फैसला किया है. आपको बता दें कि उर्वशी रौतेला इन दिनों फिल्म जे.एन.यू.- जहांगीर नेशनल यूनिवर्सिटी को लेकर चर्चा में हैं. वह इन दिनों अपनी इस फिल्म का जोर-शोर से प्रमोशन कर रही हैं. इसके अलावा उर्वशी रौतेला अक्षय कुमार के साथ 'वेलकम 3 में उर्वशी रौतेला, बॉबी देओल,दलकीर सलमान, नंदमुरी बालकृष्ण के साथ एनबीके109, सनी देओल और संजय दत्त के साथ बाप (हॉलीवुड ब्लॉकबस्टर एक्सपेंडेबल्स का रीमेक). वहीं बात करें ऋषभ पंत की तो दिसंबर 2022 में कार दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल होने के बाद पंत मैदान पर उतरने के लिए तैयार हैं जिसके लिए वह उत्साहित भी हैं लेकिन थोड़ी घबराहट महसूस कर रहे हैं.

बढ़ती जा रही है हनी सिंह और बादशाह के बीच नफरत की खाई

रैपरों के बीच वाकयुद्ध गंदे स्तर पर पहुंचा !

बादशाह कुछ दिनों पहले हनी सिंह पर अपनी टिप्पणी को लेकर चर्चा में थे, जिसमें उन्होंने हनी सिंह की वापसी पर कटाक्ष किया था। अब सिंगर और रैपर हनी सिंह ने एक कमेंट के जरिए बादशाह को करारा जवाब दिया है। दर्शक काफी समय से रैपर बादशाह और हनी सिंह के बीच जुबानी जंग देख रहे हैं। दोनों का रिश्ता सालों से विवादों से भरा रहा है। हालांकि करियर के शुरुआती दिनों में बादशाह और हनी सिंह के बीच अच्छी दोस्ती हुआ करती थी। हालाँकि, ऐसा लगता है कि सफलता और पैसे ने धीरे-धीरे इस दोस्ती को पूरी तरह से खत्म कर दिया। अब दोनों अक्सर एक दूसरे पर तंज कसते नजर आते हैं। हाल ही में हनी सिंह एक होली पार्टी में शामिल हुए, जहां उन्होंने बादशाह के पापा कमबैक वाले कमेंट का करारा जवाब दिया। रैपर का ये वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

रामायण के लिए तीरंदाजी सीख रहे हैं रणबीर कपूर

अपनी ब्लॉकबस्टर फिल्म एनिमल की सफलता के बाद एक्टर रणबीर कपूर फिलहाल तीरंदाजी सीख रहे हैं। सोशल मीडिया पर शेयर की गई फोटो में एक्टर को उनके तीरंदाजी के कोच के साथ देखा जा सकता है। ऐसे कयास लगाए जा रहे हैं कि यह उनकी फिल्म रामायण का हिस्सा हो सकता है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म लंबे समय से प्री-प्रोडक्शन स्टेज में है और इसके प्रोडक्शन और कास्टिंग के पैमाने को देखते हुए इसमें देरी हो रही है।फिल्म में रणबीर जहां भगवान राम की भूमिका निभाएंगे, वहीं एक्ट्रेस साई पल्लवी सीता की भूमिका में नजर आएंगी। इस फोटो को एक्स पर एक फैन ने शेयर किया, जिसमें दावा किया गया कि ये तस्वीरें रणबीर की रामायण की तैयारी की हैं। अपने किरदार में जान डालने के लिए मशहूर एक्टर रणबीर भगवान राम के किरदार में ढल रहे हैं।

-साभार एजेंसी

मुंबई में हार्दिक पांड्या को करना पड़ सकता है हूटिंग का सामना: मनोज तिवारी

मुंबई, एजेंसी। पूर्व भारतीय क्रिकेटर मनोज तिवारी को लगता है कि मुंबई इंडियन्स एक अप्रैल को यहां जब अपना पहला घरेलू आईपीएल मैच खेलेगा तो कप्तान हार्दिक पांड्या को और अधिक हूटिंग का सामना करना पड़ सकता है। तिवारी का हालांकि मानना है कि इस ऑलराउंडर के पास इस तरह की स्थिति से निपटने के लिए जरूरी धैर्य है। सत्र की शुरुआत से पहले मुंबई के कप्तान के रूप में रोहित शर्मा की जगह लेने वाले हार्दिक रविवार को जब अपनी पूर्व फ्रेंचाइजी गुजरात टाइटंस के खिलाफ खेलने उतरे तो अहमदाबाद में प्रशंसकों ने उनकी हूटिंग की।

मुंबई इंडियन्स की टीम टाइटंस से छह रन से हार गई और अगले सप्ताह सोमवार को यहां वानखेड़े स्टेडियम में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ अपना पहला घरेलू मैच खेलेगी। तिवारी ने कहा, 'आपको यह देखना होगा कि यहां मुंबई में उसका स्वागत कैसे किया जाता है। मुझे लगता है कि यहां उसकी थोड़ी अधिक हूटिंग होने वाली है क्योंकि एक प्रशंसक के रूप में मुंबई या रोहित शर्मा के प्रशंसक के रूप में, किसी ने भी उम्मीद नहीं की थी कि कप्तानी हार्दिक को दी जाएगी। उन्होंने कहा, 'रोहित ने मुंबई इंडियंस को पांच ट्रॉफियां दीं, इसके बावजूद उन्हें कप्तानी गंवानी पड़ी। मुझे नहीं पता कि क्या कारण है लेकिन मुझे लगता है कि यह प्रशंसकों को पसंद नहीं आया। और मैदान पर आपको इसी की प्रतिक्रिया दिख रही है। हालांकि हार्दिक इस स्थिति से जिस तरह निपटे उससे तिवारी प्रभावित हैं। उन्होंने कहा, 'मैं हाल ही में टेलीविजन के माध्यम से जो कुछ भी देख रहा हूं, हूटिंग के बावजूद उसने धैर्य बनाए रखा, वह नर्वस नहीं हुआ जो अच्छे स्वभाव की निशानी है।

पश्चिम बंगाल के खेल मंत्री तिवारी ने कहा कि हार्दिक को अपने प्रदर्शन पर ध्यान केंद्रित करना होगा जिससे कि वह एक जून से अमेरिका और वेस्टइंडीज में शुरू होने वाले टी20 विश्व कप के लिए अच्छी स्थिति में रहें।

धोनी को नंबर-8 पर भेजना क्रेजी

लेकिन स्टीफन फ्लेमिंग चाहते हैं कि...

चेन्नई, एजेंसी। 2024 का इंतजार चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) फैन्स को बेसब्री से था। महेंद्र सिंह धोनी को मैदान पर खेलते हुए देखने के लिए लोग तरस रहे थे।

चेन्नई सुपरकिंग्स अभी तक दो मैच खेल चुका है और दोनों ही मैच में जीत दर्ज करके आईपीएल 2024 पॉइंट्स टेबल में टॉप पर भी है। सीएसके ने पहला मैच रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ जीता और फिर 26 मार्च को गुजरात टाइटन्स को बड़े अंतर से हराया। इन दोनों मैचों में महेंद्र सिंह धोनी का जादू विकेट के पीछे तो देखने को मिला, लेकिन उनकी बैटिंग का मजा फैन्स अभी तक नहीं उठा पाए हैं। शिवम दुबे जब आउट हुए थे, तो सीएसके के कुछ ओवर बचे थे, ऐसा लगा था एमएस धोनी बैटिंग के लिए आएंगे, क्योंकि उनको ड्रेसिंग रूम में शैडो बैटिंग करते हुए भी देखा गया था। खैर समीर रिजवी आए और धोनी को बैटिंग करते हुए देखने के लिए सीएसके फैन्स का इंतजार और भी बढ़ गया। सीएसके के मौजूदा बैटिंग ऑर्डर में देखें तो धोनी आठवें नंबर पर नजर आते हैं।

सीएसके के बैटिंग कोच माइक हस्सी ने कहा, स्टीफन फ्लेमिंग का निर्देश है कि इम्पैक्ट प्लेयर के साथ गेम को आगे बढ़ाते रहो, हमारे पास एक एक्स्ट्रा बैटर है और एक एक्स्ट्रा बॉलर भी है, तो इससे बैटिंग ऑर्डर और बेहतर हो जाता है।

हमारे बैटिंग ऑर्डर में धोनी आठवें नंबर पर हैं, जो क्रेजी है, और अगर अभी की बात करें तो नेट्स पर धोनी अच्छी बैटिंग भी कर रहे हैं। हमारी बैटिंग में इतनी गहराई है कि अगर टॉप ऑर्डर के बैटर्स दो माइंडसेट के साथ उतरते हैं, तो वो पॉजिटिव माइंडसेट से बैटिंग कर सकते हैं।

गुजरात टाइटन्स के कप्तान शुभमन गिल पर लगा जुर्माना

चेन्नई, एजेंसी। गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल को मंगलवार को दोहरा झटका लगा। एक तो चेन्नई के खिलाफ गुजरात को हार का सामना करना पड़ा और फिर टीम की धीमी ओवर गति के लिए कप्तान पर जुर्माना भी लगाया गया।

आईपीएल के एक बयान में कहा गया, आईपीएल की न्यूनतम ओवर गति से संबंधित आचार संहिता के तहत यह उनकी टीम का सीजन का पहला अपराध था, इसलिए शुभमन गिल पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया।

बात अगर मैच की करें तो, सीएसके ने बल्ले और गेंद दोनों से शानदार प्रदर्शन करते हुए पिछले साल के फाइनलिस्ट गुजरात टाइटंस को 63 रनों से हराया। गुजरात टाइटंस फिलहाल एक जीत और एक हार के साथ अंक तालिका में छठे स्थान पर है, जबकि गत चैंपियन सुपर किंग्स दो जीत के साथ तालिका में शीर्ष पर है।

हरियाणा सब जूनियर राष्ट्रीय मुक्केबाजी में दोनों वर्गों में बना चैंपियन, कुल मिलाकर 19 पदक जीते

नोएडा, एजेंसी। हरियाणा की सात में से छह मुक्केबाजों ने आसानी से 5-0 के सर्वसम्मत फैसले से जीत हासिल की। दिया (61 किग्रा) ने दिल्ली की यशिका को 5-0 से हराया और 'सर्वश्रेष्ठ मुक्केबाज' चुनी गईं।

हरियाणा यहां मुक्केबाजी सब जूनियर राष्ट्रीय चैंपियनशिप में लड़कों और लड़कियों दोनों में टीम खिताब के साथ कुल 19 पदक जीतकर चैंपियन बना। लड़कियों के वर्ग के मौजूदा चैंपियन हरियाणा ने 64 अंक लेकर तालिका में शीर्ष पर रहकर अपने खिताब का बचाव किया। उसने सात स्वर्ण, एक रजत और दो कांस्य पदक जीते। हरियाणा की सात में से छह मुक्केबाजों ने आसानी से 5-0 के सर्वसम्मत फैसले से जीत हासिल की। दिया (61 किग्रा) ने दिल्ली की यशिका को 5-0 से हराया और 'सर्वश्रेष्ठ मुक्केबाज' चुनी गईं। उनके अलावा बालिका वर्ग में उसके लिए भूमि (35 किग्रा), निश्चल शर्मा (37 किग्रा), राखी (43 किग्रा), नैतिक (52 किग्रा), नव्या (55 किग्रा) और सुखरीत (64 किग्रा) ने स्वर्ण पदक जीते। दिल्ली 34 अंक से दूसरे और महाराष्ट्र 31 अंक से तीसरे स्थान पर रहा। दिल्ली ने एक स्वर्ण, तीन रजत और चार कांस्य पदक जबकि महाराष्ट्र ने एक स्वर्ण, तीन रजत और दो कांस्य पदक जीते।

बालक वर्ग में उत्तराखंड दूसरे और यूपी तीसरे स्थान पर

अरुणाचल प्रदेश की कांस्य पदक विजेता हिलांग (37 किग्रा) बालिका वर्ग में सबसे होनहार मुक्केबाज का पुरस्कार जीतने में सफल रहीं। लड़कों के वर्ग में हरियाणा ने छह स्वर्ण, दो रजत और एक कांस्य से कुल नौ पदक जीते जिससे वह 62 अंक लेकर पहले स्थान पर रहा। उदय सिंह ने 37 किग्रा में तमिलनाडु के एस सुजीत को 5-0 से मात दी। नितिन (40 किग्रा), रवि सिहाग (49 किग्रा), लक्ष्य (52 किग्रा), नमन (58 किग्रा) और अनमोल दहिया (64 किग्रा) ने भी स्वर्ण पदक जीते। उत्तराखंड तीन स्वर्ण और तीन रजत से 34 अंक लेकर दूसरे स्थान पर रहा।उत्तर प्रदेश ने एक स्वर्ण, तीन रजत और एक कांस्य पदक से तीसरा स्थान हासिल किया।

मियामी ओपन टेनिस

बोपन्ना और एबडेन क्वार्टर फाइनल में पहुंचे, शीर्ष वरीय जोड़ी ने निस-जिलिंस्की को परास्त किया

मियामी (अमेरिका), एजेंसी। एटीपी मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट के अंतिम-8 में बोपन्ना और एबडेन ऑस्ट्रेलिया के जान पैट्रिक और नीदरलैंड के सेम वरबीक से भिड़ेंगे। भारतीय-ऑस्ट्रेलियाई जोड़ी ने चार एस लगाए और 84 प्रतिशत अंक पहली सर्विस पर जीते। इस वर्ष ऑस्ट्रेलियाई ओपन का पुरुष युगल खिताब जीतने वाली जोड़ी रोहन बोपन्ना और मैथ्यु एबडेन ने मियामी ओपन टेनिस टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। शीर्ष वरीय 43 वर्षीय बोपन्ना और एबडेन ने दूसरे दौर के पुरुष युगल मुकाबले में मोनाको के ह्यूगो निस और पोलैंड के जान जिलिंस्की को कड़े संघर्ष में 7-5, 7-6 (3) से पराजित किया। यह मुकाबला एक घंटा 39 मिनट चला।

अब पैट्रिक-वरबीक से भिड़ेंगे

एटीपी मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट के अंतिम-8 में बोपन्ना और एबडेन ऑस्ट्रेलिया के जान पैट्रिक और नीदरलैंड के सेम वरबीक से भिड़ेंगे। भारतीय-ऑस्ट्रेलियाई जोड़ी ने चार एस लगाए और 84 प्रतिशत अंक पहली सर्विस पर जीते। दोनों ने पहले सेट के 11वें गेम में निस-जिलिंस्की की सर्विस तोड़ी। इसके बाद दो ब्रेक प्वाइंट बचाते हुए 7-5 से सेट अपने नाम किया। दूसरे सेट में निस-जिलिंस्की के डबल फॉल्ट की बदौलत बोपन्ना-एबडेन को जीत मिली। पहले दौर में बोपन्ना-एबडेन ने इटली के साइमन बोलेली और वावासोरी को 4-6, 7-6 (4), 10-4 से हराया था।

शीर्ष वरीय स्वियातेक और गॉफ बाहर

इस टूर्नामेंट के महिला एकल मुकाबलों में दो बड़े उलटफेर हुए। शीर्ष वरीय पोलैंड की इगा स्वियातेक और तीसरी वरीय कोको गॉफ को पराजय मिली। स्वियातेक को एकतेरीना एलेक्जेंड्रोवा से 4-6, 2-6 और गॉफ को नंबर 23 फ्रांस की कैरोलिन गार्सिया के हाथों 3-6, 6-1, 2-6 से हार मिली।

क्वार्टर फाइनल में पहुंचीं गार्सिया की इस टूर्नामेंट में ग्रैंड स्लैम विजेता पर यह लगातार दूसरी जीत है। इससे पहले उन्होंने नाओमी ओसाका को हराया था। एलीना रिबाकीना ने मेडिसिन कीज को 6-3, 7-5 और विक्टोरिया अजारेंका ने कैटी बोल्टर को 7-5, 6-1 से हराकर अंतिम-8 में जगह बनाई। पुरुष एकल में स्पेन के कार्लोस अल्कारेज ने गेल मोंफिल्स को 6-4, 6-2 से हराकर अंतिम-16 में प्रवेश किया।

सुनील छेत्री ने अपने 150वें मैच में दागा गोल

पर भारत हारा, अफगानिस्तान 2-1 से जीता

गुवाहाटी, एजेंसी। भारत को फीफा विश्व कप 2026 क्वालिफायर मैच में अफगानिस्तान के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा है। मंगलवार को गुवाहाटी में खेले गए मैच में अफगानिस्तान की टीम ने 2-1 से जीत हासिल की। टीम इंडिया की हार के बाद सोशल मीडिया पर प्रतिक्रियाओं की बाढ़ आ गई है। फैंस भारत के अपने घर में ही हार से निराश हैं।

खास बात यह है कि यह भारतीय कप्तान सुनील छेत्री का 150वां अंतरराष्ट्रीय मैच था और उन्होंने इस खास मुकाबले में एक गोल भी किया, लेकिन इसके बावजूद टीम इंडिया को हार का सामना करना पड़ा। इस हार से टीम इंडिया के फीफा विश्व कप क्वालिफायर के तीसरे राउंड में पहुंचने की उम्मीदों को झटका लगा है। भारत ने मैच की शुरुआत शानदार अंदाज में की थी।

अपना 150वां मैच खेल रहे छेत्री ने 38वें मिनट पर पेनल्टी किक पर टीम इंडिया को 1-0 की बढ़त दिलाई थी। पहले हाफ तक भारतीय टीम की बढ़त जारी रही। हालांकि, दूसरे हाफ में भारत को निराशा हाथ लगी। 70वें मिनट में रहमत अकबरी के शॉट पर गेंद भारतीय डिफेंडर से डिफ्लेक्ट होकर गोलकीपर गुरमीत सिंह को छकाते हुए गोलपोस्ट में घुस गई। अफगानिस्तान ने स्कोर 1-1 से बराबर किया। इसके बाद 88वें मिनट में अफगानिस्तान को पेनल्टी मिला, जिस पर शरीफ मुखाम्मद ने गोल दाग अपनी टीम को 2-1 से जीत दिलाई।

भारत और पाकिस्तान महिला टी20 एशिया कप के एक ही ग्रुप में

नई दिल्ली, एजेंसी। गत चैंपियन भारत को आगामी महिला टी20 एशिया कप 2024 में पाकिस्तान, यूएई और नेपाल के साथ ग्रुप ए में रखा गया है, जो 19 से 28 जुलाई तक श्रीलंका के दांबुला में होने वाला है। टूर्नामेंट के संस्करण में आठ टीमें शामिल होंगी, जो 2022 में पिछले संस्करण की तुलना में एक अधिक है, जो पूरे एशिया में महिला क्रिकेट में बढ़ती रुचि और भागीदारी को दर्शाता है। मंगलवार को यहां एशियाई क्रिकेट परिषद द्वारा घोषित कार्यक्रम के अनुसार ग्रुप बी में बांग्लादेश, मेजबान श्रीलंका, मलेशिया और थाईलैंड शामिल होंगे। एसीसी अध्यक्ष जय शाह ने एक बयान में कहा कि महिला एशिया कप 2024 क्षेत्र में महिला क्रिकेट को बढ़ावा देने के लिए एसीसी की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। हम टीमों के बीच बढ़ती भागीदारी और प्रतिस्पर्धा को देखकर उत्साहित हैं, जो महिला क्रिकेट की बढ़ती लोकप्रियता और महत्व को दर्शाता है। शाह ने आगे कहा कि यह विस्तार, 2018 में छह टीमों से बढ़कर 2022 में सात और अब आठ टीमों तक, महिलाओं के खेल और एशियाई क्रिकेट में बढ़ते प्रतिभा पूल के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का एक प्रमाण है।

हम एक रोमांचक टूर्नामेंट की आशा करते हैं जो खिलाड़ियों और प्रशंसकों दोनों को प्रेरित करेगा। कार्यक्रम के अनुसार, आयोजन के शुरुआती दिन 19 जुलाई को होने वाले दो मैचों में पाकिस्तान का सामना नेपाल से होगा, जबकि भारत संयुक्त अरब अमीरात से भिड़ेगा। भारत 21 जुलाई को पाकिस्तान से खेलेगा जबकि बांग्लादेश 24 जुलाई को अंतिम लीग मैचों में मलेशिया से और श्रीलंका थाईलैंड से भिड़ेगा।

भारत-पाक द्विपक्षीय श्रृंखला को लेकर क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने दिखाई रुचि

नई दिल्ली, एजेंसी। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने भारत और पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय श्रृंखला की मेजबानी में रुचि व्यक्त की है, क्या बीसीसीआई और पीसीबी दोनों के बीच मैचों के लिए आपसी सहमति से सहमत होंगे।

भारत और पाकिस्तान ने 2012-13 के बाद से कोई द्विपक्षीय श्रृंखला नहीं खेली है और दोनों देश केवल विश्व कप और चैंपियंस ट्रॉफी जैसे वैश्विक आईसीसी आयोजनों में ही भिड़ते हैं। दोनों एशियाई देश इस नवंबर में एक ही समय पर ऑस्ट्रेलिया में होंगे, क्योंकि सीए ने 22 नवंबर से शुरू होने वाली बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी श्रृंखला के लिए भारत के पहुंचने से कुछ समय पहले पाकिस्तान के साथ अपने अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम की घोषणा की थी, जिसमें तीन एकदिवसीय मैच और तीन टी20 मैच खेले जाएंगे। रिपोर्ट के अनुसार सीए के क्रिकेट संचालन प्रबंधक पीटर रोच ने मंगलवार को कहा कि राष्ट्रीय संस्था भारत और पाकिस्तान के बीच मैच की मेजबानी करने में सक्षम होना पसंद करेगी और दोनों देशों के बोर्डों के प्रति रुचि व्यक्त करना जारी रखेगी।

रोच ने कहा, हम हमेशा मैचों और सामग्री के अवसरों में रुचि रखते हैं जो हमारे प्रशंसकों को शामिल करेंगे और यह कहना उचित है कि दुनिया का हर देश भारत और पाकिस्तान को अपने देश में प्रतिस्पर्धा करते देखना पसंद करेगा। हम रिकॉर्ड पर कह रहे हैं कि हम उन देशों में से एक हैं जिन्होंने सवाल पूछा है।

इस समय कार्यक्रम में ऐसा करने के लिए कोई जगह नहीं है लेकिन हम उनसे किसी भी अन्य अवसर के बारे में बात करते रहेंगे। लेकिन इस विशिष्ट उदाहरण में, उस शेड्यूल में कोई बदलाव नहीं होने जा रहा है। 2022 में एमसीजी में प्रतिद्वंद्वी देशों के बीच टी20 विश्व कप मुकाबले के टिकट पांच मिनट के भीतर बिक गए थे जिससे 90,000 से अधिक प्रशंसक आकर्षित हुए। इसी तरह 2015 में एडिलेड में हुई भिड़ंत भी काफी चर्चित रही थी। इस मांग ने सुझाव दिया होगा कि भविष्य में पाकिस्तान-भारत मैचों के लिए ऑस्ट्रेलिया एक आदर्श तटस्थ स्थल हो सकता है।

सीए के मुख्य कार्यकारी निक हॉकले ने भी द्विपक्षीय श्रृंखला के लिए दो एशियाई देशों की मेजबानी करने की इच्छा दोहराई। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि जो कोई भी एमसीजी में भारत-पाकिस्तान मैच के लिए यहां आया था, वह इसे सबसे यादगार अवसरों में से एक के रूप में याद रखेगा, न कि केवल खेल के अवसरों में, जहां मैं कभी गया हूं। अगर अवसर मिला तो हम इसकी मेजबानी करना पसंद करेंगे यदि हम कोई भूमिका निभा सकते हैं, तो हमें अच्छा लगेगा। उन्होंने कहा, हम पाकिस्तान की मेजबानी करने के लिए बहुत उत्साहित हैं। हम भारत की मेजबानी करने के लिए बहुत उत्साहित हैं।

अगर हम मदद कर सकते हैं, तो यह बहुत अच्छा है। लेकिन मुझे लगता है कि कई मायनों में, यह एक द्विपक्षीय श्रृंखला है।

संक्षिप्त समाचार

नक्सलियों का 3 दिन में हिसाब चुकता, छत्तीसगढ़ में बड़ा एनकाउंटर

बीजापुर, एजेंसी। लोकसभा चुनाव के ठीक पहले छत्तीसगढ़ के बीजापुर में जवानों और नक्सलियों के बीच जमकर मुठभेड़ हुई है। इस मुठभेड़ में जवानों ने गोलीबारी करते हुए 6 नक्सलियों को ढेर कर दिया है। इस घटना की पुष्टि एसपी जितेंद्र कुमार यादव ने की है। बतादे कि छत्तीसगढ़ के बीजापुर के बासागुड़ा थाना क्षेत्र अंतर्गत सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच जमकर मुठभेड़ हुई है। सुरक्षा बलों की टीम में कोबरा 210, 205, सीआरपीएफ 229 बटालियन व डीआरजी की संयुक्त टीम ने यह कार्रवाई की है। जवानों ने जंगल में नक्सलियों पर जमकर गोली बरसाई है।? जवानों के द्वारा की गई फायरिंग में 6 नक्सलियों के मारे जाने की खबर सामने आ रही है। इस मुठभेड़ के बाद बासागुड़ा के जंगल में जवानों के द्वारा सर्चिंग करते हुए नक्सलियों के शव को बरामद कर लिया है।? बता दे कि छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले के बासागुड़ा क्षेत्र में होली के त्यौहार के दिन तीन ग्रामीणों की अज्ञात लोगों के द्वारा कुल्हाड़ी से हमला कर हत्या की गई थी। इस हत्याकांड के पीछे पुलिस ने नक्सली वारदात की बात कही थी। बताया जा रहा है कि अज्ञात लोगों के द्वारा दोपहर के वक्त गांव के अंदर घुसकर तीनों ग्रामीणों पर हमला किया गया था। जिसमें से दो ग्रामीणों की मौके पर ही मौत हो गई थी। वहीं एक ग्रामीण को अस्पताल में गंभीर रूप में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया था। पुलिस के मुताबिक हमलावरों के द्वारा कुल्हाड़ी से इन ग्रामीणों के सिर पर एक के बाद एक कई बार हमला किया गया है। इस हमले में जिन लोगों की हत्या हुई है उनके नाम चंद्राया मोडियम, अशोक भंडारी और कारम रमेश बताया जा रहा है।

श्रीलंका जाएंगे राजीव गांधी के हत्यारे, तमिलनाडु सरकार ने हाईकोर्ट को बताया

चेन्नई, एजेंसी। तमिलनाडु सरकार ने मंगलवार को मद्रास उच्च न्यायालय को बताया कि यहां स्थित श्रीलंकाई उच्चायोग ने राजीव गांधी हत्याकांड मामले में दोषी करार दिये गए श्रीहरन उर्फ मुरुगन, रॉबर्ट पायस और जयकुमार को यात्रा दस्तावेज प्रदान कर दिया है। स्वदेश वापस भेजने का आदेश जारी होने पर वह घर लौट सकते हैं। अतिरिक्त लोक अभियोजक आर मुनियप्पाराज ने न्यायमूर्ति आर सुरेशकुमार और न्यायमूर्ति के कुमारेश बाबू की खंडपीठ इस मामले पर सुनवाई कर रही थी। बताया कि उन्हें एक सप्ताह के भीतर या विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय (एफआरआरओ) द्वारा निर्वासन आदेश जारी होने के बाद श्रीलंका भेज दिया जाएगा। मुरुगन ने याचिका दायर कर त्रिची में अधिकारियों को फोटो पहचान प्रमाण पत्र जारी करने का निर्देश देने की मांग की थी। आपको बता दें कि मुरुगन उर्फ श्रीहरन श्रीलंकाई नागरिक हैं। वह इस हत्याकांड के उन सात दोषियों में से एक हैं जिन्हें 30 वर्ष से अधिक समय जेल में बिताने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने नवंबर 2022 में रिहा कर दिया था। राज्य सरकार द्वारा एफआरआरओ को लिखे पत्र पर जवाब देते हुए मुनियप्पाराज ने दलील दी कि अस्थायी यात्रा दस्तावेज मूल रूप से श्रीलंकाई उच्चायोग ने याचिकाकर्ता को जारी किया था, जिसके आधार पर एफआरआरओ द्वारा आवश्यक स्वदेश वापसी आदेश जारी किया जाना है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने 25 मार्च 2024 को एक पत्र के जरिये यह विषय एफआरआरओ के पास भेज दिया है। उन्होंने कहा कि स्वदेश वापस भेजने का आदेश एफआरआरओ द्वारा जारी किये जाने के बाद याचिकाकर्ता श्रीलंका लौट सकते हैं।

लोस चुनाव 2024: अलीगढ़ से अब तक सात बार महिलाएं बनी सासंद, लगातार 4 बार बीजेपी ने जीती सीट

अलीगढ़, एजेंसी।
अलीगढ़ लोकसभा चुनावों में महिलाओं का भी दबदबा रहा है। 17 लोकसभा चुनाव में सात बार महिलाएं सांसद निर्वाचित होकर संसद पहुंची हैं। सबसे अधिक शीला गौतम के नाम चार बार लगातार सांसद चुने जाने का रिकार्ड है। अभी तक यह रिकार्ड कोई तोड़ नहीं पाया है। 1980 में पहले जनता पार्टी की उम्मीदवार इंद्रा कुमारी जिले की सांसद बनीं थीं।

देश के विभिन्न संस्थानों में महिलाओं की भागीदारी के साथ राजनीति में भी सक्रियता बढ़ रही है। लोकसभा, विधानसभा व स्थानीय निकाय चुनावों में महिलाओं को पार्टियां उम्मीदवार के रूप में चुनावी अखाड़े में उतार रही हैं। यही कारण है कि महिलाएं सियासी रण में बाजी मारने में कामयाब हो रही हैं। अलीगढ़ लोकसभा सीट पर महिलाओं की भागीदारी व राजनीति में उनकी सक्रियता की बात करें तो वह पुरुष उम्मीदवारों से कम नहीं हैं।

अलीगढ़ में 17 लोकसभा चुनाव हुए, जिसमें सात बार महिला उम्मीदवारों ने जीत दर्ज कराई है। राष्ट्रपति से लेकर राज्यपाल के पद पर महिलाएं आसीन हैं। केंद्र में कई महिलाओं के हाथों अहम जिम्मेदारी है। 17 लोकसभा चुनाव में सात बार आधी आबादी अलीगढ़ की सांसद बनकर प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं। 1980 के बाद 1984 के लोकसभा चुनाव में दूसरी बार कांग्रेस के टिकट से ऊषा रानी तोमर जीत दर्ज कराकर संसद पहुंचीं थीं। उस समय चुनाव में 20 प्रत्याशियों में तीन महिला प्रत्याशी थीं। अभी तक नहीं टूटा सांसद के रूप में शीला गौतम का रिकार्ड 1984 के बाद 1991 में हुए लोकसभा चुनाव में भाजपा से पहली बार शीला गौतम अलीगढ़ की सांसद बनी थीं। अब तक के इतिहास में अकेली ऐसी सांसद हैं जो लगातार चार बार हुए चुनाव में जीत दर्ज कराने में कामयाब हुई थी। 1999 तक लगातार भाजपा से वह जीतीं थीं। बसपा से राजकुमारी चौहान पहली बार 2009 में सांसद बनीं थीं। बसपा से अभी तक राजकुमारी चौहान के नाम ही महिलाओं में सांसद का चुनाव जीतने का रिकार्ड है। आजादी के बाद पहली बार 1952 में लोकसभा चुनाव हुए थे। अलीगढ़ संसदीय सीट पर 1980 में हुए लोकसभा चुनाव में पहली बार महिला प्रत्याशी इंद्रा कुमारी ने जनता पार्टी से जीत दर्ज कराई थी। उस चुनाव में 26 प्रत्याशियों में से चार महिला प्रत्याशी थीं। पहली बार सांसद बनने का रिकार्ड अपने नाम करने वालीं इंद्रा कुमारी जालौन जिले के जगम्मनपुर राज्य की राजकुमारी होने के साथ ही गभाना एस्टेट के चेतनराज की पत्नी थीं। 18वें लोकसभा चुनाव का बिगुल बज चुका है। फिलहाल इस बार अभी तक भाजपा व कांग्रेस-सपा गठबंधन से कोई महिला उम्मीदवार नहीं है। बसपा ने अभी तक अपने पते नहीं खोले है।

आकाश आनंद को मायावती ने दी प्रचार की जिम्मेदारी, बीएसपी के लिए 25 ताबड़तोड़ रैली करेंगे

लखनउ, एजेंसी। यूपी में लोकसभा चुनाव को लेकर बहुजन समाज पार्टी पूरा जोर लगा रही है। बसपा जनता तक पहुंचाने की पूरी कोशिश में लगी है। इस बीच मायावती के उत्तराधिकारी आकाश आनंद की भी एंट्री होने जा रही है। मायावती ने इस बार आकाश आनंद को चुनाव प्रचार की जिम्मेदारी दी है। यूपी की सियासत में धमाकेदार एंट्री के साथ आकाश आनंद ताबड़तोड़ 25 रैलियां करेंगे। यूपी में मायावती अपनी सभाएं भी करेंगी। पहले की तरह वह मंडलवार सभाएं करेंगी। कुछ मजबूत प्रत्याशियों के लिए उनके क्षेत्र में सभाएं करने जा सकती हैं। आकाश आनंद भी इन सभाओं में उनके साथ शामिल हो सकते हैं। आकाश आनंद को हाल ही में मायावती ने अपना राजनितिक उत्तराधिकारी घोषित किया है। आकाश के पास यूपी और उत्तराखंड को छोड़कर दूसरे राज्यों में बीएसपी के संगठन को विस्तार देने की जिम्मेदारी है। राष्ट्रीय को-ऑर्डिनेटर बनने के बाद आकाश आनंद बसपा को दूसरे राज्यों में मजबूत करने में जुटे हैं। अब इस लोकसभा चुनाव के आकाश आनंद की यूपी में एंट्री होगी। अब वह चुनाव प्रचार के दौरान जनता को बसपा को वोट देने को लेकर रिझाएंगे। आकाश आनंद 6 अप्रैल से पहले चरण के लिए चुनाव प्रचार शुरू करेंगे। 6, 7, 8, 11, 13, 17, 25, 25. 26, 28 अप्रैल, 1 मई को आकाश आनंद यूपी में लोकसभा चुनाव प्रचार करेंगे। आकाश आनंद बरेली मंडल, आगरा, मथुरा, अलीगढ़, हाथरस, सहारनपुर, कैराना, गोरखपुर, बस्ती मंडल, वाराणसी, आजमगढ़, प्रयागराज, मिर्जापुर, अयोध्या और कई लोकसभा क्षेत्रों में जाकर बसपा के लिए चुनाव प्रचार करेंगे।

भाजपा ने दिलीप घोष से मांगी सफाई, ममता बनर्जी को लेकर दिया था विवादित बयान

कोलकाता, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अध्यक्ष जेपी नड्डा ने मंगलवार को एक नोटिस जारी कर पार्टी नेता दिलीप घोष से पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर उनकी टिप्पणी को लेकर स्पष्टीकरण मांगा है। बीजेपी सुप्रीमो ने एक पत्र लिखकर कहा है कि दिलीप घोष की टिप्पणी अशोभनीय और असंसदीय होने के साथ-साथ पार्टी के लोकाचार और मूल्यों के खिलाफ है। भाजपा ने कहा कि वह इस तरह की टिप्पणियों की कड़ी निंदा करती है और इस मुद्दे पर दिलीप घोष से स्पष्टीकरण मांगती है।

आपको बता दें कि दिलीप घोष के बयान पर विवाद खड़ा हो गया। इस पर तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने पलटवार करते हुए कहा कि यह टिप्पणी भाजपा के डीएनए को दर्शाती है। टीएमसी ने इस वीडियो को लेकर घोष के खिलाफ निर्वाचन आयोग में शिकायत दर्ज कराई और आरोप लगाया कि उन्होंने आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) का उल्लंघन किया है। टीएमसी ने घोष की आलोचना करते हुए कहा कि यह वीडियो क्लिप साझा किया।

भाजपा की पश्चिम बंगाल इकाई के पूर्व अध्यक्ष दिलीप घोष को टीएमसी के चुनावी नारे बांग्ला निजेर मेयेके चाई (बंगाल अपनी बेटी चाहता है) का मजाक उड़ाते हुए देखा जा सकता है। वह इस बार बर्धमान-दुर्गापुर लोकसभा सीट से चुनाव लड़ रहे हैं।

टिकट कटने के बाद आज बड़ा एलान कर सकते हैं अश्विनी चौबे

नई दिल्ली/पटना, एजेंसी। केंद्रीय मंत्री अश्विनी कुमार चौबे सक्रिय राजनीति से संन्यास ले सकते हैं। बताया जा रहा है कि वह टिकट कटने से नाराज चल रहे हैं।अश्विनी चौबे बिहार के बक्सर क्षेत्र से भाजपा के टिकट पर लगातार दो बार से चुनाव जीतकर सांसद हैं। 2014 से ही नरेन्द्र मोदी सरकार में राज्यमंत्री हैं।उन्होंने गुरुवार को दिल्ली स्थित अपने आवास पर मीडिया को आमंत्रित किया है। ऐसा माना जा रहा है कि उसी समय वह अपने राजनीतिक संन्यास की घोषणा कर सकते हैं।भाजपा ने इस बार बक्सर से अश्विनी चौबे का टिकट काटकर मिथिलेश तिवारी को दिया है। बिहार में चौबे लंबे समय से भाजपा की राजनीति में सक्रिय हैं। सांसद बनने के पहले वह 2010 में बिहार विधानसभा के लिए चुने गए थे और बिहार सरकार में मंत्री बने थे।उन्होंने राजनीति की शुरुआत विद्यार्थी परिषद से की थी। बक्सर से पहले वह भागलपुर क्षेत्र (में सक्रिय थे।इस बार भी उन्हें बक्सर या भागलपुर से भाजपा से टिकट मिलने की उम्मीद थी, लेकिन दोनों जगह से निराशा हाथ लगी। उनके निकटस्थ सूत्रों का कहना है कि राजनीति से उनका मन अब ऊब गया है।

बिजनौर में अनियंत्रित कार गड्ढे में गिरी, चार की मौत

बिजनौर, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के बिजनौर जिले के नजीबाबाद थाना क्षेत्र में एक अनियंत्रित कार सड़क किनारे गड्ढे में गिर गई। इस हादसे में चार लोगों की मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, गांव गुनियापुर के नजदीक एनएच-74 पर बुधवार सुबह सड़क के किनारे बड़े गड्ढे में एक कार अनियंत्रित होकर पलट गई। इस घटना में चार लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। मृतकों में पिता और दो बेटे शामिल बताए जा रहे हैं। मृतकों की पहचान अमरोहा के सिकहेराड़ा गांव निवासी मेहर सिंह के बेटे प्रवेंद्र और रतन तथा उनके साले देवेन्द्र के रूप में हुई है। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि शवों को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल बिजनौर भेजा गया है।

केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू, पूर्व सीएम नबाम तुकी ने अरुणाचल में नामांकन पत्र दाखिल किया

ईटानगर, एजेंसी।
केंद्रीय मंत्री और भाजपा उम्मीदवार किरेन रिजिजू ने मंगलवार को अरुणाचल पश्चिम संसदीय क्षेत्र के लिए अपना नामांकन दाखिल किया। इस सीट पर पहले चरण में 19 अप्रैल को मतदान होगा। मुख्यमंत्री पेमा खांडू, विधायक केंटो जिनी और न्यामार कारबाक के साथ रिजिजू ने पश्चिम सियांग जिले के मुख्यालय आलो में अपना पर्चा दाखिल किया।

रिजिजू ने अपना उम्मीदवारी पर्चा जमा करने के बाद एक्स पर लिखा मैं अपना नामांकन पत्र दाखिल करने के दौरान उपस्थिति और समर्थन के लिए माननीय मुख्यमंत्री पेमा खांडू जी का हार्दिक आभार व्यक्त करता हूं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मजबूत नेतृत्व में भाजपा के साथ अरुणाचल प्रदेश प्रगति और सफलता की राह पर है। इस बीच, अरुणाचल प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस की राज्य इकाई के अध्यक्ष नबाम तुकी ने भी अरुणाचल पश्चिम सीट से अपना नामांकन दाखिल किया। छह बार

के विधायक, 60 वर्षीय कांग्रेस नेता तुकी 1991 से पापुमपारे जिले के सागली निर्वाचन क्षेत्र से मौजूदा विधायक हैं। पूर्वोत्तर क्षेत्र में भाजपा के प्रमुख नेताओं में से एक रिजिजू ने 2019 के चुनाव में लगातार तीसरी बार सीट जीती थी और 204,553 वोट हासिल किए थे। उन्होंने कांग्रेस उम्मीदवार नबाम तुकी को 1,74,843 वोटों के अंतर से हराया था। वह पहली बार 2004 में अरुणाचल पश्चिम संसदीय क्षेत्र से 14वीं लोकसभा के लिए चुने गए, लेकिन 2009 में कांग्रेस उम्मीदवार तकम संजय से चुनावी लड़ाई हार गए थे।

53 वर्षीय नेता को 2014 में 16वीं लोकसभा के लिए फिर से चुना गया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें गृह मंत्रालय में राज्यमंत्री के रूप में मंत्रिपरिषद में शामिल किया। न्यीशी जनजाति से ताल्लुक रखने वाले रिजिजू को 2019 में उसी अरुणाचल पश्चिम निर्वाचन क्षेत्र से 17वीं लोकसभा के लिए चुना गया और उन्हें युवा मामलों और खेल राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और अल्पसंख्यक मामलों का राज्यमंत्री नियुक्त किया गया।

दो लोकसभा सीटों - अरुणाचल पश्चिम और अरुणाचल पूर्व - के साथ अरुणाचल प्रदेश में 19 अप्रैल को पहले चरण में लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ होंगे। पूर्वोत्तर राज्य में 60 विधानसभा क्षेत्र हैं। विधानसभा चुनाव के लिए वोटों की गिनती 2 जून को और लोकसभा चुनाव के लिए 4 जून को होगी।

प्रतिदिन देंगे 400 रुपये न्यूनतम मजदूरी, कांग्रेस का वादा: मोदी सरकार के 10 साल रहे 'अन्याय काल'

नईदिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने मंगलवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के पिछले 10 वर्ष श्रमिकों के लिए 'अन्याय काल' वाले रहे हैं। मुख्य विपक्षी दल ने यह भी कहा कि यदि वह सत्ता में आती है, तो 'श्रमिक न्याय' के माध्यम से कामगारों के लिए अन्याय काल का अंधकार दूर करेगी। कांग्रेस ने वादा किया कि अगर सत्ता में आई तो देशभर में न्यूनतम मजदूरी बढ़ाकर प्रतिदिन 400 रुपये कर देगी। विपक्षी पार्टी ने कहा कि यही मजदूरी मनरेगा के लिए भी लागू होगी।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''कांग्रेस पार्टी 'श्रमिक न्याय' क्यों लाई है? मोदी सरकार के कार्यकाल में 2014-15 और 2021-22 के बीच वास्तविक मजदूरी की वृद्धि दर प्रति वर्ष 1त्न से भी कम थी। यह खेत मज़दूरों के लिए केवल 0.9त्न, निर्माण कर्मियों के लिए मात्र 0.2त्न और गैर-कृषि श्रमिकों के लिए सिर्फ़ 0.3त्न रही।'' उन्होंने दावा किया, ''संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (क्क) के दूसरे कार्यकाल के दौरान वास्तविक कृषि और गैर-कृषि ग्रामीण मजदूरी क्रमशः 8.6त्न और 6.9त्न प्रति वर्ष की दर से बढ़ी। इसके विपरीत मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल में वास्तविक ग्रामीण मजदूरी की वृद्धि दर कृषि में (-0.6त्न) और गैर-कृषि ग्रामीण मजदूरी (-1.4त्न) दोनों के लिए नकारात्मक हो गई है।'' खरगे ने आरोप लगाया कि मनरेगा में आधार के जरिये भुगतान संबंधी अनिवार्यता लाकर मोदी सरकार ने पिछले दो वर्षों में सात करोड़ लोगों से ''काम का अधिकार'' छीना है। उन्होंने कांग्रेस पार्टी के 'श्रमिक न्याय' के अंतर्गत दी गई पांच 'गारंटी' का उल्लेख करते हुए कहा, ''हाथ बदलेगा हालात।''

अनोखी शादी- 40वीं बार दूल्हा बने, फेरे की रस्में हुईं फिर भी न मिली दुल्हन

लखीमपुर खीरी, एजेंसी।
यूपी के लखीमपुर खीरी में यह कहानी दिलचस्प है। ईसानगर के नरगड़ा गांव में होली के दिन अनोखी रस्म निभाई गई। सोमवार को 40वीं बार दूल्हा बारात लेकर निकला। गाजे-बाजे के साथ दुल्हन के दरवाजे पहुंचे। बारात का स्वागत सत्कार हुआ। फेरे की रस्में हुई और विदाई भी। पर हर साल की तरह 40वीं बार बारात बिना दुल्हन के बैरंग वापस हुई।

होली का दिन रंगों से सराबोर बारातियों का जत्था ट्रैक्कर पर सवार दूल्हे के साथ गांव के बीच निकला। बारात में करीब करीब पूरा गांव शामिल है। बारात दुल्हन के दरवाजे पर पहुंची। बारातियों का स्वागत हुआ। परम्परानुसार बारातियों को जलपान कराकर जनवासे में ठहरा दिया गया। बारात में शामिल लोगों के पांव भी पखारे गए। उधर वधु पक्ष की महिलाओं ने घर में मंगलगीत गाये। द्वारपूजन के बाद विवाह की रस्में निभाई गईं। बारात और दूल्हे के साथ वे सारी रस्में निभाई हुईं। लेकिन दूल्हे को नहीं मिलती तो बस दुल्हन। बात हो रही है कि ईसानगर के मजरा नरगड़ा में निकाली जाने वाली बारात की। इस बारात की खासियत यह है कि इसमें एक ही परिवार के सदस्य सैकड़ों वर्षो से दूल्हा बनते आए हैं। होली के दिन पूरा गांव दूल्हे के साथ नाचते गाते रंग से सराबोर होकर दूल्हे के साथ बरात लेकर पहुंचते हैं। सारी रस्में शादी

बरात वाली ही होती है।

पुरानी परम्परा के अनुसार आज भी हम लोग भी इस प्रथा को निभा रहे है। यह भी परम्परा है कि बारात को बिना दुल्हन के विदा किया जाता है। इस परंपरा में गांव के विश्वम्भर दयाल मिश्रा 40वीं बार दूल्हा बने। विश्वम्भर की ससुराल गांव में ही है। होली के पहले उनकी पत्नी मोहिनी को कुछ दिन पहले मायके बुला लिया जाता है। शादी के स्वांग के बाद जब बारात विदा होकर आ जाती है। तब उसके कुछ दिन बाद मोहिनी को ससुराल भेज दिया जाता है। यह अनोखी शादी देखने और बारात में शामिल होने के लिए लोग दूर-दूर से आते हैं। सैकड़ों सालों से चली आ रही यह परंपरा आज भी लोक संस्कृतियों की यादें समेटे हुए है।

सिर्फ चेहरे बदलने में लगी बीजेपी, सरकार बदलने के मिशन पर चल रही कांग्रेस : भूपेंद्र हुड्डा

रोहतक, एजेंसी।
बीजेपी ने पहले अपने मुख्यमंत्री का चेहरा बदला और अब लोकसभा के पांच सांसदों का चेहरा बदल डाला। यानी भाजपा सिर्फ चेहरे बदलने में लगी हुई है जबकि, कांग्रेस और हरियाणा की जनता सरकार बदलने के मिशन पर सफलतापूर्वक आगे बढ़ रही है। ये कहना है पूर्व मुख्यमंत्री व नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा का।

हुड्डा रोहतक में पत्रकार वार्ता को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने उच्च न्यायालय का आभार व्यक्त किया और हरियाणा के ब्राह्मण, ओबीसी व एससी समाज को बधाई दी। क्योंकि, उच्च न्यायालय ने कांग्रेस सरकार द्वारा बनाए गए भूमि सुधार कानून को मान्यता दी है। हाईकोर्ट ने इसे पूरी तरह संवैधानिक करार देते हुए इसकी

सराहना भी की है।

दरअसल, बरसों पहले हरियाणा के अलग-अलग गांवों में अन्य स्थान से आकर कई वर्ग बस गए थे। उन वर्गों को पंचायतों व अन्य किसी ने जमीन दान में दी थी। इन वर्गों को दोहलीदार, बूटीमार, भोंडेमार और मुकरारीदार कहा जाता है। इनमें ब्राह्मण, पुरोहित, पुजारी, जांगड़ा ब्राह्मण, नाई, प्रजापत, लोहार, वाल्मिकी, धानक, गोस्वामी, स्वामी, बड़बुजा, धोबी, तेली अन्य कारीगर आदि वर्गों के लोग शामिल थे।

बरसों से उस जमीन पर रहने, बसने व खेती करने के बावजूद इन वर्गों को जमीन का मालिकाना हक नहीं मिल पाया था। इसलिए, ना वो इस जमीन को आगे बेच सकते थे और ना ही किसी तरह का लोन ले सकते थे। इन तमाम वर्गों को मालिकाना हक दिलवाने के लिए कांग्रेस सरकार ने भूमि अधिनियम 2010 लागू किया था। लेकिन, 2018 में बीजेपी सरकार ने उस कानून को निरस्त कर दिया।

कांग्रेस ने इस मुद्दे को बार-बार विधानसभा में भी उठाया। लेकिन बहुमत के जोर पर बीजेपी ने 2010 के कानून में संशोधन करके लाभार्थियों से जमीन वापिस लेने का कानून पास कर दिया। बीजेपी ने लाभार्थियों से जमीन खाली करवाने की कार्रवाई भी शुरू कर दी। इसके बाद ये पूरा मामला कोर्ट पहुंच गया। अब न्यायालय ने ना सिर्फ हमारी सरकार द्वारा बनाए गए कानून को वैधानिक करार दिया है बल्कि इसकी प्रशंसा भी की है।

हुड्डा ने न्यायालय के निर्णय पर खुशी का इजहार किया और प्रदेश में कांग्रेस सरकार बनने पर सर्वसमाज के हित में कार्य करने की प्रतिबद्धता भी जताई। पत्रकारों से बातचीत में राजकुमार सैनी को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में हुड्डा ने कहा कि 32 दलों द्वारा दिल्ली में एआईसीसी ऑफिस जाकर इंडिया गठबंधन को बाहर से समर्थन देने की पेशकश की गई है। जहां तक हरियाणा का विषय है, लोकतंत्र सुरक्षा पार्टी या उसके प्रमुख राजकुमार सैनी का कांग्रेस में शामिल होने का सवाल ही नहीं है। क्योंकि, ना तो वो कांग्रेस में शामिल हुए, ना ही कांग्रेस के सदस्य बने। इसलिए किसी गैर-कांग्रेसी नेता के कांग्रेस पार्टी से चुनाव लड़ने की बात कोरी अफवाह है।

कांग्रेस 36 बिरादरी की पार्टी है और वो कभी जात-पात की राजनीति नहीं करती। कांग्रेस में जात-पात और जातिवादी मानसिकता की कोई जगह नहीं है। प्रदेश में बढ़ते अपराध पर टिप्पणी करते हुए भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि प्रदेश के सामने आज यह सबसे विकराल समस्या है। अपराधी बेखौफ वारदातों को अंजाम दे रहे हैं और आमजन डर के साये में जी रहा है। ऐसा लगता है कि प्रदेश में सरकार नाम की कोई चीज नहीं है।

केजरीवाल के खिलाफ उतरी पंजाब कांग्रेस

नईदिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी के साथ पंजाब में गठबंधन करने से इनकार करने वाली कांग्रेस की स्टेट यूनिट अब अरविंद केजरीवाल के समर्थन के भी पक्ष में नहीं है। पंजाब कांग्रेस का कहना है कि ईडी की हिरासत में गए अरविंद केजरीवाल का सपोर्ट नहीं करना चाहिए। दोनों दल पंजाब में सभी 13 सीटों पर चुनाव लड़ रहे हैं और दिल्ली में 4-3 का समझौता हुआ है। इस तरह आम आदमी पार्टी और कांग्रेस आईएनडीआईए अलायंस का हिस्सा हैं। यही नहीं अरविंद केजरीवाल को जब ईडी ने अरेस्ट किया तो दिल्ली कांग्रेस के कई नेता उनके घर पहुंचे और परिवार के लोगों से मुलाकात की। यही नहीं 31 मार्च को आईएनडीआईए अलायंस ने एक रैली की भी योजना बनाई है, जो दिल्ली के रामलीला मैदान में होगी। उसका कहना है कि यूं अरविंद केजरीवाल का खुलकर समर्थन नहीं करना चाहिए। ऐसा यदि हम करेंगे तो पंजाब में पार्टी की संभावनाओं पर असर होगा और हम कैसे उसी आम आदमी पार्टी के खिलाफ चुनाव में उतर पाएंगे, जिसका हम राष्ट्रीय स्तर पर समर्थन कर रहे हैं। बहरहाल पंजाब से इतर आप और कांग्रेस में लोकसभा चुनाव के लिए गोवा, हरियाणा, दिल्ली, चंडीगढ़ और गुजरात में समझौता हुआ है। अब तक कांग्रेस हाईकमान ने 31 मार्च की रैली में शामिल होने की पुष्टि नहीं की है, लेकिन पंजाब कांग्रेस इसके सख्त खिलाफ है। यही नहीं पंजाब यूनिट ने तो भगंवत मान सरकार के खिलाफ प्रदर्शन भी किए हैं। दरअसल मंगलवार को पंजाब कांग्रेस के प्रभारी देवेंद्र यादव की अध्यक्षता में मीटिंग हुई थी। इस मीटिंग में अमरिंदर राजा वड़िंग, नेता विपक्ष प्रताप सिंह बाजवा, पूर्व मंत्री ओपी सोनी, परगट सिंह, सुखजिंदर सिंह रंधावा, ब्रह्म मोहिंद्रा और तृप्त राजिंदर सिंह बाजवा समेत कई नेता मौजूद थे।

आरएनआई रजिस्ट्रेशन : जेएचएएचआईएन/2007/24306, समाचार पत्र के स्वामी,प्रकाशक,मुद्रक सुमन कुमार द्वारा शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड,काठीटांड़,नियर टेंडर बगीचा,रातू,रांची(झारखंड)-835222 से मुद्रित एवं एच. आई.- 67,हरमू हाउसिंग कॉलोनी रांची (झारखंड)- 834002 से प्रकाशित,संपादकः सुमन कुमार। संपर्क नं. 9470578773,संपर्क नं. (का.) 0651-7960613,फैक्स नं. 0651- 7960613, ईमेलः purvanchalsurya@yahoo.co.in / purvanchalsurya0@gmail.com लेखकों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों से संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है। न्यायालय से संबंधित सभी मामले रांची से ही निबटाये जाएंगे। (पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार)